



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्रापिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २६] नई दिल्ली, शनिवार, जून २७, १९८१ (आषाढ़ ६, १९०३)

No २६] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 27, 1981 (ASADHA 6, 1903)

इस भाग में मिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-११००११, दिनांक 23 मई 1981

सं० ए० ३२०१२/१/८१-प्रशा० II—संघ लोक सेवा आयोग की समसंब्यक अधिसूचना दिनांक ३०-३-८१ के ऋग्रम में संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में स्थायी वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी श्री के० आर० पी० नायर को अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा १९-५-८१ से १८-८-८१ तक की अवधि के लिए अधिकारी अगले आदेशों तक जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से विशेष कार्य अधिकारी (भाषाएं) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 26 मई 1981

सं० ए० ३२०१४/१/८०-प्रशा०-II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग एवं द्वारा श्री एम० एल० धवन, स्थायी अधीक्षक, (हाल०) को १-६-८१ से ३१-८-८१ तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप-नियंत्रक (त० सं०) के पद पर तदर्थ

I—१२६GI/81

प्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

पी० एस० राणा
अनुभाग अधिकारी
हांगामा
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-११००११, दिनांक 27 मई 1981

सं० ए० १२०२२/१/८१-प्रशा० I—भारतीय प्रशासनिक सेवा (त० ना० 1967) के अधिकारी तथा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप-सचिव के पद पर कार्यरत श्री विनय क्षा को दिनांक १-५-१९८१ से अगले आदेशों तक संयुक्त सचिव, संघ लोक सेवा आयोग (रु० २०००-१२५/२-२२५०) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

एच० सी० जाटव
संयुक्त सचिव (प्रशा०)
संघ लोक सेवा आयोग

(7737)

गृह मंत्रालय
(कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो
नई दिल्ली, दिनांक 2 जून 1981

सं० ए-35018/15/79-प्रशासन-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, बंगाल पुलिस के उप-निरीक्षक श्री सुभाष डे को दिनांक 25 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, सिलिगुड़ी उप-एकक में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्त पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० ए-35018/15/79-प्रशासन—I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा पश्चिम बंगाल के पुलिस निरीक्षक श्री तारापद सरकार को दिनांक 1 मई, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, सामान्य अपराध स्कंध, कलकत्ता में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्त पर पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

सं० 20014/459/80-प्रशासन—I—पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्त पश्चिम बंगाल पुलिस के अधिकारी श्री समर कान्ति चौधरी को दिनांक 30-4-81 अपराह्न में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कंध, कलकत्ता शाखा में अपने पद के कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 3 जून 1981

सं० ए-22013/7/79-प्रशासन-5—दिनांक 30-10-1978 से कार्यालय अधीक्षक के रूप में तदर्थ आधार पर श्री जगेंस सिंह की नियुक्ति के बारे में दिनांक 18-11-1978 की अधिसूचना सं० ए-19035/1/78-प्रशा०-5 के आधिक संगोष्ठन में, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो अपने प्रसाद से श्री जगेंस सिंह को दिनांक 5-9-79 से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में नियमित रूप से प्रोश्रति पर कार्यालय अधीक्षक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 जून 1981

सं० वी-46/68-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री वी० टी० वेंकटेशन, वरिष्ठ लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 6-5-81 (पूर्वाह्न) से 3 मास की अवधि के लिए या एक तिथि नियुक्त व्यक्ति उपलब्ध होने तक, जो भी वहाँ घटित हो, के लिए प्रोश्रति पर विलक्षण सदर्थ आधार पर उप-विधि सलाहकार के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० वी-6/74-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, श्री वी० डी० गर्भा, सहायक लोक अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो को दिनांक 6-5-1981 (पूर्वाह्न) से मात्र

6 मास की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में लोक-अभियोजक नियुक्त करते हैं।

की० ला० ग्रोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 3 जून 1981

सं० श्रो० दो० 1578/81-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० सुरेन्द्र सिंह को 5-5-1981 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 4 जून 1981

सं० श्रो० दो० 1455/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० अनिल कौशल को 15-5-81 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० श्रो० दो० 1464/80-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० के० गनेन्द्रेश्वरन को 25-4-1981 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० श्रो० दो० 1476/80-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी० डी० श्रो० ग्रेड-II) डा० सुरेन्द्र कुमार बेस हास्पिटल-JI केन्द्रीय रिजर्व पुलिस नई दिल्ली, को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 6-5-81 के अपराह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

दिनांक 5 जून 1981

सं० श्रो० दो० 1526/81-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जी० डी० श्रो० ग्रेड-II) डा० राहुल साम्याल बेस हास्पिटल-II केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल हैदराबाद को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5(1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 14-5-1981 के पूर्वाह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

दिनांक 6 जून 1981

सं० श्रो० दो० 1579/81-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० रामचन्द्रा राव को 19-5-1981 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख

तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ स्वप्न में नियुक्त किया है।

ए० के० सूरी,
महायक निदेशक स्थापना

महानिवेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 1 जून 1981

सं० ई-3813(4)/5/81—कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री ए० ए० पठानिया को उनके पद के कार्यभार संभालने की तारीख से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल में तदर्थ आधार पर महायक कमांडेट, स्थानापन्न स्वप्न में नियुक्त करते हैं।

2. नियुक्ति पूर्णतया अस्थायी है और बिना किसी नोटिस के समाप्त की जा सकती है।

सुरेन्द्र नाथ
महानिवेशक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 5 जून 1981

गं० 11/17/81—प्रशा०—1—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 12 मई, 1981 की समसंख्यांक अधिसूचना के अनुक्रम में चंडीगढ़, हरियाणा में जनगणना कार्य निदेशालय के सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) श्री जे० आर० विशिष्ट को, जो उप-निदेशक जनगणना कार्य के पद पर तदर्थ आधार पर कार्यरत थे, उसी कार्यालय में तारीख 15 मई, 1981 के पूर्वाल्प से सहायक निदेशक, जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष प्रत्यावर्तित करते हैं।

2. राष्ट्रपति, चंडीगढ़, हरियाणा में जनगणना कार्य निदेशालय के अन्वेषक श्री जे० ए० सूरी को भी, जो सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष आधार पर कार्यरत थे, उसी कार्यालय में तारीख 15 मई, 1981 के पूर्वाल्प से अन्वेषक के पद पर सहर्ष प्रत्यावर्तित करते हैं।

पी० पदमनाभ
भारत के महापंजीकार

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 24 मई 1981

फा० मं० बी० ए० पी०/मी०/५/८१—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 13-३-८१ के अनुक्रम में श्री ए० डी० देशपाण्डे की तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवम् प्लेट निर्माण) के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति की अधिक उन्हीं शर्तों पर दिनांक 28-५-१९८१ से आगामी

तीस माह के लिए या पद के नियमित स्वप्न से भरे जाने तक, जो भी पहले हो, बढ़ाई जाती है।

दिनांक 3 जून 1981

क० बी० ए० पी०/५/८१—इस विभाग की अधिसूचना क० बी० ए० पी०/मी०/५/८० दिनांक 25-३-८० के तारतम्य में श्री ए० चन्द्रमोक्षन का लेखा अधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्त हेतु नियुक्ति आदेश दिनांक 30-६-८१ तक और बढ़ाया जाता है।

म० व० चार
महाप्रबन्धक

सिक्यूरिटी वेपर मिल
होमगार्ड, दिनांक 2 जून 1981

सं० 7(48) 2489—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7(48)/124 दिनांक 27/३/८१ के तारतम्य में श्री ग० रा० बिलगोत्रा की प्रशासनिक अधिकारी के पद के स्वप्न में की गई पदोन्नति को दिनांक 8/५/८१ तक बढ़ाया, जाता है।

ग० रा० पाठक
महाप्रबन्धक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग
महालेखाकार का कार्यालय केरल,
विवेन्द्रम, दिनांक 4 जून 1981।

सं० स्थापना/प्र०/७/९-८६/खण्ड २/७४—श्री बी० दामोदर पै, अनुभाग अधिकारी (लेखा तथा लेखा परीक्षा) को 1 जून 1981 पूर्वाल्प से अगले आदेशों तक लेखा अधिकारी के पद में स्थानापन्न होने हेतु नियुक्त करने के लिए महालेखाकार, केरल संतुष्ट हुए हैं।

डी० पिवरामकृष्णन
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

संचार मंत्रालय

कार्यालय उप-निदेशक, लेखा (आक)

भोपाल-462001, दिनांक 23 अप्रैल 1980

क्रमांक ए८८८८/डि सि० केस/एम० ए८०/१२४—
अधिकारी, क० ना० से० (व० नि० श०) नियमावली 1965 के नियम 14 के अन्तर्गत इस कार्यालय के निम्न श्रेणी लिपिक श्री ए० ए८० ए८० नंदवानी के विरुद्ध क० ना० से० (आचरण) नियमावली 1965 के नियम 3(1) के प्रावधानों का उल्लंघन किए जाने की बाबत एक जांच की जाना प्रस्तावित करते हैं।

2. श्री ए० ए८० नंदवानी को निर्देश दिया जाता है कि वे इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित होने से 10 दिनों के अन्दर, आरोपों की धाराएँ तथा आरोप की प्रत्येक धारा के मार्गीन में दुराचरण या दुर्घटनाओं का विवरण एवं उन दस्तावेजों की मूली जिसके द्वारा आरोप की

धाराओं को अधिग्रामित किया जाना प्रस्तावित है, प्राप्त करने के लिए अधोहस्ताक्षरी के समक्ष व्यक्तिगत रूप से उपस्थित हों।

3. श्री एम० एल० नन्दवानी को पुनः सूचित किया जाता है कि यदि वे पैरा 2 में वर्णित तिथि के पूर्व व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं होते हैं तो जांच प्राधिकरण उनके विरुद्ध एक पक्षीय जांच कर सकता है।

एम० आर० नारायणन
उप-निदेशक

वाणिज्य भवालय

मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1981
आयात और निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/502/56-प्रशा० (राज०)/3398—राष्ट्रपति, श्री आई० बी० चूनकत (केन्द्रीय सचिवालय सेवा, प्रबर थेणी, प्रबर सूची, 1979, क्रम सं० 19) को 14 जुलाई, 1980 के दोपहर पूर्व से 3 महीने की अवधि के लिए मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में तदर्थ आधार पर संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

(कुमारी) रौमा मजुमदार
मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

नई दिल्ली, दिनांक 3 जून 1981

सं० 3/1209/77-प्रशा० (राज०)/3317—सेवा निवृत्ति की आयु होने पर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय में नियंत्रक श्री जी० सी० चटर्जी को 30 अप्रैल, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त होने की अनुमति प्रदान कर दी गई है।

ए० एन० कौल,
उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात
उद्योग मंत्रालय
(श्रीदौगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 जून 1981

सं० 12/331/62-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (चर्म/पातुका) श्री डी० श्री० कार को दिनांक 21 अप्रैल, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, उसी संस्थान में उप-निदेशक (चर्म/पातुका) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 12(367)/62-प्रशा० (राज०)—मिजोरम शासन के अधीन उद्योग निदेशक के रूप में प्रतिनियुक्त से वापस

लौटने एवं छुट्टी समाप्त होने पर, श्री एल० एम० माथुर ने दिनांक 6 मई, 1981 (अपराह्न) से ज्ञेयीय परीक्षण केन्द्र, नई दिल्ली में उप-निदेशक (यांत्रिक) पद का कार्यभार संभाल लिया।

सं० ए-19018/517/81-प्रशासन (राज०)—राष्ट्रपति जी, श्री एस० के० पंवार को दिनांक 7 मई, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, श्रीनगर में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (रसायन) पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018(248)/76-प्रशा० (राज०)—लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (श्रीदौगिक प्रबंध एवं प्रशिक्षण) के पद पर पदावनति होने पर श्री के० एस० गोविन्दराजन ने दिनांक 13 अप्रैल, 1981 (पूर्वाह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलौर में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (श्रीदौगिक प्रबंध एवं प्रशिक्षण) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए-19018(547)/81-प्रशासन (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, इलाहाबाद के श्री जी० एम० कुरील, लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी (चर्म/पातुका) को दिनांक 21 अप्रैल, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, केन्द्रीय पातुका प्रशिक्षण केन्द्र, आगरा में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (चर्म/पातुका) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 12(765)-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, निवृत्त के सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (कांच/मृत्तिका) श्री एम० के० नायर को दिनांक 13 अप्रैल, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, निवृत्त में उप-निदेशक (कांच/मृत्तिका) के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 जून 1981

सं० 12(3)/61-प्रशा० (राज०)—विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के उप निदेशक श्री बो० एल० श्रीवास्तव के दिनांक 17 अप्रैल, 1981 को हुए निधन पर राष्ट्रपति जी, खेद प्रकट करते हैं।

सी० सी० राय
उप-निदेशक (प्रशासन)

नागरिक पूर्ति भवालय

वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय

नई दिल्ली-110019, दिनांक 1 जून 1981

सं० ए-12023/2/80-स्थापना—श्री एच० एन० भार्गव को 25-4-81 (पूर्वाह्न) से आगे और आदेश होने तक 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में अस्थायी नियमित

आधार पर वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय, नागरिक पूर्ति मंत्रालय, नई दिल्ली में निरीक्षक (वनस्पति) के पद पर नियुक्त किया गया है।

श्रू० कु० अग्रवाल,
मुख्य निदेशक

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1981

सं० प्र० 1/1(1175)/81—महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में गोदी निरीक्षक श्री वी० वी० जाधव को दिनांक 8 मई 1981 के पूर्वाह्न से और आगामी आवेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के तौर पर तदर्थे आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के रूप में तदर्थे नियुक्ति से श्री जाधव को नियमित नियुक्ति के दावे का अधिकार नहीं होगा और तदर्थे आधार पर की गई सेवा ग्रेड में वरीयता और स्थाईकरण की पावता के लिए नहीं गिनी जाएगी।

3. श्री जाधव ने गोदी निरीक्षक का पदभार छोड़ दिया और पूर्ति तथा निपटान निदेशक, बम्बई के कार्यालय में दिनांक 8 मई, 1981 के पूर्वाह्न से सहायक निदेशक (ग्रेड-II) का पदभार संभाल लिया।

पी० डी० सेठ,
उप निदेशक (प्रशासन)
फूते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक मई, 1981

सं० प्र० 6/247(373)—राष्ट्रपति, उप निरीक्षण निदेशक (धातुकर्म), भिलाई के कार्यालय में सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातुकर्म) श्री आर० एन० पुरी को दिनांक 7-5-1981 के अपराह्न से आगामी आवेशों के जारी होने तक निरीक्षण निदेशक (धातुकर्म), जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निरीक्षण निदेशक (धातुकर्म) भारतीय निरीक्षण सेवा युप ए० के ग्रेड III धातुकर्म शाखा के रूप में नियुक्त करते हैं।

2. श्री पुरी ने दिनांक 4-5-1981 के अपराह्न को सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातुकर्म) के पद का पदभार छोड़ दिया।

पी० डी० सेठ,
उप निदेशक (प्रशासन)

इसपात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 3 जून, 1981

सं० 2823 बी०/ए०-32013(4-डिलर)/78-19 बी०—
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (ट्रिलिंग) श्री एस० एम० सुलात को डिलर के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000- द०रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आवेश होने तक, 17 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से पदोन्ति पर नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी
महानिदेशक

कलकत्ता-700016, दिनांक 4 जून 1981

सं० 2836बी०/ए०-19012(ए०बी०पी०आर०)/80-19ए—
श्री ए० बी० प्रसाद राव को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 28-2-1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

दिनांक 6 जून, 1981

सं० 2963बी०/ए०-19012(2)-एजी-जी एस एम०/79/
19बी०—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूभौतिकीविद श्री जी० एस० मुखर्जी को 24-12-80 (पूर्वाह्न) से मुक्त किया जा रहा है ताकि वे मदर डेयरी, इनकुनी में अपना कार्य शिफ्ट अधिकारी के रूप में लियन पर वो बांधों के लिए संभाल सकें। इस विभाग में वे वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूभौतिकी) के स्थायी पद पर हैं।

सं० 2956बी०/2339(एम०एल०सी०)/1 9बी०—भा रतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधिकारी सर्वेक्षक श्री एम० एल० चटर्जी सरकारी सेवा से वार्द्धक्य पर 30-9-80 (अपराह्न) से निवृत्त हो गए।

बी० एस० कृष्णस्वामी,
महानिदेशक

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 4 जून 1981

सं० ए० 31013/26/79—स्थापना—ए०—श्री बी० बी० शुक्ल, हिन्दी अधिकारी को भारतीय खान व्यूरो में वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक के पद पर 7-9-80 से स्थायी किया जाता है।

वेवकी नन्दन भार्गव,
नियंत्रक,
भारतीय खान व्यूरो

भारतीय सर्वोक्षण विभाग

महासर्वोक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 4 जून 1981

सं० सी०-5724/594—श्री बी० बी० माझी, तकनीकी सहायक (सिल० जेड) को भारतीय सर्वोक्षण विभाग में दिनांक 19 मार्च, 1981 (पूर्वाह्न) से 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुप के बेतनमान में सहायक प्रबन्धक, मानचिक्ष पुनरुत्पादन (श्रृंग “बी”) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला,
ले० जनरल,

भारत के महासर्वोक्षक, (नियुक्ति प्राधिकारी),

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 जून 1981

सं० 5(34)/68-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एन० के० सबस्टेन, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, विकेन्द्रिय को आकाशवाणी क्लिचुर में 14 मई, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 जून 1981

सं० 6(142) 63-एस० एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस० नायक, प्रसारण निष्पादक, विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, कटक को आकाशवाणी कटक में 8 मई, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

मूच्छना और प्रसारण मंत्रालय

फिल्म प्रभाग

मम्बई-26, दिनांक 28 मई 1981

सं० 5/15/70-सीबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के प्रमुख निर्माता ने श्री के० एस० साहनी, स्थानापन्न अधीक्षक फिल्म प्रभाग नई दिल्ली में स्थानापन्न सहायक प्रशासकीय अधिकारी के पद पर तदर्थ पर अगले आदेश तक नियुक्त किया है।

सं० ए०-24013/9/78-सीबन्दी-I—फिल्म प्रभाग के मुख्य निर्माता ने श्री एम० आय० संथी स्थायी सिलेक्शन ग्रेड यूनिट प्रबन्धक, फिल्म प्रभाग, बम्बई को श्री एस० पी० चन्द्रमोहन, स्थायी उत्पादन प्रबन्धक के अवकाश पर चले जाने के कारण दि० 17-2-81 के पूर्वाह्न से 3-4-1981 तक उत्पादन प्रबन्धक के पद पर नियुक्त किया है।

एन० एन० शर्मा,
प्रशासकीय अधिकारी,
कृते मुख्य निर्माता

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 मई 1981

सं० 17-35/71-प्रशासन-I—डा० एस० सी० श्रीवास्तव ने 4 अप्रैल, 1981 अपराह्न को स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में जीव रसायनश (बायोकैमिस्ट) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया है।

दिनांक 30 मई, 1981

शुद्धि-पत्र

सं० ए० 12025/3/79—(सी० आर० आई०) प्रशासन I.—इस निदेशालय के 30 मार्च, 1981 की अधिसूचना संख्या ए० 12025/3/79—(सी० आर० आई०) प्रशासन-I में उल्लिखित नाम “आर० न्यागराजन” के स्थान पर “आर० तियागराजन” पड़े।

टी० सी० जैन,
उप निदेशक प्रशासन

ग्रामीण पुर्ननिर्माण मंत्रालय

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक 1 जून 1981

सं० ए०-19023/5/81-प्र० त०—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग-ब) की संस्तुतियों के अनुसार श्री एस० सी० डै, सहायक विषयन अधिकारी को इस निदेशालय के अधीन ओंगल में दिनांक 28-4-81 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न विषयन अधिकारी (वर्ग-1) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

2. विषयन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने के उपरान्त श्री डै ने दिनांक 23-4-81 के अपराह्न में पट्टना में सहायक विषयन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एल० मनिहार,
निदेशक प्रशासन,
कृते कृषि विषयन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

मम्बई-5, दिनांक 28 कई, 1981

सं० 3(283)/76-प्रशासन 6247—निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्वारा भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और इस प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखाकार श्री पी० वासु को मई 11, 1981 के पूर्वाह्न से जून 12, 1981 के अपराह्न तक की अवधि के लिए उसी प्रभाग में महायक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति सहायक लेखा अधिकारी श्री बी०

के ० हर्ष महाया लेखा अधिकारी के स्थान पर को जा रही है, जो छुट्टी पर चले गए हैं।

आर० विद० वाजपेयी,
प्रापासन अधिकारी

श्रम और भंडार निवेशालय
मद्रास, विनांक 1981

सं० एम० आर० पी० य०/२००(९)/८१-प्रशासन:—उम कार्यालय की दिनांक २५-४-८१ की समसंबंधक अधिसूचना के आधिक संशोधन के परिणामस्वरूप स्थाई श्रम सहायक तथा स्थानापन सहायक क्षय अधिकारी श्री एन० राजगोपालन की तदूर्ध आधार पर को गई नियुक्ति की अवधि को २६ मार्च, १९८१ के पूर्वाह्न से २९ मई, १९८१ अपराह्न तक पढ़ा जाए।

वी० डी० कवीश्वर,
केतन एवं लेखा अधिकारी,

परमाणु ऊर्जा विभाग
नाभिकीय ईंधन समिश्र
हैदराबाद-५००७६२, दिनांक २२ मई १९८१

आदेश

सं० संवर्भ नाईस/का प्र ५/२६०६/३०५८/१०५४—जब कि यह आरोप था कि :

“अनुच्छेद १—नाभिकीय ईंधन समिश्र के सर्वोपयोगिताओं में कार्यक्रम वैज्ञानिक सहायक “अ”, श्री ए० विजय कुमार पर अवैध गतिविधियों में नियमन रहने का आरोप है तथा इस प्रकार उन्होंने श्री एस० सुब्राह्मण्य तथा श्री एम० पूर्ण चन्द्र राव से, इस झूठे आश्वासन पर कि वह श्री पूर्ण चन्द्र राव को नाभिकीय ईंधन समिश्र में, अपने प्रभाव का प्रयोग कर के बौद्धिक प्रचालक के पद पर नौकरी दिलवा देंगे, प्रायः रु २,९५०/- प्राप्त किए; तथा,

तत्पश्चात् श्री एस० पूर्णचन्द्र राव को मास्कात्कार के लिए झूठा व जाली निमंत्रण पत्र जारी किया; तथा,

तत्पश्चात् स्वयं को नाभिकीय ईंधन समिश्र के प्राधिकृत अधिकारी जैसा ठोंग रचकर उनका मास्कात्कार निया तथा इस प्रकार मेसर्स भाग्यनगर सिल्कसू, हैदराबाद के भूतपूर्व कर्मचारी श्री पूर्णचन्द्र राव को घोषा दिया;

अपने उपर्युक्त कार्य से, श्री विजय कुमार ने केन्द्रीय नागरिक सेवा (आचरण) नियम, १९६४ के नियम ३(१)(i) तथा ३(१)(iii) का उल्लंघन कर के कदाचरण किया;

अनुच्छेद II:—नाभिकीय ईंधन समिश्र के सर्वोपयोगिताओं में कार्यरत वैज्ञानिक सहायक “अ”, श्री विजय कुमार अप्राधिकृत: दिनांक १२-६-१९८० से काम से अनुपस्थित रह रहे हैं तथा जिस से काम काज से अव्यवस्था उन्वश हो रही है;

अपने उपर्युक्त कार्य से, श्री विजय कुमार ने केन्द्रीय नागरिक सेवा (आचरण) नियम, १९६४ के नियम ३(१)(ii) तथा ३(१)(iii) का उल्लंघन

और जब कि उक्त श्री विजय कुमार को ज्ञापन सं० नाई स/का प्र ५/२६०६/३४८५, दिनांक २८-१२-१९८० के द्वारा आरोपों तथा उनके विश्व स्वत्वावित कार्यवाही की सूचना दी गई;

ओर जब कि दिनांक २८-१२-१९८० के ज्ञापन को उनके स्थानीय पते अर्थात् निवास संब्या ३९७/२, रायकन रेंज, मिकन्दराबाद-५०००२५ को वावती सह पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित किया गया जो उक्त श्री विजय कुमार ने ग्रहण किया;

प्रीर जब कि उक्त श्री विजय कुमार ने आरोप-ज्ञापन ग्रहण किया किन्तु अपने बचाव का लिखित वक्तव्य प्रस्तुत नहीं किया;

और जब कि अधोहस्ताक्षरों ने विचार किया कि उक्त श्री विजय कुमार के विश्व लगाए गए आरोपों की जांच होनी चाहिए;

प्रीर जब कि उक्त श्री विजय कुमार के विश्व लगाए गए आरोपों की जांच करने के लिए दिनांक १-२-१९८१ को एक जांच अधिकारी की नियुक्ति की गयी;

ओर जब कि उन के स्थानीय पते अर्थात् निवास सं० ३९७/२, रायकन रेंज, सिकन्दराबाद ५०००२५ को प्रेषित जांच अधिकारी की नियुक्ति का अंदेश सं० नाई स/का प्र ५/२६०६/३०५८/२९०, दिनांक १-२-८१ तथा पस्तुत कर्ता अधिकारी की नियुक्ति का अंदेश संब्या ना ई स/का प्र ५/२६०६/३०५८/२९१, दिनांक १-२-८१ को डाक प्राधिकारियों ने बिना विवरित किए हुए इस अभ्युक्ति के साथ वापस कर दिया, “व्यक्ति बाहर गया हुआ है, ७ दिनों से अनुपस्थित है, प्रेषक को को वापस किया जाता है”;

ओर जब कि जांच अधिकारी ने दिनांक ८-४-८१ को मामले की एक पक्षीय मुनवाई की क्यों कि उन के द्वारा प्रेषित पत्रों को डाक प्राधिकारियों ने बिना विवरित किए हुए लौटा दिया था तथा उनको उक्त श्री विजय कुमार पर तामीन करवाना तर्कतः व्यावहारिक नहीं था;

ओर जब कि अधोहस्ताक्षरी इस मामले के कागजपत्रों तथा दिनांक ८-४-८१ के जांच प्रतिवेदन का भावधानी पूर्वक अध्ययन करने के पश्चात् आरोपों को सिद्ध हुआ मानते हैं तथा इस नियुक्ति पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री विजय कुमार पर सेवा से निष्कासन का दण्ड अधिरोपित किया जाया;

अतः अब, अधोहस्ताक्षरी केन्द्रीय नागरिक सेवा (वर्गीकरण, आचरण व अधीन) नियम, १९६५ के नियम १२ के उपनियम (२) के खंड (ब) को परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं० २२(१)/६८-८८ प्रशा० II, दिनांक ७-७-७९ के साथ संयोजित करते हुए तथा उन में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त श्री विजय कुमार को सेवा से तत्काल प्रभाव से निष्कासित करते हैं।

अनुमति : जांच प्रतिवेदन

- | | |
|--|--|
| 1. श्री ए० विजय कुमार
३९७/२, रायकन रेंज,
सिकन्दराबाद-५०००२५. | 2. श्री ए० विजय कुमार
पुत्र-ए० ईश्वररत्ना,
मव-स्टेशन के समीप
प्रावालय—रामवरम, जिला—खम्मा
निं० कोडल राव
मुख्य कार्य पालक |
|--|--|

हैदराबाद-500762, दिनांक 28 मई 1981

सं० का प्र ख/0704/2623—नाभिकीय इंधन समिति के मुख्य कार्यपालक ने औद्योगिक अस्थायी आशुलिपिक (प्रवरण श्रेणी) श्री भ० ल० गणपति शास्त्री को नाभिकीय इधन समिति में स्थानापन्न सहायक कार्मिकाधिकारी के पद पर अवकाश रिक्ति पर, दिनांक 13-5-81 से 15-6-81 पर्यन्त या अगले आदेशों तक, जो पहले घटित हो, नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी,
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 1 जून 1981

सं० प ख प्र-8(1)/81-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा श्री सोम नाथ सचदेव, परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी सहायक और स्थानापन्न हिन्दी अनुवादक को उसी प्रभाग में श्री जे० आर० गुप्त, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 29-4-1981 से 12-6-1981 तक की अवधि के लिये स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 जून 1981

सं० प ख प्र-4(15)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी ट्रेडजैमेन 'एफ' और स्थानापन्न ट्रेडजैमेन 'जी', श्री जे० जी० सिंह को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आवेश होने तक वैज्ञानिक अधिकारी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 8 जून 1981

सं० प ख प्र-4(15)/80-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थायी प्रारूपकार 'सी' श्री वी० के० दुग्गल को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से लेकर अगले आवेश होने तक वैज्ञानिक अधिकारी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई 400008, दिनांक 3 जून 1981

सं० भा०पा०प०/आर०-1/ओ०पी०/4306—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्री कोच्चुथुन्दूल थोमस थोमस, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) के स्थानापन्न प्रबर श्रेणी लिपिक को, उसी कार्यालय में 9 मार्च (पूर्वाह्न), 1981 से 18 अप्रैल (प्रवाह्न), 1981 तक के लिए, श्रीमती क० प० कल्याणीकुट्टी, सहायक कार्मिक अधिकारी जिन्हें स्थानापन्न प्रशासन अधिकारी नियुक्त किया गया है, के स्थान पर अस्थायी रूप में,

तदर्थे आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

र० च० कोटिप्रनकर,
प्रशासन अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560009, दिनांक 13 अप्रैल 1981

सं० 10/3(29)/80—सी० ई० डी० (एच०):—अंतरिक्ष विभाग, बंगलौर के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता, अंतरिक्ष विभाग, बंगलौर के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में श्री एस० चन्द्र-चूड़न पिल्लै को सहायक लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 28 नवम्बर, 1980 से अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 10/3(24)/80—सी० ई० डी० (एच०):—अंतरिक्ष विभाग, बंगलौर के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता, अंतरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग, श्रीहरिकोटा में श्री ए० पी० रामन को सहायक लेखा अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप में, दिनांक नवम्बर 13, 1980 के पूर्वाह्न से नियुक्त करते हैं।

एच० एस० रामवास,
प्रशासन अधिकारी—
कृते मुख्य अभियन्ता

बंगलौर-560009, दिनांक 4 जून, 1981

सं० 9/25/81—सी० ई० प्र० (एच०)—अंतरिक्ष विभाग, बंगलौर में सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अभियन्ता अंतरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में श्री वी० एस० जगदीश चन्द्र को इंजीनियर "एस० बी०" के पद पर अस्थायी रूप में दिनांक अप्रैल 1, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आवेश तक नियुक्त करते हैं।

एम० पी० आर० पाणिकर,
प्रशासन अधिकारी—
कृते मुख्य अभियन्ता

बंगलौर-560009, दिनांक 27 अप्रैल, 1981

सं० 6/2/81—सी० ई० डी० (एच०)—अंतरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग, के मुख्य अभियन्ता अंतरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक

के नाम के आगे दिये गये पदों पर स्थानापन्न रूप में दिनांक अप्रैल 1, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक पदोन्नति करने हैं :—

क्रम सं०	नाम	पद तथा ग्रेड जिससे पदोन्नति की की गई।	पद तथा ग्रेड जिसपर पदोन्नति की गयी।
1.	श्री टी० चन्द्रशेखररैया	तकनीकी सहायक “सी”	इंजीनियर “एस०बी०”
2.	श्री एम० जी० श्रीधर राव	प्रारूपकार—ई	इंजीनियर “एस० बी०”

दिनांक 11 मई 1981

सं० 9/35/81—सी०ई०डी० (एच०) :—अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य अधिकारी, अन्तरिक्ष विभाग, बंगलौर के सिविल इंजीनियरी प्रभाग, में श्री एन० प्रभाकरन नायर को सहायक लेखा अधिकारी के पद पर पदोन्नति पर स्थानापन्न रूप में, दिनांक मई 4, 1981 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

एम० पी० आर० पाणिकर,
प्रशासन अधिकारी-II

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलौर, दिनांक 16 अप्रैल 1981

सं० 020/3(061)/ए०/80 :—नियंत्रक, इसरो उपग्रह के श्री स्टीफन सारो को इसरो उपग्रह केन्द्र में, सहायक कैटीन मैनेजर के पद पर दिनांक फरवरी 6, 1981 के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

एस० सुश्रृङ्खल्यम्,
प्रशासन अधिकारी-II

बंगलौर-560009, दिनांक 26 मई 1981

सं० एच० अयू० प्रशा० : 12-25 :—अन्तरिक्ष विभाग के भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन मुख्यालय में वैज्ञानिक सचिव, इसरो अन्तरिक्ष विभाग के इसरो मुख्यालय, बंगलौर में भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के सामने दिये गये पदों पर और प्रत्येक के सामने दी गई 2-126GI/81

तारीखों के पूर्वाह्न से स्थानापन्न रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं :

क्रम सं०	अधिकारी का नाम तथा पदनाम	पद जिस पर नियुक्त किया गया है	दिनांक
1.	श्री के० राम॒ लेखा सहायक “बी”	सहायक लेखा अधिकारी	15-4-1981
2.	श्री एम० श्रीनिवास राव लेखा सहायक “बी”	सहायक लेखा अधिकारी	21-4-1981

एन० वी० जी० वारियर,
प्रशासन अधिकारी,
कूले वैज्ञानिक सचिव

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 मई 1981

सं० ए० 32013/10/80—ई० सी० :—राष्ट्रपति ने महानिवेशक नागर विमानन (मुख्यालय), नई दिल्ली के श्री आर० के० महेश्वरी, संचार अधिकारी को दिनांक 13-3-81 (पूर्वाह्न) से छः भास की अवधि के लिए वरिष्ठ संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें उसी कार्यालय में तैनात किया है।

सं० ए० 32014/5/80—ई० सी० :—महानिवेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित तीन तकनीकी सहायकों को, प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से सहायक तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियमित आधार पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान नया स्थेशन	कार्य प्रहरण तैनाती स्थेशन
1.	श्री के०आर०के०शर्मा	वै०सं० स्ट०, बम्बई	वै०सं० स्ट०, बम्बई (पूर्वाह्न)
2.	श्री जे० एस० नरेला	—वही—	—वही— (पूर्वाह्न)
3.	श्री जी० एल० अकोलकर	—वही—	—वही— (पूर्वाह्न)

प्रेम चतुर्दश,
सहायक निवेशक प्रशासन

भारतीय वन सर्वेक्षण

देहरादून-248001, दिनांक 8 जून 1981

क्रमांक 4-9-79-प्रशासन—श्री जी० सी० श्रीवास्तव जो कि रक्षा लेखा महानियंत्रक के कैडर के लेखा प्रधिकारी हैं, को वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण (अब भारतीय वन सर्वेक्षण), देहरादून से दिनांक 27 मई, 1981 की पूर्वानुसूत से भारमुक्त कर दिया गया है तथा उनकी सेवाएं रक्षा लेखा नियंत्रणक (पैशन) इलाहाबाद को सौंप दी गई हैं।

ए० बी० चौधरी,
निदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग

गुन्टुर-1, दिनांक 1 मई 1981

सं० 7/81:—निम्नलिखित युप 'बी' (राजपत्रित) प्रधिकारी प्रत्येक के नाम के सामने दिखाई गई तारीखों को वार्षक्य के कारण सेवा निवृत्त हो गए।

क्रम	प्रधिकारी का नाम	संगठन का नाम	सेवा से
सं०	तथा पदनाम		निवृत्त होने
1	2	3	की तारीख (अप्रात्र)
सर्वेश्वी			
1.	एम० वरसिंहा राव लेखान्नों का परीक्षक	मुख्यालय गुन्टुर	31-1-81
2.	सव्यद महमूद केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, श्रीधीक्षक	गुन्टुर प्रभाग	31-1-81

सं० 8/81:—(स्था) —केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित कार्यालय अधीक्षक अगले आवेदा जारी होने तक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क गुन्टुर में प्रशासन प्रधिकारी/लेखा परीक्षक/सहायक मुख्य लेखा प्रधिकारी युप 'बी' (राजपत्रित) के ग्रेड में नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने प्रत्येक के नाम के सामने दिखाई गई तारीखों को उक्त पदों का कार्यभार संभाल लिया है।

क्रम	प्रधिकारी का नाम	स्थान	कार्यभार
सं०			ग्रहण करने
			की
सर्वेश्वी			
1.	पी० वाह० एन० शर्मा, लेखान्नों के परीक्षक-II	मुख्यालय, गुन्टुर	22-1-81
2.	एस० राष्ट्रकेन्द्र राव, सहा० मुख्य लेखा प्रधिकारी	मुख्यालय, गुन्टुर	12-1-81

सं० 9/81/(स्था) —श्री जी० देवालू, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, युप 'बी' (राजपत्रित) रानुमुद्री मंडल कार्यालय का 9-2-81 को निधन हो गया।

डी० कृष्णमूर्ति,
समाहर्ता,
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क गुन्टुर

नौवहन और परिवहन मंत्रालय

नौवहन महानिवेशालय

बम्बई-400038, दिनांक 6 जून 1981

सं० II-टी० आर० (5)/81—राष्ट्रपति श्री सुभद्रा बसु को 1 अप्रैल, 1981 (पूर्वानु) से आगामी आदेशों तक मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, कलकत्ता में अस्थाई तौर पर इंजीनियर प्रधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० II-टी० आर० (2)/74—मरीन इंजीनियरी प्रशिक्षण निदेशालय, बम्बई के कार्यशाला प्रशिक्षण पर्यवेक्षक श्री पी० एम० पेंडारकर ने उनके त्यागपत्र की स्वीकृति के फलस्वरूप 6 नवम्बर, 1979 (अप्रात्र) से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० के० पवार,
नौवहन उप महानिदेशक

पूर्ति एवं पुनर्वास मंत्रालय

(पूर्ति विभाग)

राष्ट्रीय परीक्षण गृह अलीपुर

कलकत्ता-27, दिनांक 4 जून 1981

सं० जी० 65/बी० (गो०)—महानिदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, श्री पी० के० दत्ता, वैज्ञानिक सहायक (विद्युत), राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता की वैज्ञानिक प्रधिकारी (विद्युत) के पद पर उसी कार्यालय में तवर्दि नियुक्ति 15-4-1981 (पूर्वानु) से करते हैं।

ए० बैनर्जी,
उपनिवेशक (प्रशासन),
कृते महानिवेशक,
राष्ट्रीय परीक्षण गृह

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी ला बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय
कम्पनी अधिनियम, 1956 और अलैड ड्रेडर्स पाइपलेट लिमिटेड
के बिल्यु थे।

मद्रास, दिनांक 22 जन 1974

सं० 165/560/74—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि अलैड ड्रेडर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और विजय लक्ष्मी इंस्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के बिषय में।

मद्रास, दिनांक 10 सितम्बर 1970

सं० 3733/डी०एन०/560(5)/76—कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एटद-व्हारा
सूखना दी जाती है कि विजय लक्ष्मी ट्रांसपोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड
का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी
विषयित हो गयी है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नोडूर माथुरम ट्रांसपोर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 20 फरवरी, 1975

मं० 5653/560(3)/75—कम्पनी अधिनियम, 1956
 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद-द्वारा यह
 सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधारण पर नीडूर
 माथुरम ट्रासन्सपोर्ट्स लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित
 न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी
 विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम 1956 और अक्कूर ब्रिटिश निधि प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

सं० 138/71—कम्पनी : अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्-व्यारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अक्षर द्रविध निधि प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण वर्णित न किया गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गंगा पेपर स्टोरेस
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

महास. विनांक 27 जलाई 1971

सं० डी० एन०/७७४/७१—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में एतद द्वारा यह

सूखना थी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवधान पर गंगा ऐपर स्टोरस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित में किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पुढ़मे परिष्परगम प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० 2126/560/75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर पुद्दमें पवित्रगम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी बिघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और क्वालिटी सेरामिक्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मंत्रालय, दिनांक 30 जूलाई, 1977

सं० 4142/560(3) 77—कम्पनी अधिनियम, 1956
 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा
 यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के
 अवसान पर क्वालिटी सेरामिक्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम
 इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से
 काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और भद्रकाली बस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मध्यास, दिनांक 13 मार्च 1975

सं.डी.०.एन.०/४५७९/५६०(३)७५—कम्पनी अधिनियम,
१९५६ की धारा ५६० की उपधारा (३) के अनुसरण में
एतेदू हारा यह सुन्नतांशी जाती है कि इस तारीख से तीन मास
के अवसान पर भद्रकाली बस सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम
इसके प्रतिकूल कारण वर्गीकरण न किया गया तो रजिस्टर
से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विशिष्ट कर दी
जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वरमाह शेल सुपरवॉजरी स्टाफ एसोशिएशन के विषय में।

महास. दिनांक 6 मार्च 1971

सं० डी०एन०/नं० 5369/71—कम्पनी अधिनियम,
1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में
एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन
मास के अवसान पर बरमाइजेन सुपरवाइजरी स्टाफ एसोशिएशन
लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया
गया तो रजिस्टर में काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी
विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और इन्डियन इंडस्ट्रीयल कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

सं० 910/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर इन्डियन इंडस्ट्रीयल कम्पनी लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और आरोक्षमाता बैनी-फिट फंडस् प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 3 जून, 1981

सं० 5466/560(3) 81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर आरोक्षमाता बैनीफिट फंडस् प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ट्रॉफ्टर डाइस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 3 जून, 1981

सं० 6209/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ट्रॉफ्टर डाइस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और तमிலनாடு कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट के विषय में।

मद्रास, दिनांक 3 जून 1981

सं० 6352/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर तमिलनாடு कन्स्ट्रक्शन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लक्ष्मी सप्लाईस एण्ड सर्विसेज लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 3 जून 1981

सं० 6726/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद-

वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लक्ष्मी सप्लाईस एण्ड सर्विसेज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और होटल चेनै प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 3 जून 1981

सं० 7008/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के अवसान पर होटल चेनै प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लक्ष्मी प्रिंटिंग्स एंटर प्राइजेज लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 3 जून 1981

सं० 6988/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लक्ष्मी प्रिंटिंग्स एंटरप्राइजेज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

रा० बैंकटरमन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बेलारी मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 6 जून 1981

सं० 1992/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बेलारी मिनरल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पावेसन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, दिनांक 6 जून 1981

सं० 2262/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर पावेसन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राजहन्स पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड के बिषय में

बंगलौर, दिनांक 6 जून 1981

सं० 2794/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर राजहन्स पेपर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

आयकर आयुक्त का कार्यालय

उत्तर पूर्वीय क्षेत्र, शिलांग

शिलांग, दिनांक 8 जून, 1981

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 287 की उपधारा (1) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार का इस विचार होने के कारण, कि ऐसी कार्यवाही लोक स्वार्थ के लिए उचित है, मैं केन्द्रीय सरकार द्वारा मुक्त कर प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे दिए गए निर्धारितियों के नाम एवं अन्य विवरण प्रकाशित कर रहा हूँ जिनके बकाया

कर की रकम विस्तीय वर्ष 1980-81 के अंतिम दिन 1,00,000 रुपये या इससे अधिक थी:—

ऋग्रं सं० निर्धारितियों के नाम और पता बकाया कर की रकम रुपये

1. मैसर्स शर्मा ट्रेडिंग कारपोरेशन जोरहाट, असम	2,47,951
2. श्री दुर्गादत्त शर्मा, मार्फत मैसर्स शर्मा ट्रेडिंग कारपोरेशन, जोरहाट, असम।	8,37,424
3. शेख मोहम्मद नवाब, जोरहाट, असम	1,50,625
4. मैसर्स मंगलचन्द्र रामकुमार एण्ड क० डिबूगढ़, असम।	1,66,457
5. सरदार गुरुबबन सिंह, मार्फत रामकृष्ण एण्ड क०, बी-२६, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली-४८	1,43,202
6. मैसर्स एच०पी०कर एण्ड सन्स (प्रा०) लिमिटेड डिबूगढ़, असम।	2,34,346
7. मैसर्स श्रीज एण्ड विल्डिंग कारपोरेशन (प्रा०) लिमिटेड, गोहाटी, असम।	3,13,197
8. स्वर्गीय सी० एस० काकती, गोपालगढ़, असम।	1,85,000
9. श्री बजरंग लाल अगरवाला, तिनसुकिया, असम।	2,09,235
10. श्री जे० राज, प्रेमनगर, मणिपुर, इम्फाल।	4,34,970

एल० एम० प्रसाद,
आयकर आयुक्त,
उत्तर पूर्वीय क्षेत्र,
शिलांग।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मई 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2621—यतः मुझे,
आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फगवाड़ा
में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय फगवाड़ा में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 25-9-1980 ज

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहीए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

बहु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री अमूर्प सिंह पुक्त प्रीतम सिंह
बासी फगवाड़ा । (अन्तरिक)
2. सुखजीत स्टार्च एण्ड कैमिकल्स सिमिटेड,
फगवाड़ा । (अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

अब यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लाभन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

प्रब्लेम:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1646, दिनांक 25-9-80 को
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फगवाड़ा में लिखा है ।

श्रार० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 6-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप आइ० टी.एन.एस.-----

जामिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, विनांक 4 मई 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2622—यतः सुझे,
आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की भारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है जो कुथेरीओं वस्ती,
अबोहर में स्थित है (और इससे उपावदृ अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 17-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कदम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवांशीकरण से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सुन्दर पुत्र राम रखा मल
वासी, मकान नं० 7589-90, सुबेरा वस्ती,
अबोहर।
(अन्तरक)

2. श्री बजीर चन्द्र पुत्र मंगत राम
गांव कुथेरीओं, तहसील, फाजिलक।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुप्ति रखता है।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अबोहस्ताकरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आशेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भौं समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और वज्रों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि पिलेखन नं० 1940, विनांक 17-9-80
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अबोहर ने लिखा है।

आर० गिरधर
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 4-5-1981

मोहर :

प्रह्लाद आहू० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सदायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2623—यतः मुझे,
मार० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सदायक प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो हिन्द
समाचार स्ट्रीट, जालन्धर में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और जो दूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
में कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980
को पूर्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेदेय से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में संविधा
का लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
गृहित के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. लैफ्टिनेंट करनल चरणजीत सिंह पुत्र श्री केसर सिंह
वासी 118 न्यू जवाहर नगर, जालन्धर
(अन्तरक)

2. श्रीमती विमला वती विधवा, श्री राम लालाईया,
वासी एन०एल-175 मुहल्ला महिन्द्र जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है और
(1) रायल मैडीकोस, हिन्द समाचार स्ट्रीट, जालन्धर
(2) उपकार मैडीकोस हिन्द समाचार स्ट्रीट जालन्धर
(3) जै० एस० मैडीकोस „ „ „
(4) बी० क० मैडीकोस, एजेन्सी, „ „ „
(5) पेरामोट कॉर्पोरेशन हाऊस, जालन्धर
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जाता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

क्यों यह सूचना जारी करके प्रौद्योगिक सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयाईया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर प्रौद्योगिक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 4125, दिनांक
सितम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी जालन्धर में लिखा
गया है।

प्रार० गिरधर
सदायक अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप बाईर्ड, टी. एन. एस.

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

स्थान संरक्षण

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2624—यतः मुझ,
आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), जी धारा 269-
घ के अधीन संख्या प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संयोगित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो हिन्द
समाचार स्ट्रीट, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में

रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संयोगित के उचित बाजार मूल्य से कम के अध्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संयोगित को उचित बाजार
मूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पास गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की आबह उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के हाईट्यून में
कमी करने या उसमें बचने में मूर्चिका ने लिया;
और/या

(ख) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आमिस्थि-
कों, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, 1957 के 15-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती दबाया प्रकट नहीं किया गया
एवं जो किया जाना आविष्ट था, छिपाने में मूर्चिका
के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:—

3-126GI/81

1. सैफिनेन्ट कनरल चरणजीत सिंह पुत्र श्री केसरि सिंह
वामी 118, न्यू जवाहर नगर, जालन्धर।
(अन्तरक)
2. श्री अनूप कुमार पुत्र लेट श्री राम लबाईया,
वासी एन एल-175, मुहल्ला महिन्दु, जालन्धर।
(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है और
(1) रायल मैडिकोम,
(2) उपकार मैडीकोस,
(3) जे० एस० मैडीकोम,
(4) बी० के० मैडोकलि, एजेंसीज,
(5) पैरामउन्ट फरमैटीकल हाउस,
हिन्द ममाचार स्ट्रीट, जालन्धर।
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संयोगित के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संयोगित में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदूषित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 4127 दिनांक
सितम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में
लिखा गया है।

आर० गिरधर
मध्यम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-5-1981
मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2625—यतः मुझे,
आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
मलौट में स्थित है (और इससे उपावक्त्र अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मलौट में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1980

पूछता सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि प्राप्तवैकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छै प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उन-
के अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सतिन्द्र पाल सिंह पुत्र जगतार सिंह
वासी औधरी हेत राम बस्ती मलौट।
(अन्तरक)
2. श्री वरिन्द्र सिंह पुत्र नाजार सिंह वासी
चौधरी हेत राम, बस्ती मलौट।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति व्यक्ति रखता है।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आशोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को हारीत से 45
दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को हारीत से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टोकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वहो अर्थ होंगा जो उस अध्याय में
पढ़ा है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1078 दिनांक
सितम्बर 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मलौट में
लिखा गया है।

आर० गिरधर
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-5-1981
मोहर :

प्रकृष्ट आई. डी. एस. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई 1981

निदेश सं. ए० पी० नं. 2626—यतः मुझे
आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा गया है तथा जो
फरीदकोट में स्थित है (और इसमें उपानद अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अन्तर्गत दिनांक सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शनान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँह में यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दर्शनान प्रतिफल से, ऐसे दर्शनान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वारित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आश्विए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की संपादना (1),
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अथवा :—

1. श्री केहर सिंह पुन निवार सिंह
वासी हरिन्द्र नगर, फरीदकोट ।

(अन्तरक)

2. श्री जगदीश राय पुन नाथ राम
जगदीश इन्डस्ट्रीज, फरीदकोट और श्रीमती रत्न देवी
पली श्री नाथ राम और सतीश राय पुन नाथ राम
आफ एस० आर० इन्डस्ट्रीज फरीदकोट ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है ।
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है ।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोहरे भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्दर व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

रजिस्ट्रेशन :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 2169 दिनांक
सितम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी फरीदकोट में
लिखा गया है ।

आर० गिरधर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 14-5-1981

मोहर :

प्रखण्ड प्राई० टी० एन० एस०----

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई 1981

निदेश सं० ४० पी० न० 2627—ग्राम: मुझे,
ग्राम० गिरधर

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि ग्रनुसूची में लिखा है तथा जो
अनियम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोत्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोत्तर सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से नहीं किया गया है:—

(क) ग्रन्तरण से दूर्वा किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अनुसरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

ग्राम: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रजिन्द्र साल पुन्र मिस्थी हामी
गांव और पोस्ट ग्राफिस चनिया तहसील नकोदर।
(अन्तरक)
2. श्री गुरदास राम पुन्र भोला राम
वासी गांव और पोस्ट ग्राफिस गुना तहसील नकोदर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधीनस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तर सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यालयों कहता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीनस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

स्वाहीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अन्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1715, दिनांक
सितम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नकोदर में लिखा
गया है।

ग्राम० गिरधर
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्रामकर ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 15-5-1981

मोहर:

प्रकट वाहि० ही० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा
२६९-ए (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक १५ मई, १९८१

निदेश सं० ए० पी० नं० २६२८—यतः मुझे आर०
गिरधर

आयकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके १५वाँ 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-ए के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण दे कि स्वाक्षर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य २५,०००/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो बस्ती
शेख जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में
और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के
कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८
का १६) के अधीन दिनांक सितम्बर, १९८०

को पूर्वोक्त व्यापास के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिक्रिया से अन्तर व्यवाहार अधिक है और
अन्तरक (प्रत्यक्ष) और अन्तरित (अन्तरिनियम) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित
उल्लेख में उक्त व्यापास लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/वा.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर अधिनियम १९२२
(१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या
धनकर प्राधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रवीणनावाले अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ए के अनु-
करण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ए की उपधारा
(१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथातः:—

१. चांद रानी, विधवा श्री राम लाल
मकान नं० ५०/डल्लू ए, गुरु बाजार, जालन्धर।
(अन्तरक)
२. श्री जालन्धर शक्ति कारपोरेटिव हाउस बिल्डिंग,
सोमायटी लिमिटेड, जालन्धर।
(अन्तरिती)
३. जैसा कि ऊपर नं० २ में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
४. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्तन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त व्यक्ति के वर्तन के प्रक्रिया में कोई भी अक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से ४५
दिन की अवधि या तस्वीरियों व्यक्तियों पर सूचना को
तामोल से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि द्वारा में
समाप्त न हो गी हो, के अतिर प्रवौद्ध शक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से ४५
दिन के पीतर उक्त स्थावर समाप्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्तरिती के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय २०८ में परिमापित है, वह
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० ४१७५, दिनांक
सितम्बर, १९८० को रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी जालन्धर में
लिखा गया है।

आर० गिरधर

सक्तम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख १५-५-१९८१

मोहर:

प्रख्युप बाइ².टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2629—यतः मुझे आरोग्यरक्षण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को धूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बन-सरण में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अस्ति:—

1. श्री भाग सिंह पुत्र मेहर सिंह

वासी गारड़न हाऊस, जी० टी० रोड, जालन्धर शहर।
द्वारा श्री शरणजीत सिंह पुत्र अवतार सिंह
मकान नं० 1018/27-बी, चण्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुरिन्द्र कौर, परिन श्री मेहर सिंह,
सोहन सिंह पुत्र आत्मा सिंह

वासी 228, मोता सिंह नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में दशि रखता है ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे पर्में अधोहस्ताक्षरी जानका है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोइँ भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र की प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

व्यक्ति, तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 4046, दिनांक सितम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है ।

ग्राह० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 15-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप प्राई. टी. एम. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के प्रधोत्र सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेज, जालन्धर,

जालन्धर, दिनांक 15 मई, 1981

निदेश सं. ए. पी. नं. 2630:—यतः मुझे आरो
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है); की भारा 269-व
के अधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. में अधिक है।

और जिसकी सं. जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
गिदड़ वाला में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
गिदड़ वाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रमुख (प्रमुखों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रमुख के बिए तथा पाया
गया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रमुख लिखित में
वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है।—

(क) प्रमुख से दुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधोत्र बर देने के प्रमुख के दायित्व
में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के बन्दुकरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की भारा 269-व की उचितारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अवक्तु:—

1. डा० केवल कृष्ण पुत्र श्री बीर चन्द्र वासी गिदड़ वाला, तहसील मुक्तसर। (अन्तरक)
2. श्री कुलबन्त राम, वेदपाल हरप्रेश कुमार पुत्र राधाराम, मार्फत हरीचन्द्र राधाराम गिदड़ वाला। (अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं. 2 में लिखा है। (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हृषि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हृषितवद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसव्याप्ति व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन भी अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हृषितवद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण:—इतमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिचायित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं. 813 दिनांक
सितम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गिदड़वाला में
लिखा गया है।

आर. गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 15-5-81

मोहर।

प्रस्तुप पाई० टी० एन० एम०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 15 मई, 1981

निदेश सं० ए० पी० नं० 2631—यतः मुझे आर० गिरधर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो गिरड़-
हाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण-
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गिरड़वाहा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्णोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दूश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दूश्यमान प्रतिफल में, ऐसे
दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तररु (प्रारक्षणी) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के तिर तथा याया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्याप्तिकृत रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(a) अन्तरण के दूसि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(b) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
में, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत्यक्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रत्योक्तावाँ अन्तरिता द्वारा प्रहट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
मुद्दित है लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, असौतः:—

1. डा० केवल कृष्ण पुत्र श्री बीर चन्द्र,
गिरड़वाहा तहसील, मुक्तसर।

(अन्तरक)

2. श्री मोहन लाल, राम गुप्तल, ब्रीरबल दास, पुत्र हरीचन्द्र
मार्कत हरी चन्द्र राधा राम, गिरड़वाहा।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति, सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जामता है कि व सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
जिन कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तसीबेंदी व्यक्तियों द्वारा सूचना को
तामीन से 30 दिन की अवधि जो श्री अवधि बाद में
नमापन होनी हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से
हिसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अवित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

इष्टान्तरण :—इसे रुक्त अवदों और वर्दों का, जो उक्त अधि-
नियम प्रथमांश 20-क में परिभासित है वही
प्रथम द्वारा, जो उस अधियाय में दिया गया है।

अनुसूची

व्यक्ति तथा सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 900 दिनांक
मितम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गिरड़वाहा में
लिखा गया है।

आर० गिरधर
संधार अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख 15-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 14 मई 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2632—यतः मुझे आर० गिरधर,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो फिरोजपुर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 18) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घटना प्रतिफल के लिए अवृद्धि की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घटना प्रतिफल ने ऐसे, दूर्घटना प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य ने उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष को उपबारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

4—126GI/81

1. श्री शेरसिंह, गुरवन्त सिंह उर्फ काला सिंह लखमीरसिंह, पुत्र अनुप सिंह तथा सुखदेव सिंह, सतनाम सिंह पुत्र मोहिन्द्र सिंह, वासी बस्ती भाटीयावाली, फिरोजपुर शहर।

(प्रतरक)

2. दी रेलवे मजदूर को-प्रापरेटिव हाउस बिलिंग सोसायटी लि० नं० 854, फिरोजपुर शहर द्वारा : श्री सुन्दर सिंह (प्रेजीडेंट) यशपाल चोपड़ा, वाईस प्रेसीडेंट, सुभाष चन्द्र, संतोष कुमार, वासी फिरोजपुर शहर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि अप्र० नं० 2 में लिखा है
(वह व्यक्ति, जिसके प्रविभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जाना है, फि वह सम्पत्ति में हितबथ है)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त प्रधिनियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयृत होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सूची, जैसा कि विलेख नं० 3684, दिनांक सितम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी फिरोजपुर ने लिखा है।

श्री गिरधर
सक्रम अधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 14-5-1981

मोहर :

प्रलेप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मई, 1981

निवेश मं० ए० पी० नं० 2633—यतः मुझे आर०
गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा या है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथो जो कपूरथला
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूपसे
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक 29-9-80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बनारक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दीर्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है कि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रमेश सिंह, उज्ज्वल सिंह पुत्र करतार सिंह,
वासी कपूरथला ।

(अन्तरक)

2. श्री सतनाम सिंह पुत्र मंतोख सिंह
वासी कपूरथला ।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में सचित रहता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रपक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि लिखा नं० 1933 दिनांक 29-9-80
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला में लिखा है ।

आर० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 13-5-1981

मोहर :

प्रृष्ठ आइ. टी. एन. पेस.

1. श्री उज्जवल सिंह पुत्र करतार सिंह
वासी कपूरथला।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना2. श्रीमती श्रमृतकौर पत्नी संतोष सिंह
वासी कपूरथला।

(अन्तरिक्षी)

भारत सरकार

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में हचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मई, 1981

निरेंग सं० ए० पो० नं० 2634—यतः मुझे, आरा०
गिरधरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक हैश्रीर जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
कपूरथला, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कपूरथला, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उच्चरेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियाँ
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1934, दिनांक
सितम्बर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने
लिखा है।आरा० गिरधर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर
तारीख 13-5-1981
मोहर :यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:-

प्र० रूप बाई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मई, 1981

निकेश सं० ए० पी० नं० 2635—यतः मुझे आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है सथा जो कपूरथला में स्थित है (और इससे उपरबढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कपूरथला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसने दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(र) अन्तरण से हुई किसी प्राय. की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अनुकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था लियाने में सुविधा के लिए;

यतः यदि, उक्त अधिनियम की घारा 269-प के अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की घारा 269-प की उपलाय (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. सजर तिहु पुत्र करतार सिंह
वासी कपूरथला ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अमृतकौर पत्नी संतोष सिंह
वासी कपूरथला ।

(अन्तरिती)

3. जैवा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना छी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किमो व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रत्र होता, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेखन नं० 1986 दिनांक अक्टूबर, 1980 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कपूरथला ने लिखा है।

आर० गिरधर
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 13-5-1981

मोहर:

मुख्य माई. टी. एन. एस. —————

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 13 मई 1981

निवेश सं० ए० पी० नं० 2636—यतः, मुझे आर०
गिरधर

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में लिखा है तथा जो
जलालाबाद, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फाजिला मेर रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 23-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
पूर्ण, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से प्रवृत्ति है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः जब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ॥—

1. श्री कतह चन्द्र पुत्र तुला राम,
वासी जलालाबाद, जिला फिरोजपुर।
(अन्तरक)
2. श्री चमन लाल, अमी चन्द्र पुत्र मुल्ली राम, हरभगवान
पुत्र गुरदिता
वासी जलालाबाद, जिला फिरोजपुर।
(अन्तरिती)
3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में शब्द रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति, जोकि विलेख नं० 2179, दिनांक 23-9-1980
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फाजिलका में लिखा है।

आर० गिरधर,
सक्षम अधिकारी
सहायक भ्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 13-5-1981

मोहर :

प्रख्य आई० टौ० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, १९८१ (१९८१ का ४३) की धारा
२६९-घ (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, विनांक १३ मई १९८१

निवेश सं० रोहतक/३०/८०-८१—यंतः मुझे, गो० सी०

गोपाल

प्रवर्त्तक अधिनियम, १९८१ (१९८१ का ४३) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
२६९-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य २५,०००/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० स० न० बी०- II/५९३ (नया एम० सी० न०
२७९/उल्य०-८) है तथा जो सरला मोहल्ला, रोहतक में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय रोहतक
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के
अधीन, तारीख अक्टूबर, १९८०

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धारित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) प्रारंभ से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को, जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२
(१९२२ का ११) या उस अधिनियम, या अन-
कर अधिनियम, १९५७ (१९५७ का २७) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित बारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम को धारा २६९-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा २६९-घ की उपर्याप्त (१)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों अर्थात् :—

१. श्रीमती कौशल्या वन्ती पत्नी श्री कैशर दास बी०-
VI/३००, मोहल्ला प्रिया, रोहतक।
(प्रन्तरक)

२. श्री सूरज प्रकाश, वेवराज, बलवत्ता राय सतीश कुमार
सर्वे पुत्र श्री गुरुवक्स राम, बी०-II/११४०,
चंसीली मार्केट—रोहतेंक।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से
४५ दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की प्रवधि, जो भी
अवैध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
दृढ़ किमी अम्ब व्यक्ति द्वारा, अधौहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, से प्राप्तात् २०-क में परिचारित हैं,
उहों अर्थ द्वारा जो उप घडात्र में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० बी०-II/५९३ (न्यू एम० सी० न०
२७९ उल्य०-८) सरला मोहल्ला रोहतक में स्थित है जिसका
अधिक विवरण रजिस्ट्रीकरण के कार्यालय रोहतक में रजिस्ट्री
संख्या २९८२ दिनांक ६-१०-८० पर दिया है।

गो० सी० गोपाल,
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर अयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: १३-५-८१

मोहर:

प्रकाश प्राईवीटी एनोएस

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मई 1981

निर्देश सं० कैथल/9/80-81—प्रतः मुझे गो० सी०
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 269 घ
के अधीन प्रत्येक प्राधिकारी को, यह विश्वाप करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 238, मोहल्ला डोगरा है तथा जो
कैथल में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कैथल
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख सितम्बर 1080

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्रतिरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त स्थानरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुर्दि निसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करन या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या स्थानियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अनुरितों द्वारा प्रहृ नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः प्रब्र, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री लाल अन्ध पुत्र सौकागर मल, कैथल।

(अन्तरक)

2. (1) श्री कृष्ण लाल

(2) श्री रमेश लाल सर्वे पुत्र श्री तारा चन्द्र
मकान नं० 238/4 डोगरा मोहल्ला, कैथल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिक तारीख में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वितरबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताधारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इप्पलीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अनुसार 20क में परिभाषित है, वही
प्रयोग होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं० 238 मोहल्ला डोगरा कैथल में
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
कैथल में रजिस्ट्री संख्या 2620 दिनांक 17-9-80 पर दिया है।

गो० सी० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 13-5-1981

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मई 1981

निवेश सं० बल्लभगढ़/91/80-81—प्रतः मुझे, गो० सी०
गोपाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 3 जी०-175, एन० आई० टी०
है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है (और इससे उपान्दु अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की भावत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आई/गा

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. श्री गणेशदास पुत्र श्री ठोरन दास नं० एस०-3जी०/
175, एन० आई० टी० फरीदाबाद।
(अन्तरक)
2. श्रीमती उमिला देवी पत्नी श्री औमप्रकाश निं० म०
3 एफ०-69, एन० आई० टी० फरीदाबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में संपादा होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधारेस्ताकरी के
पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

लेखनि
ति मकान नं० 3 जी०—175, एन० आई० टी०
फरीदाबाद में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्री कर्ता के
कार्यालय बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीसंख्या 7720 दिनांक 16-10-
1980 पर दिया है।

गो० सी० गोपाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 13-5-1981

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार ..

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक: 13 मई 1981

निर्देश सं. बल्लभगढ़/52/80-81—प्रत: मुझे गो० सी०
गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

ओर जिसकी सं. मकान नं. 43, सेक्टर-16, है तथा जो
फरीदाबाद में स्थित है (और इसने उत्तर अनुपची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय बल्लभगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख सितंबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

5—126GI/81

1. श्री एम० एल० गांधी, म० न० 5-एच-53, एन०
आई० टी०, फरीदाबाद।

(अन्तरक)

2. श्री कंवल कृष्ण कपूर म० न० 43, सेक्टर-16,
फरीदाबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति मकान नं. 43 सेक्टर-16, फरीदाबाद में
स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
बल्लभगढ़ में रजिस्ट्रीसंख्या 6764 दिनांक 16-9-80 पर
दिया है।

गो० सी० गोपाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 13-5-1981

मोहर:

प्रस्तुत आहे, टी. एन्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मई 1981

निर्देश सं० जगाधरी/54/80-81—अतः मुझे गो० सी० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,010/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० तीन मंजिली दुकानें हैं तथा जो जगाधरी रोड, यमुना नगर में स्थित हैं (और इससे उपावदू अनुसूची में और पूर्ण रूप से अंगिण है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 सितम्बर 1980

की पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास करने था कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से दार्यात्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती शकुन्तला देवी लाल्हा पत्नी श्री सुरेन्द्र नाथ लाल्हा, माडल टाउन यमुना नगर।
(अन्तरक)

2. श्री जगदीश चन्द्र पुत्र श्री गुरदिता मल मकान नं० 406, माडल टाउन, यमुना नगर।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करसा है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या हत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर रखना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, अं० ४५ अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

लग्नाल्लभी

सम्पत्ति तीन मंजिली दुकानें जगाधरी रोड यमुना नगर में स्थित हैं जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जगाधरी में रजिस्ट्रीसंच्चा 8942 दिनांक 15-9-80 पर दिया है।

गो० सी० गोपाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 13-5-1981

मोहर:

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस०————

श्रावर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय उद्योग आयहर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मई 1981

निकेश सं० पानीपत/32/80-81—अतः मुझे गो० सी०
गोपाल,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन अभाव प्राविहारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० श्रौद्धोगिक प्लाट द्वारा ले गया है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूचीप में और पूर्ण स्पृष्टि में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1981

को पूर्योगित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने वा करना है कि यथात्पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टिमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्टिमान प्रतिकल वा पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अंतरों) और प्रत्यारिती (अन्तरितियों) के बावजूद अन्तरण के लिए तब पाता गया प्रतिकल, जिसलिए उन्होंने उक्त प्रधिनियम के विवरण में व्याख्याक छा न किया नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के योगीन कर देते के अन्तरण के दायित्व में कभी करने वा उसके बचने में सुविधा के लिए; और/एवं

(ख) किसी भी आय वा हिस्सी भी वा वा अन्य व्यापारों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त प्रधिनियम, का धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्राप्त नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसार मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथांगत:—

1. सर्वेश्वी श्रीम प्रकाश मोहन लाल, सूरज प्रकाश सब पुत्र
श्री चिरंजीत लाल, गाँव डाक पदमपुर, जि० गंगा
नगर (राजस्थान)।

(अतरक)

2. फर्म शिनलिका हाउस फर्नर्सिंग पानीपत, द्वारा श्री
सुरेश कुमार पुत्र हकीम राम, 699-एल० माडल
टाउन, पानीपत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधान 20-के परिमाणित हैं, वही अर्थ होता, जो उक्त प्रधान में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति श्रौद्धोगिक प्लाट द्वारा ले गयी आय प्रधिनियम के योगीन कर देते के अन्तरण के दायित्व में रजिस्ट्रीसंख्या 3278 दिनांक 17-8-80 पर दिया है।

गो० सी० गोपाल,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, रोहतक

तारीख: 13-5-81

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 13 मई 1981

निदेश सं० जगाधरी/62/80-81—अतः मुझे गो० सी० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति आवासीय मकान है तथा जो जगाधरी
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इथमान प्रतिफल से, ऐसे इथमान प्रतिफल का
वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) दूसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री शाम लाल पुत्र श्री राम लुभाया निं० 484
बूरिया, त० जगाधरी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती भारती पत्नी श्री मदन लाल 136-एन०
माडल कालोनी, यमुना नगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लान्धित किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के से परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्सूची

सम्पत्ति आवासीय मकान क्षे० 100 व० ग० जगाधरी
में स्थित है जिसका अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता के कार्यालय
जगाधरी में रजिस्ट्रीसंख्या 3538 दिनांक 19-9-80 पर
दिया है।

गो० सी० शोपाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 13-5-81

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई 1981

निदेश सं० कोएचआर.०/17/80-81—अतः मुझे मुख्यदेव, चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा यह विश्वास करने का
कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी मं० म० न० 582-सी है तथा जो स-फेस-II, बी-1,
भोमाली तहसील खरड़ में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, खरड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 9 सितम्बर 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छथमान प्रतिफल से, ऐसे छथमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे वज्रन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती जसवीर कौर पत्नी श्री दीवान सिंह निवासी
म० न० 70 मैक्टर 21-ए, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

2. श्री दीदार सिंह (एच० य० एफ०) सुपुत्र श्री भजन
सिंह मकान नं० 582-सी फेस-III, बी-1,
मोहाली, तहसील खरड़, जिला रोपड़।

(अन्तरिती)

करो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 582-सी, फेस-III, बी-1, मोहाली तहसील
खरड़ जिला रोपड़ में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खरड़ के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3358 सितम्बर 1980 में
दर्ज है।)

मुख्यदेव चन्द्र,
सक्षम प्राधिकर्ता

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधिया-

तारीख: 8-5-1981

मोहर: मैं

रक्षण आदेश दी० वर्ष १९८०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई 1981

निदेश सं० पी टी०ए/५७/८०-८१—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन उक्त अधिनियम को, पृष्ठ विवरास करने का कारण है कि स्वाहार संगति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. ने अधिक है।

और जिसकी सं० म० न० 7407/5 में 1/2 हिस्सा है तथा जो सेवक कालोनी, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का तारण है कि यथापूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मूल्य, उपरोक्त दृश्यमान पत्रिका के, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का अन्वय प्रतिक्रिया के अन्वय है और प्रतिक्रिया (प्रतिक्रिया) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एक प्रत्युत्तरण के त्रिएतत्त्व गया गया प्रतिक्रिया की अन्तरिती उक्त अन्वय के विवरण में वास्तविक रूप से ज्ञात की गया गया है:—

(अ) अन्वय ने दुई किलो पारे की भावत उक्त अधिनियम के प्रत्येक कर देने के अन्तरह के दायित्व में किया गया था ताकि वह उक्त सूचना ह किया; और/या

(ब) ऐसी हिसी आर ना हिसी वह या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रत्येकनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिस जाना चाहिए था, छिपाने में दुष्विद्धा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के प्रत्युत्तरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धति:—

1. श्री पंजजन सिंह सुपुत्र वी. अम्बा पिंड युद्ध व मुख्त्यारेश्वाम श्री सुखदेव सिंह, बलदेव सिंह और केवल सिंह सुपुत्र सं० सज्जन सिंह निवासी म० न० 7407/5, सेवक कालोनी, पटियाला।

(अंतरक)

2. श्री जगतार सिंह सुपुत्र श्री इन्द्र सिंह, 10-वाई, जादवीन्द्रा कालोनी, पटियाला।

(अंतरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयियाँ शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इति युक्तना के राजाद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि पर तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी वर्किन द्वारा;

(ब) इति सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्वैहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रकाशितरण:—इसमें प्रत्यक्त शब्दों और पदों जा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ देंगे, जो उन प्रत्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म० न० 7407/5 में 1/2 हिस्सा जोकि सेवक कालोनी, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख सं० 4227 सितम्बर 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-5-1981

मोहर :

प्रह्लद आई० टी० एन० एस०---

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई 1981

निदेश सं० पीटी ए०/५६/८०-८१—यथा: मुझे, सुखदेव चन्द्र, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके उपचार 'उत्तराधिनियम' कहा जाता है), की धारा 269-व के अधीन संतत वाधिकारी को, यह विश्वास करो का कारण है कि स्थावर समति, जिप्पा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 7407/5 का हिस्सा है तथा जो सेवक कालोनी, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1980

को पूर्वीमूल्य समति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिरूप के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का ज्ञात है कि यथापूर्वीकृत वमति का उचित बाजार मूल्य उपके दृश्यमान प्रतिरूप से ऐसे दृश्यमान प्रतिरूप का अन्तर अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नया गया प्रतिकूल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रान्तरण निक्षिका में वास्तविक रूप से इवित नहीं किया गया है:—

(क) उक्त से यह जाती धारा को धब्बा, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उच्चने में गुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या नियोग वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता वाहिए ११, छिपाने व सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सज्जन सिंह सुपुत्र श्री बन्ता सिंह खुद व मुख्तयारे आम श्री सुखदेव सिंह, बलदेव सिंह और केवल सिंह निवासी म० न० 7407/5, सेवक कालोनी, पटियाला।
(अंतरक)

2. श्री चमकौर सिंह सुपुत्र श्री इन्द्र सिंह 107, जादविन्द्रा कालोनी, पटियाला।
(अंतरिती)

मैं यह सूचना जारी करने पूर्वाना नियति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

इस नियति के प्रत्येक को होई सो प्राप्तेः—

(व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन ही प्रत्येक तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर युवा नी जारी हो 30 दिन ही अवधि, जो भी प्रत्येक बाइ में उत्तराधिकारी के भोगर पूर्वोक्त विवेतर्ग में विविध विधियां देता है।

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समति में हितबद्ध किसी अन्य वाकिया द्वारा, अभीहृत्वाद्वारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संदर्भोक्तरण:—इसमें प्रकृत शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय-20क में परिवाखित है, वह अर्थ होगा जो उक्त प्रतिकूल में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 7407/5 जोकि सेवक कालोनी, पटियाला में स्थित है उसका हिस्सा।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के विलेख सं० 4226 सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 8-5-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई, 1981

निदेश सं० सीएनडी०/२२५/८०-४—अतः मुझे, मुख्यदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1596, है तथा जो सैकटर 36-डी चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपांबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्रकी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. कमांडर बलवत् सिंह सुपुत्र श्री गुरबक्ष मिह, निवासी मतिश्राना, जिल लुधियाना।

(अंतरक)

2. (1) श्री कैलाश नाथ कोहली, सुपुत्र श्री गिरधारीलाल कोहली।

(2) श्रीमती नीलम कोहली, पत्नी श्री के० एम० कोहली, निवासी ६२०, सैकटर, ३६-डी, चण्डीगढ़।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

गनृसूची

प्लाट नं० 1596, सैकटर 36-डी, चण्डीगढ़ में स्थित।

(जायकाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1317 मितम्बर 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-5-1981

मोहर :

विषय घोषित हो १० एवं ४८०—

आधिकर अधिनियम, १९६१ (१९६१ का ४३) की धारा

२६९-ग (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक ८ मई, १९८१

निवेश सं० एस०एल०एन०/४८०-८१—यतः मुझे, सुखदेव चंद्र आयकर अधिनियम, १९८१ (१९८१ का ४३) ('जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन अधिनियम' कहा गया है), की धारा २६९-ग के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि नियम सम्पत्ति नियम उचित बाजार मूल्य २५०००/- ह० से अधिक है

और जिसकी खस्ता नं० १८/३/२/२/१ में १२७ वर्ग गज में पूर्ण दुकानें बनी हुई हैं तथा जो दीमाल शिमला में स्थित हैं (और इससे उपायद्वारा अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय सोलन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, १९०८ (१९०८ का १६) के अधीन दिनांक ९/८० को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पहलु प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी व्याय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में रखी करने पा उससे अपने अनुसूचित सुविधा के लिए; और/या

मैं (ख) ऐसी किसी आय या उक्सो त्रन पा प्रथा आस्तियों को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (१९२२ का ११) या उक्त अधिनियम, या अमेरिका प्रथानियम, १९५७ (१९५७ का २७) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्ति, उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा २६९-ग की उपचारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जित :—

6-126GT/81

१. श्री ओमचंद्रनाथ बांसल, बांसल इस्टेट, सोलन ।
(अंतरक)
२. श्रीमती विरसा देवी पत्नी श्री ठाकुर प्रेम सिंह दी माल, सोलन ।
(अंतरिती)
३. (१) श्रीमती लाल चन्द्र
(२) मैं सोलन फोटोस्टेट
(३) मैं आमद्द हिमालय दुके हाउस ।
(४) मैं किरन स्टूडियो, दी माल सोलन ।
(वह अक्षित, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मेरे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाचिक शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में अकागचील नीति है ५१ विव जी अद्वितीय लालेंगी अपेक्षिती एवं सूचना की तारीख से ३० दिन की अवधि, और जी अद्वितीय में अनुसन्धान होती हो, के अन्तर पूर्वोक्त अपेक्षितीयों में मे किसी अवित द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से ४५ दिन के अन्तर स्थान सम्पत्ति में हितमह जिसी अन्य अवित द्वारा अघोषिताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसम प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय २०-क में व्यापक व्यापक व्यापक है, वही अर्थ होता, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(पांच दुकानें खस्ता नं० १८/३/२/२/१ में १२७ वर्ग गज के लिए पर बनी हुई हैं जो कि दी माल सोलन में स्थित है

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी सोलन के कार्यालय के विलेख संस्था नं० ३५६ मितम्बर १९८० में दर्ज है।)

सुखदेव चंद्र

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख ४ मई, १९८१

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, संशयक प्राप्तकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 8 मई, 1981

निदेश सं० चल्डी०/291/ए/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगत, त्रिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 622 है तथा जो संकटर 20-ए, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11/80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्राप्ति सम्भवि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का परदहूँ प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित व्याप्रतिहास्त्र में नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमों करने या उपसे बचने में सुविधा के लिए;

(इ) दोनों किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

1. श्रीमती जोगेन्द्र कौर पत्नी सुखदेव सिंह और श्रीमती जगदेव कौर पत्नी श्री त्रिलोक सिंह निवासी मकान नं० 2239, सैकटर 22-मी, चण्डीगढ़ ।

(अंतरक)

2. श्री मंगत राए बाबूता निवासी म० नं० 622, सैकटर 20-ए, चण्डीगढ़, श्रीमती प्रवीन बाबूता पत्नी श्री मंगत राय बाबूता निवासी म० नं० 1251, सैकटर 21-बी, चण्डीगढ़ ।

(अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आयंवाहित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्वत के उंचाई में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उक्तवंशी अवित्यों पर सूचना नी तापील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्यों में में किसी अवित्य द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्वितीय किसी पन्थ अवित्य द्वारा, प्रबोहस्तामी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(म० नं० 622, सैकटर 20-ए, में स्थित है)

(जायदाद जहां कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1614 नवम्बर, 1980 में दर्ज है) ।

सुख देव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख 8-5-1981

मोहर :

प्ररूप आर्फ़.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लूधियाना

लूधियाना, विनांक 8 मई, 1981

निदेश सं. एस.एम.एल./17/80-81—अतः मुझे सुखदेवचन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, भृत्य विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एकबाईल काटेन, है तथा जो स्टेशन वार्ड, छोटा, शिमला ने स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिमला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) विनांक 9/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रांतरूल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि दृश्यमान सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम किशोर शाम सुन्दर वस्ती लाल और हरीराम, मारीना होटल, शिमला ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुधा महाजन और श्री धर्मवीर गुप्ता, एलीघंग, लाज, शिमला-3

(अंतरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

(एकबाईल काटेज, स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला में स्थित है ।)

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 872, सितम्बर, 1980 में दर्ज है ।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लूधियाना

तारीख 8-5-1981

मोहरः

झरप्प वाइर्स, दैवि. एस. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (मिस्ट्रीकर्ट)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई, 1981

निदेश सं० लुधि०/आर०/61/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन स्थान प्राधिकारी को, यह किसीका करने का कारण
है कि स्थान संभालते जिसका आयुक्त भूमि 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 11 कनाल 11 मरले हैं तथा जो
गाँव नन्दपुर, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपर्युक्त
में और पूर्ण अनुसूची रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 10/9/80

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार भूमि से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार भूमि,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी अपक या किसी भूमि या अन्क आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, या, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन मिम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगजीत सिंह सुप्रति श्री जय सिंह
गांव नन्दपुर, तहसील व जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

2. श्री अवामार सिंह पुरुष श्री महार सिंह
गांव नन्दपुर, तहसील लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सूचना के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्पूर्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि या भी भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इह सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान पर घटिया या हृद्दात्र स्थिति
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लिखने वाले :—“इसमें प्रयुक्त शब्दों वाले पहले वाले, जो उक्त
अधिनियम, ये अध्यक्ष 20-का में परिभ्रमित
हैं, वहों कर्त्ता होता जो उक्त अधिनियम में किया
गया है।”

मनुसूची

भूमि क्षेत्र फल 11 कनाल 11 मरले, गांव नन्दपुर, जिला
लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना,
के कार्यालय के विलोक्त संख्या नं० 4857, अक्टूबर, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 8 मई, 1981.

मोहर :

प्रकाश संख्या ८० एन० १०० एस०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ए(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई, 1981

निवेदा सं० सुधि०/आर०/62/८०-८१—ग्रहण: मुझे सुखदेव
चन्द

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ए
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 11 कनाल, 11 मरले हैं तथा
जो गांव नन्दपुर, तहसील व जिला लुधियाना, में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 10/80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिक्रिया के अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भी
प्रत्यारिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरोग के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तुविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अम्य अविकल्पों
को जिसे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ प्रत्यारिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

ग्रहण: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के बनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रहणः—

1. श्री हरभजन सिंह पुजा श्री जय सिंह
गांव नन्दपुर, तहसील व जिला लुधियाना।
(अंतरक)

2. श्री बलविन्द्र सिंह पुजा श्री महार सिंह
गांव नन्दपुर, तहसील व जिला लुधियाना।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घावेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या उसमें अवधियों वर
मूल्यमानी तारीख से 30 दिन की अवधि, जो श्री
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी अविक्षित दावा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हिनयद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रत्योक्तसाक्षरी के पात
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, उही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 11 कनाल, 11 मरले, गांव नन्दपुर, तहसील
व जिला लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के किसी संख्या नं० 4858, अक्टूबर, 1980 में
वर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सकाम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख 8 मई, 1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायोगिक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई, 1981

निवेश सं० के० एन० एन० / 32/80-81—अतः मुझे सुखदेव
चन्द्र

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अंतर्गत प्रायिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि
स्थानीय सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
में अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र ३ कनाल, है तथा जो खन्ना कलां,
जिला लुधियान में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
खन्ना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के प्रधीन दिनांक सितम्बर 80 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि पथपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बोध ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई हिसी आय की बाबत, उक्त प्रायिक-
ताप के प्रधोन कर दों से अन्तरक के शायित्व
में रही करने या उसे बरने में मुविधा के लिए;
*र/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अधिकारी, अस्ति :—

1. मससे शाह फाइनेंसर्ज एण्ड लक्की स्कीम, प्रा० लि०
द्वारा श्री लाल चन्द कालरा, मैनेजर ड्राइवर्स्ट।
(अंतरक)
2. श्री महिन्द्र नाथ पुत्र श्री बनारसी दास व श्री ब्रह्मदेव पुत्र
श्री धर्मपाल, व श्रीमती रक्षा रानी, पुत्री श्री लम्भुराम,
खन्ना कलां, तहसील खन्ना।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए
कार्यालयों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन में कोई श्री ग्रामीण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन को अवधि या तत्क्षम्यन्धी अधिकारी पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में
से किसी अधिकतम धारा;
- (ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
पन्थ अधिकतम द्वारा अघोरत्साक्षरी के पास लिखित में
फिये जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :——इप्पमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अक्षर 20-ए में उल्लिखित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रवाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्र फल ३ कनाल, खन्ना कलां, तहसील खन्ना,
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खन्ना के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1451, सितम्बर, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख : 8 मई, 1981

मोहर :

प्रस्तुत याई० दो० थम० एवं०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 8 मई, 1981

निवेद सं० खन्ना/33/80-81—अतः मुझे सुखदेव चन्द्र आयकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन संकेत प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 28,000/- ए० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 3 कनाल, है तथा जो खन्ना, जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खन्ना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 9/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पग्गह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में वापसियाँ नहीं किया गया है :—

1. मैमर्ज ननकाना साहिं फाईनाल्स प्रा० लिमिटेड लुधियाना द्वारा श्री लाल चन्द्र कारा, मैनेजर डायरेक्टर।
(अंतरक)
2. श्री महिन्द्र नाथ पुत्र श्री बनारसी दास पुत्र धलेयतीराम, निवासी चण्डाला मार्कीट, खन्ना कलां, तहसील खन्ना।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइँ भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 46 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रदृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 3 कनाल, खन्ना जिला लुधियाना।
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, खन्ना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1450, सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
संकेत प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधृतः—

तारीखः 8 मई, 1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.ए.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई, 1981

निदेश सं० चण्डी०/228/80-81—अतः मुझे सुखदेव चन्द्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 1532 है, तथा जो
सैक्टर 36-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (ओर इससे उपवद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक 9/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह ग्रामियता से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
ग्रामियत में किसी अन्तरे या उसके बाहर में कौन्त्रिभा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री महिन्द्र सिंह अल्ला, पुत्र बाबा वीर सिंह,
निवासी ए-1, नारायण बिहार, रिंग रोड,
नई दिल्ली ।

(अंतरक)

2. (1) श्री चरनजीत सिंह छीगरा, पुत्र मनोहर सिंह
(2) श्रीमती रविन्द्र छीगरा पत्नी श्री चरनजीत सिंह
मकान नं० 1517, सैक्टर 36-डी, चण्डीगढ़।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बित के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया कुरु करता हूँ।

उक्त सम्बित के अर्जन के तत्वान्तर में कोई भी अस्तिप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि या उस समय होती हो, के बीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने किसी अस्तिप द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरता:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में वर्णित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

प्रदूषी

प्लाट नं० 1532, सैक्टर, 36-डी, चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
कार्यालय, के विलेख संख्या नं० १३५७, सिलंबर, 1980 में
दर्ज है ।)

सुख देव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 मई, 1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई, 1981

निवेश सं० आर०केटी०/१/८०-८१—यतः मुझे सुखदेव चन्द्र
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 17 कनाल, 12 मरले हैं तथा
जो गांव हेरा, तहसील जिगराओं, जिला लुधियाना में स्थित है
(और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रायकोट में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9/80
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पूर्व हासिलान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हर्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
इयमान में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ५--
7-126GI/81

1. श्री सज्जन सिंह पुन श्री अमर सिंह
गांव हेरा, तहसील जिगराओं, जिला लुधियाना।
(अंतरक)
2. श्री दर्शन सिंह पुन श्री नाहर सिंह, व श्री दलबारा सिंह
पुन श्री मेहर सिंह गांव बुड़ी, तहसील जिगराओं,
जिला लुधियाना।
(अंतरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि आदि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास²
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृदूसूची

भूमि क्षेत्रफल 17 कनाल, 12 मरले, गांव हेरा, तहसील
जिगराओं,

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रायकोट के
कार्यालय के विसेक्षण संख्या न० 1466 सितम्बर, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीखः 8 मई, 1981

मोहरः

प्रारूप गाई० टी० एम० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई, 1981

निदेश सं० रायकोट/2/80-81—प्रतः मुझे सुखदेव बन्द
भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्नत व्यविधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सभी प्रायिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है जिससे उपायकरण सम्भवि, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
क्रपए में अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र ३-९-९-बीघा है तथा जो गांव
हीरां, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपायकरण सम्भव है और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय रायकोट में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 1/81

की पूर्वांकित सम्भति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्भति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
प्रभ्रह प्रतिशत से पवित्र है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रायिकता निम्नलिखित उद्देश्य से उत्त अन्तरक
विभिन्न विभिन्न रूप से नियत नहीं हैया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाग की वावत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के प्रतिकरण के
दायित्व में कमी करने या उत्तराधिकारी के अधिकारी
के सिंह; और

(ख) ऐसी किसी भाग या विना धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, प्र
वर्ष १९५७ अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगस्थाने अधिकारी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उच्चारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सर्जन सिंह पुत्र श्री अमर सिंह
गांव हीरां, तहसील जगराओं, जिला लुधियाना।
(अंतरक)
2. श्री दर्शन सिंह पुत्र श्री नहर सिंह, श्री दलवारा सिंह
पुत्र मेहर सिंह, गांव व डाकखाना, बड़ैच,
तहसील जगराओं, जिला लुधियाना।
(अंतरिती)

को यह सूचना आरी राके पूर्वांकित सम्भति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्भति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के दायरे में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवक्ष्य या तस्वीरन्वयी अविक्षियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवक्ष्य, जो भी प्रवक्ष्य बाद में
समाप्त होती ही के भीतर पूर्वांकित अपवित्री में से
किसी अविक्षिय द्वारा;
- (ख) इस सूचना के दायरे में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भति में वित्तव्य
किसी अव्यवहार, अव्यवहारात्मकी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एव्यवहारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-व में परिचयित
है, वही अर्थ होया, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

प्रनसूची

भूमि क्षेत्र कल 3-९-९ बीघा, गांव हीरां, तहसील जगराओं,
जिला लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी रायकोट के
कार्यालय, विलेख संख्या नं० 2181, जनवरी, 1981 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्रायिकारी
सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 मई, 1981

मोहर :

प्रस्तुप जाइं. टी. एम्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई, 1981

निवेश सं० लुधि०/आर/43/80-81-यतः मुझे सुखदेवचन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सूमि क्षेत्र ० 31 कनाल, 13 मरले हैं, तथा जो गांव जीवनपुर, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9/80 को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीं तहत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन ले:

1. श्री रजिन्द्र सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह ग्रेवाल द्वारा जनरल अटारनी श्री गुरचरन सिंह ग्रेवाल पुत्र श्री कटार सिंह, निवासी जमालपुर, अबाना, तहसील लुधियाना।
(अन्तरक)

2. श्रीमती हरबन्स कौर विधवा श्री करतार सिंह गांव जीवन पुर, तहसील व जिला लुधियाना।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ सुनें जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 31 कनाल, 13 मरल, गांव जीवनपुर, तहसील लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय, के विलेख संख्या नं० 4418, सितम्बर, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीखः 8 मई, 1981

मोहरः

प्ररूप घाई० टीटू० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन येंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई, 1981

निवेश सं० लुधि०/आर/44/80-81—अतः भुमि सुखदेवचन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र ३१ कनाल, 13 मरले हैं तथा जो गांव जीवन पुर तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद्ध ग्रन्तुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कार्यत्व में कमी करने या सस्ते बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हैं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ बत्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

1. श्री हरवियाल सिंह पुत्र श्री गुरचरन सिंह ग्रेवाल द्वारा : श्री गुरचरन सिंह पुत्र श्री कटार सिंह गांव जमाल पुर अवाना, तहसील लुधियाना।
(अंतरक)

2. श्रीमती हरबन्स कौर विधवा, पत्नी श्री करतार सिंह पुत्र श्री पिरथी सिंह, गांव जीवनपुर, तहसील विलाल लुधियाना।
(अंतरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त क्षब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्र फल 31 कनाल, 13 मरले, गांव जीवनपुर तहसील लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के किलोमीटर संख्या नंसे 4419 सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8 मई, 1981

मोहर:

प्रस्तुति आई० टी० पृ० १० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई 1981

निदेश सं० चन्डी०/229/80-81—यतः मुझे सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन सकाम अधिकारी को, यह विश्वास करने का आवण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० ये अधिक है और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र ० ७ कनाल, १४ मरले हैं, तथा जो मनीमाजरा, य० टी० चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता 1908 अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9/80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में नम अंतर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदृढ़ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्राप्तरक) और अन्तरिकी (अतिरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण (निम्नलिखित में वास्तविक रूप अंतरिक्त नहीं किया गया है) :

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के विषयक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी या गा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा छन्नकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण में, ऐसे उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्रीमती लाला कौर पुक्ती, श्री रजिन्द्र सिंह, निवासी मनीमाजरा य० टी० चण्डीगढ़ (अन्तरक)
2. सर्वे श्री : हीरा सिंह, लाला सिंह, पुल श्री रुड़ सिंह, निवासी मनीमाजरा, य० टी०, चण्डीगढ़ । (अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहकः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्त्वान्वयी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं वे अर्थ दोनों, जो उक्त प्रध्याय में दिया गया हैं।

भूमि क्षेत्रफल ७ कनाल, १४ मरले, मनीमाजरा, य० टी०, चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1364, सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीखः 8 मई, 1981

मोहरः

प्रकरण आई०टो०एम०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 8 मई, 1981

निवेश सं० एस०एम०आर०/50/80-81—अतः मुझे
सुखदेव चन्द्र

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सम्भव प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है।

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र ० 82 कनाल ९ मरले हैं तथा जो गांव शेरपुर, तहसील समराला, जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय समराला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9/80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित रूप से गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुझे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात्मक अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती भनजीत कोर, मनप्रीत कोर पुलियां श्री गुरदियाल सिंह, श्री तंजिन्द्र सिंह पुनर श्री करतार सिंह, श्री जोगिन्द्र सिंह पुनर श्री तीर्थ सिंह, गांव शेरपुर, तहसील समराला।

(अन्तरक)

2. श्री रघुबीर सिंह पुनर श्री करनेल सिंह
गांव शेरपुर, तहसील समराला।

(अतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की वामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अस्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रारंभों पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्र फल 82 कनाल ९ मरले, गांव शेरपुर, तहसील समराला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी समराला के कार्यालय के लिखा संख्या नं० 3000, सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव अन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 8 मई, 1981

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रांजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई 1981

निवेदण सं० मी०एम०आर०/53/80-81—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र ३८ कनाल, 11 मरले हैं तथा
जो गांव खमानो कलां, तहसील समराला में स्थित है (और
उससे उपबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय समराला में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक ९/८०
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, प्रथातः:—

1. श्री अजमेर सिंह, पुत्र श्री बीर मिह पुत्र श्री हीरा मिह,
खमानोकलां, तहसील समराला।
(अंतरक)
2. श्री गुरनाम सिंह पुत्र श्री लछमन सिंह पुत्र सुनदर सिंह,
खमानो कलां, तहसील समराला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के उचित के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी अवित्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी अवित्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिमापित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 38 कनाल, 11 मरले खमानोकलां, तहसील
समराला।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी समराला के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3180, सितम्बर, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द,
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रांजन रेंज, लुधियाना

तारीख 8 मई, 1981

प्रौद्योगिकी विभाग

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई, 1981

निदेश सं० के.एन.एन./37/80-81—अतः मुझे सुखदेव चन्द्र आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिम्मा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र ० ४ कनाल, ६ मरले हैं तथा जो गांव कौड़ी, तहसील खन्ना जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय खन्ना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 9/80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का दन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

1. श्री गुरदेव गिह पुत्र श्री जगता मिह
गांव कौड़ी, तहसील खन्ना, जिला लुधियाना।
(प्रत्यक्ष)
2. सर्व श्री दविन्द्र कुमार, संजीव कुमार, गिरधारी लाल व
किशोरी लाल, मारकन मैसर्जे वर्मा ट्रेडर,
ग्रेन मार्किट, खन्ना।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तम्भमूल्यी अधिकारी पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी व्यक्तियों पर से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 4 कनाल, 6 मरले, गांव कौड़ी तहसील खन्ना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी खन्ना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1476, सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द्र
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 मई, 1981

मोहर :

प्रस्तुत प्राईटी ० एम० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सुधियाना
लुधियाना, दिनांक 8 मई 1981

निदेश सं० के०एन०एन०/३८/८०-८१—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सकार प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र० 4 कलाल 7 मरले हैं तथा जो
गांव कौड़ी, तहसील खन्ना, जिला लुधियाना, में स्थित है (और
इससे उपार्वक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी के कार्यालय खन्ना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक सितम्बर, 1980 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिफल के लिये प्रस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निर्धित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और आ

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें मारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षीय प्रकट नहीं किया
गया था या किसी जाता था तो उक्त अन्तरण
सुविधाके लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्ति:—

8—126GT/81

1. श्री केहर सिंह पुत्र श्री जगता
गांव कौड़ी, तहसील खन्ना, जिला लुधियाना।
(अंतरक)
2. श्री अनिल कुमार पुत्र श्री बनसीलाल,
निवासी सरहिन्द मण्डी।
(अंतरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मानी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोदस्ताकरी के पास
को लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि

भूमि क्षेत्र क्षेत्र, 4 कलाल, 7 मरले, गांव कौड़ी, तहसील
खन्ना, जिला लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी खन्ना के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1477, सितम्बर 1980 में
दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सकार प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख : 8 मई, 1981

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई 1981

निर्देश सं० एलडीएच/आर/56/80-81—अतः, मुझे,
सुखदेव चन्द्र,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' रहा गया है) की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 52 कनाल 5 मरले हैं
तथा जो गांव मतावग़़़, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिक्षीय (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रभारण से दूरी किसी आग की वाश्त, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या।

(ख) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्ष द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैसर्ज शिवपाल एण्ड सन्स द्वारा श्री शिवपाल कर्ता
पुत्र श्री हरि चन्द व मैसर्ज यशपाल एण्ड सन्स
द्वारा श्री यशपाल कर्ता पुत्र श्री हरि चन्द, निवासी
रूपा मिस्ट्री स्ट्रीट, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री इन्द्र सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, निवासी
छपार रोड, भण्डी अहमदगढ़, जिला संगरुर।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि वाले में यापात होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस तूकना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 52 कनाल 5 मरले, गांव मतावग़़़, तहसील
लुधियाना।

ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4575, सितम्बर 1980 में
दर्ज है।

सुखदेव चन्द

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-5-1981

मोहर :

प्राप्त वार्ड ८० एवं १००—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई, 1981

निर्देश सं० एलडीएच/आर/67/80-81—प्रत:, मुझे,
सुखदेव चन्द,
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' जाहा गया है), की आरा 269-व
के अधीन नवाम प्रधिकारी जो, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 48 कनाल 14 मरले हैं तथा
जो गांव मेतावगढ़, तहसील, लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्तूबर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यक्षित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
एड्डा प्रतिशत से अधिक है और अन्तरण (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में अस्तित्विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्यक्षित से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिष्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी छन या अन्य व्यक्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
उनके प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रत:, अब, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की आरा 269-व की उपराठा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर्ज शिवपाल व सत्स द्वारा श्री शिव पाल-
व मैसर्ज धर्मपाल व सन्स द्वारा श्री धर्मपाल, कर्त्ता,
रूपा मिस्ट्री स्ट्रीट, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) सर्व श्री गुरमीत सिंह, सुरजीत सिंह, जगदेव
सिंह पुत्र श्री इन्द्रसिंह, निवासी खानपुर तहसील
लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों ने ये किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 48 कनाल 14 मरले, मतावगढ़, तहसील
लुधियाना।

(ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 5070, अक्तूबर 1980
में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-5-1981

मोहर:

प्रकाश प्राइंटोरी एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 8 मई 1981

निदेश सं. सीएचडी/213/80-81—अस्त: मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है, और जिसकी सं. मकान नं. 3331 है तथा जो सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तर पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उत्तरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अस्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः :—

(1) श्री जगमोहन सिंह कलेर पुत्र श्री नरिन्द्र सिंह कलेर निवासी घो रुम नं. 29, सैक्टर 7-सी, चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री गंजिन्द्र पाल सिंह पुत्र सतनाम सिंह मकान नं. 1065, सैक्टर 15-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री वी.के. खुराना 2. श्री शीश पाल 3. श्री जीत राम शर्मा, सारे निवासी मकान नं. 3331, सैक्टर 35-डी, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में छोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसबंधी व्यवितयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अब्दोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं. 3331, सैक्टर 35-डी चण्डीगढ़।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या नं. 1182, सितम्बर 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8 मई, 1981

मोहर :

प्रक्रम आई.टी.एन.एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वाँ(1) के पश्चीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई 1981

निर्देश सं० सीएचडी/220/80-81—अतः, मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वाँ
के अधीन सकाम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास फरने का कानून
है कि स्थावर मन्त्रिति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० रिहायशी प्लाट नं० 1561, है तथा जो
सैक्टर 36-डी, चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख, 9/80 को
पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की जाई है और मुझे यह विश्वास फरने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्भह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, से निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में
वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी व्यय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी खन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनु-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्रसः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अप्रितियों, अर्थात् :—

(1) श्री सूरज कौल पुत्र श्री टी० कौल
निवासी सालारिया, मंजिल राम मुन्शी बाग,
श्रीनगर (जै०एण्ड के०)

(अन्तरक)

(2) श्रीमति दलजीत कौर साहनी पत्नी इन्द्रजीत
साहनी मकान नं० ए/2-130, राजीरी गार्डन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आये करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अंतर्न के संबंध में कोई भी व्याप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरें व्यक्तियों पर नूचना
की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो प्रत्येक
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

प्रष्ठाकीरण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अड्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अड्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

रिहायशी प्लाट नं० 1561, सैक्टर 36-डी चण्डीगढ़।
(आयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी चण्डीगढ़ के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1275, सितम्बर, 1980 में
दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, सुधियाना

तारीख : 8-5-1981

मोहर :

प्रसूप आई० टी० एच० एच०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा की
 269-व (1) के प्रधीन सूचना
 भारत मरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई 1981

निर्देश सं० के०एन०एन०/40/80-81/—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को द्वारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 12 कनाल 12 मरले हैं तथा जो गांव मलिकपुर, तहसील खज्जा, जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, खज्जा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 9/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशङ्क अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या]

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य प्रस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की द्वारा 269-व की उपलब्धा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

- (1) श्री हरनेक सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह निवासी गांव मलिकपुर तहसील खज्जा जिला लुधियाना। (अन्तरक)
- (2) सर्वेश्वी कुलविन्द्र सिंह मनप्रीत सिंह, अवतार सिंह निवासी गांव व डाकखाना राहो, तहसील खज्जा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवोद्धस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रबुद्ध सम्बद्धों प्राप्त पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अन्याय 20व में परिचालित है; वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 12 कनाल 17 मरले, गांव मलिकपुर, तहसील खज्जा, जिला लुधियाना।
 (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी खज्जा के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1494, सितम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 8-5-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी०एन०एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई 1981

निर्देश सं० के०एन०एन०/३९/८०-८१/—अतः, मुझे,
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि धेन्ह 12 कनाल 17 मरले है तथा
जो गांव मलिकपुर तहसील खज्जा, जिला लुधियाना में स्थित
है (और इससे उपावरु अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खज्जा में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
9/80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किरी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(1) श्री गुरदेव सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह निवासी
मलिकपुर, तहसील खज्जा, जिला लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) सर्वश्री कुर्नावन्द्र मिह, मनप्रीत सिंह व अबनार-
मिह निवासी गांव व डाकघासा राहो, तहसील
खज्जा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

भूमि धेन्हफल 12 कनाल 17 मरले, गांव मलिकपुर
तहसील खज्जा, (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
खज्जा के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1493, सितम्बर,
1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत ।—

नारीख : 8-5-1980

मोहर :

प्रस्तुत प्राईटी ० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई 1981

निर्देश सं० एलडीएच/195/80-81/—अतः, मुझे, सुखदेव
अन्ध,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्र 80 कनाल है तथा जो गांव
सुसराली, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (और
इससे उपावर्ष अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9/80
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रतिक्रिया की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुर्दि किसी ग्राम की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा दें लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री मंगत राम पुत्र श्री अब्दा गांव बूथगढ़, तहसील
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) सर्वेश्वर सिंह, प्यारा सिंह पुत्र श्री मंगू राम,
निवासी गांव मेहरवन तहसील व जिला लुधियाना
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवौहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संपर्क :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
प्रयं होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 80 कनाल, गांव सुसराली, तहसील व
जिला, लुधियाना। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3187, सितम्बर,
1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 8-5-1981

मोहर :

प्रकल्प आई० ई० एन० एस०————

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की ओरा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई 1981

निर्देश सं० एनडीएच/194/80-81/—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की ओरा 269-व के अधीन सभी प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानीय समसित, जिसका उचित बजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संभूमि क्षेत्र 79 कनाल 16 मरले हैं तथा जो गांव सुसराली, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावश्यक अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9/80।

को पूर्वोंत सम्पत्ति के उचित बजार मूल्य ने कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोंत सम्पत्ति का उचित बजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उत्तर से उक्त प्रभावण निवित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं हिला गया है:—

(क) प्रभावण में ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रभावण के वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में मुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की ओरा 269-व के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की ओरा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवितरणों, अर्थात्:—

9—126 GI/81

(1) श्री तारा चन्द पुन श्री शेष राम गांव बूथगढ़, तहसील लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) सर्वे श्री ईश्वर मिह व प्यारा सिंह पुन श्री मंगू राम, गांव मेहरबन तहसील व जिला लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारो बरके पूर्वोंत सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रतीक्षा तत्वमध्य में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी अवितरणों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत अवितरणों में किसी अवितरण द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानीय समसित में हितबद्ध किसी अन्य अवितरण द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबोधण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 फ में परिभाषित है, वही ग्रंथ दोगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 79 कनाल 16 मरले, गांव सुसराली, तहसील व जिला लुधियाना। (ज्यायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संलग्न नं० 3180, सितम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द
सक्तम अधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 8-5-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 8 मई 1981

निर्देश सं० प्रामाण्यल/78/80-81/—अतः, मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 9 कमाल है सथा जो गांव
मुगल माजरा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे
उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9/80।
को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से अधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहृ किसी आय की नाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुधिधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हैं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुधिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री किरथाल सिंह पुत्र श्री हरनस सिंह गांव
मुगल माजरा मंडी गोबिंदगढ़ जिला पटियाला।
(अन्तरक)

(2) मैं इंडस्ट्रीयल आकमीजन क० प्रा० लि० मण्डी
गोबिंदगढ़ रजि० आ० 68-बी, जोली मेकर
चैम्बरज नं० 11 नरीमान ट्वाइट बम्बई-400021।

क्वों यह सूचना जारी करके पूर्वांक संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्धि
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मदृसूची

भूमि क्षेत्रफल 9 कमाल 11 मरले गांव मुगल माजरा
जिला पटियाला में स्थित है। (जयदाद जैसा कि रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख सं० सं० 1306
सितम्बर 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-5-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई०, टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शाखा (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई 1981

निर्देश सं. एएमएल/79/80-81/—असः, मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व(1) के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद 8 कनाल 18 भरले हैं तथा जो गांव मुगल माजरा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोहा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9/80। को पूर्वोक्त मंपति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त मंपति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण पर इद्दि किसी पाप की वावन उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने पर उक्त वावन में सुविधा हो विए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

असः, धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-व(1) के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व(1) की उपचारा (1) अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) श्री हरबन्स सिंह मपुद्र श्री कपूर सिंह निवासी गांव मुगल माजरा डाकखाला मन्डी गोविन्दगढ़ जिला पटियाला।

(अन्तरक)

(2) मैं० इन्डस्ट्रीयल आकसीजन क०प्रा०सि० मण्डी गोविन्दगढ़ रजि० आ० 68-बी०, जोली मेकर चैम्बर नं०-II नरीमान प्लाईंट, बम्बई-400021।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त मंपति के प्रजेन के लिए कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त मंपति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोप्रूपताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संलग्नीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के अन्यान्य व्यापारिकार्थियों के बहुत अधिक हैं, वही अर्थ होंगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(8 कनाल 18 भरले जगह गांव मुगल माजरा जिला पटियाला में स्थित है।)

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख सं० नं० 1307 सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 14-5-1981

मोहर:

प्रसूत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनाक 14 मई 1981

निर्देश सं० एएमएल/80/80-81/—अतः, मुझे, सुखदेव अन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जितना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1 कनाल 2 मरले हैं तथा जो गांव मुगल माजरा जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9/80। को पूर्वोंष्ठ संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोंत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ऐसे प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कषित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बदले में सुविधा के लिए और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों की, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अधिकृत:—

- (1) श्री हरदेव सिंह सपूत्र श्री कपूर सिंह शिवासी गांव मुगल माजरा डाकघासा मण्डी गोविन्दगढ़ जिला पटियाला (अन्तरक)
- (2) मैं इन्डस्ट्रीयल आकसीजन कॉर्पोरेशन मण्डी गोविन्दगढ़ रजि० कार्यालय 68-बी, जोली मेकर चैम्बर नं० -II नरसिंह प्लाईंट बम्बई-400021. (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के एजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंत अधिकारी में से किसी अधिक्षित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के एजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिक्षित द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा दिये जाएंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और परों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(1) कनाल 2 मरले जगह गांव मुगल माजरा जिला पटियाला में है) (ज्यायदाद जैसा कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी अमलोह के कार्यालय के विलेख सं० नं० 1308 सितम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-5-1981

मोहूर:

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई, 1981

निदेश सं० ए०एम०एल/८१/८०-८१/—प्रतः, मुझे, सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद 9 कनाल 11 मर्ले हैं तथा जो गांव मुगल माजरा, जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1980।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उचून्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

(1) श्री राजविन्द्र सिंह सपुत्र श्री हरबन्स सिंह, निवासी मुगल माजरा, डाकखाना म० गोविन्दगढ़, सब तहसील अमलोह, जिला पटियाला।

(अन्तरक)

(2) मैं इल्लस्ट्रीयल आकस्मीजन कम्पनी प्रा० लि० मण्डी गोविन्दगढ़, रजिस्टर्ड ६८-बी, जोली मेकर अम्बर्ज नं० -II नरीमान प्लाइट बम्बई-400021।

(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आकेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(१) कनाल 11 मर्ले जगह मुगल माजरे में स्थित है (जायदाद जैसा कि रजिस्टर्ड अधिकारी अमलोह के कार्यालय के बिलेख सं०नं० 1309 सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

तारीख: 14-5-1981

मोहर:

प्रकरण नं. ३१० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) से अद्वितीय सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 14 मई, 1981

निर्वेश सं. एएमएल/82/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
को धारा 269-व के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह
विश्वास फरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित भाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं. 8 कनाल 7 मर्ले जगह है तथा जो गांव
मुगल माजरा जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 1908 का 16 के अधीन, सितम्बर 1981
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्वरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्वरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्वरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनुरक्त लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्वरण से हुई किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए। घोर/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी शब्दों या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घने-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाव
अन्वरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, जिसने में सुविधा के लिए

अतः अब; उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उद्धारा (1) के
अधीन निम्नलिखित अविवरण, अधिकृत ५—

(1) सुखदेव सिंह संपुत्र श्री हरबन्स सिंह निवासी गांव
मुगल माजरा डाकखाना मण्डी गोविन्दगढ़ जिला
पटियाला।

(अन्तरक)

(2) मैं इन्डस्ट्रीयल आक्सीजन कम्पनी, प्रा०लि०
मण्डी गोविन्दगढ़, रजिस्टर्ड कार्यालय 68-वी,
जोली मेकरज चैम्बरज नं. -II, नरीमान प्लाईट
बम्बई-40021।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अविक्षियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संक्षेप :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

(जायदाद 8 कनाल 7 मर्ले गांव मुगल माजरा जिला
पटियाला में स्थित है।)

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के
कार्यालय के विलेख संख्या नं. 1310 सितम्बर, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-5-1981

मोहर:

प्रलेप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई, 1981

निर्देश सं० एएमएल/83/80-81/—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवाहास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 9 कनाल 11 मर्ले जगह है तथा जो मुगल
माजरा जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाध्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, अमलोह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाहास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दृश्यत्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भृ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वृत्ति:—

(1) श्रीमति गुरुवचन कौर पत्नी श्री हरबन्स सिंह सपुत्र
श्री कपूर सिंह निवासी मुगल माजरा जिला
पटियाला।

(अन्तरक)

(2) मै० इन्डस्ट्रीयल आक्सीजन कॉर्पोरेशन मन्डी
गोविन्द गढ़ रजि० आ० 68-बी जोली मेकर्ज
चैम्बर्ज-II नारिमन व्हाईट, बम्बई- 400021।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों कहता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइं भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितहृष्ट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रवक्त धम्बों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुप्रवृत्ति

(9 कनाल 11 मर्ले जगह गांव मुगल माजरा जिला
पटियाला में स्थित है)

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमलोह के
कार्यालय के विलेख सं० नं० 1311 सितम्बर, 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-5-1981

मोहर:

प्रकृष्ट प्राई. डी. एव. एस. --

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई, 1981

मिर्च सं० पीटीए/68/80-81/—ग्रन्त: मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन संशमन प्राप्तिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 7 कनाल 5 मर्ले जगह है तथा जो त्रिपटी
सैदा पटियाला में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, सितम्बर 1980।

को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि वयापूर्वक सम्पत्ति आ उचित
बाजार मूल्य उसके वृद्धमान प्रतिफल से, ऐसे वृद्धमान
प्रतिफल का फलाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनुरक्तों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया
नहीं किया जाता है:—

(क) अन्तरण से ही किसी दाय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कठी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी दाय या किसी वन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के प्रमुखरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपलादा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्जातः:—

(1) श्री जोगेन्द्र सिंह सपुत्र श्री वरिप्राम सिंह निवासी
त्रिपटी सैदा खुद और श्री अजीत सिंह सपुत्र
श्री जोगिन्द्र सिंह निवासी त्रिपटी सैदा, सुखिन्द्र
कौर, सुशिन्द्र कौर पुत्रीयाँ श्री जोगिन्द्र सिंह निवासी
की पिंडी सैदा।

(अन्तरक)

(2) श्री सुखिन्द्र सिंह सपुत्र श्री नरिन्द्र सिंह, बलिन्द्र
सिंह सपुत्र श्री सुखिन्द्र सिंह निवासी 27-डी माडल
टाऊन लुधियाना।

श्री जयसाल सपुत्र श्री नौरंग लाल और शकुन्तला
देवी सपुत्री श्री नौरंग लाल निवासी माडल टाऊन
पटियाला।

श्री कुलबन्द सिंह सपुत्र तेजा सिंह निवासी 70/7
मोहल्ला भीर कुड़ला पटियाला।

(अस्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि, या उत्तमवन्धि अधिकारी पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अधिकारी में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदू
बढ़ किसी अभ्य अधिकत द्वारा अधिकारी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयोग शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचित है,
वही पर्याप्त होगा जो उस अध्याय में विदा यता है।

अनुसूची

(7 कनाल 5 मर्ले जगह त्रिपटी सैदा में स्थित है)
(जयदाद जैसां कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 4347 सितम्बर 1980 में
दर्ज है।)

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज सुधियाना

तारीख: 14-5-81

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन मूचन।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई 1981

निर्देश सं० आरएजे/11/80-81/—प्रत, मुझे सुखदेव
चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी जो, य॒ विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा प्लाट नं० 39 है तथा जो इन्डस्ट्रीयल
एरिया राजपुरा जिला पटियाला में स्थित है (और इससे
उपावस्थि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय, राजपुरा, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1980।
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टिमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृष्टिमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टिमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
प्रधिक है और प्रत्यक्ष (प्रमुख) और प्रत्यक्षित (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उत्तर सम्भारण चिह्नित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बदलने में नुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसो जिस आय पा किमी धन या वन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) पा उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अधिकारी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्यात्:—

10-126 GI/81

(1) श्री ओम प्रकाश बैकटर अटारनी होलडर आफ
श्री जोगिन्दर माल टन्ड निवासी दोराहा जिला
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) मैसर्ज भारत कारस इन्डस्ट्रीयल लिमिटेड राजपुरा
जिला, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टटोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं
प्रबंध होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा प्लाट नं० 39, इन्डस्ट्रीयल एरिया, राजपुरा जिला
पटियाला (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी राजपुरा
के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 2321 सितम्बर, 1980
में दर्ज है।)

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-5-1981

मोहर:

प्रख्य आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन न रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक, 14 मई, 1981

निर्देश सं० आरएजे/12/80-81/—अतः मुझे, सुखदेव

चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० हिस्सा प्लाट नं० 39 है तथा जो इन्डस्ट्रीयल
एरिया, राजपुरा जिला पटियाला में स्थित है (और उससे
उपावस्थ प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, राजपुरा, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1980।

के ग्राउंक्ट संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दब्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाग्राउंक्ट संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दब्यमान प्रतिफल से, ऐसे दब्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ द्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ओम प्रकाश बैकटर अटारनी होलडर आफ
श्री जोगिन्द्र माल टनड निवासी दोराहा जिला,
लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) मसर्ज भारत कारस इन्डस्ट्रीयल लिमिटेड राजपुरा
जिला, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थानोकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

हिस्सा प्लाट नं० 39 इन्डस्ट्रीयल एरिया, राजपुरा
(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजपुरा के कार्यालय
के विलेख संख्या नं० 2343, अक्टूबर, 1980 में दर्ज है)

सुखदेव चन्द

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन न रेंज, लुधियाना

तारीख: 14-5-1981

मोहरः

प्रश्न प्राईंटी टी.एल.एस. 269-ग

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई 1981

निवेदन सं. राज/14/80-81—अतः मुझे सुखदेव चन्द्र श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के प्रतीत सत्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं. हिस्सा प्लाट नं. 39 है तथा जो इंडस्ट्रीयल एरिया राजपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तिवाँ को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकल्प नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ओम प्रकाश बैकटर, अटारनी होलडर आफ श्री जोगिदर पाल टनंड द्वोरास जिला लुधियाना।
(अन्तरक)

भारत कामरस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, राजपुरा जिला पटियाला।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बूथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमृसूची

हिस्सा प्लाट नं. 39, इंडस्ट्रीयल एरिया, राजपुरा (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी राजपुरा के कार्यालय के विलेख सं. नं. 2418 अक्टूबर 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत वाइ, टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई 1981

निवेश सं० पीटीए/61/80-81—अतः मुझे सुखदेव चन्द्र आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 2 दुकानें और और कोठी नं० 2437/2, 2438/2, 2439/2, 63 वर्ग गज हैं तथा जो छोड़ केसरां पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में, प्रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरमान प्रतिफल से, ऐसे दूसरमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्षेत्र) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कथित रूप से नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँहे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

मनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

1. श्रीमती राजेश्वर रानी पाठक सपुत्री श्री सुन्दरलाल सूद और मुख्यत्वारे आम श्री कारस पुत्र जगत धर निवासी मोहल्ला रूप चन्द्र पटियाला।

(अन्तरक)

2. श्रीमती जगदीश रानी मार्फत राजेश्वर रानी पाठक सपुत्री श्री सुन्दर लाल निवासी मोहल्ला रूप चन्द्र पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइर भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(दो दुकानें और चौबारा नं० 2437/2, 3438/2 और 2439/2 छोड़ केसरां पटियाला में 63 वर्ग गज स्थित हैं।)

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के कार्यालय के लिखेख सं० नं० 4251 सितम्बर 1980 स्थित है।)

सुखदेव चन्द्र
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 14-5-1981

मोहर :

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपशारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् !.

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, सुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई 1981

निवेदा सं० पीटीए/55/80-81—अतः मुझे, सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25 000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जायदाद है तथा जो फिल (पटियाला)
में स्थित है (और इससे उपाधिक अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्छमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इच्छमान प्रतिफल से, एसे इच्छमान प्रतिफल का
एन्ड्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-
रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण उलिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री हरवन्स सिंह सपुत्र ठाकुर सिंह निवासी फिल
मुश्तयारे आम श्रीमती गुलाब कोर पुत्री श्री गुजर सिंह
निवासी फिल (पटियाला)।

(अन्तरक)

2. (1) श्री विमल धबन सपुत्र श्री श्रीमप्रकाश धबन
निवासी जन्डगली पटियाला
- (2) मेजर करतार सिंह सपुत्र श्रीमती सिंह
निवासी 24-सी माडल टाऊन पटियाला
- (3) श्री गुरजीत सिंह सपुत्र श्री जसवन्त सिंह
निवासी अर्जन नगर पटियाला
- (4) श्री तेजा सिंह सपुत्र श्री अमर सिंह निवासी
पटियाला।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लॉइ भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुभ
किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रारंभित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला के
कार्यालय के विलेख सं० नं० 4209 सितम्बर 1980 में दर्ज
है।

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 14-5-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंट दी० एम० एक०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, आयकर आयुनेक्त सहायक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई 1981

निर्देश सं० डीबीएस०/40/80-81—अतः सुन्ने, सुखदेव चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिपका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 60 बिंदे 12 विस्ते हैं तथा जो समरौली, सब तहसील डेरा वसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा वसी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1980,

को पूर्वोक्त संविति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण निखित में वास्तविक रूप से लिया नहीं दिया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, धब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व के प्रत्यवरम में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धातः—

1. श्री बांबूराम सुपुत्र श्री योद्धाराम निवासी लाडलू मण्डी सब-तहसील डेरा वस्सी।

(अन्तरक)

2. श्री चिरंजीराम, लाजाराम सुपुत्र श्री पुरन राम और श्री शादीराम सुपुत्र श्री माटूराम निवासी समरौली सब तहसील डेरा वस्सी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्बन के सम्बन्ध में कोई भी व्यापेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इप सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी व्यक्ति द्वारा, अघोदस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीत पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिचालित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

60 बिंदे 12 बिंदे जगह गांव समरौली सब-तहसील डेरा वस्सी में स्थित है।

(जापदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी डेरा वस्सी के कार्यालय के विलेख सं० नं० 951 सितम्बर 1980 में दर्ज है)।

दिनांक 14 मई 1981

मोहर :

सुखदेव चन्द
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

प्रसुप आई० टी० एन० एस०--
आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 14 मई, 1981
निवेश सं० सी०एच०डी०/21/8/80-81, अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सूचना प्राप्ति को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति निवास उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 3403 में 1/2 हिस्सा है तथा जो सैक्टर 35-डी चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाखड़ अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1980, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास छोड़ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश में उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन रुद्देरे के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, श्रब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री भजन सिंह सुपुत्र श्री दया सिंह निवासी 3403, सैक्टर 35-डी चन्डीगढ़ (श्रन्तरक)
2. श्री सर्वजीत सिंह सुपुत्र श्री जगत सिंह निवासी 3304 सैक्टर 19-डी चन्डीगढ़ नाउ मार्फत मैं ब्राइटवे हौजरी कारपोरेशन धानाल बाजार डाकखाना इमफाल (मनीपुर) (अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अधिकता द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेवाल किसी अन्य अधिकता द्वारा अधोत्साही के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, वही प्रयोग होगा, जो उक्त अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

(मकान नं० 3403 सैक्टर 35 डी० में आधा हिस्सा (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० नं० 1269 सितम्बर, 1980 में दर्ज है।)

(सुखदेव चन्द)
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना
दिनांक 14 मई, 1981
मौहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई, 1981

निदेश सं० एल० डी० एच०/196/80-81—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है
और जिसकी सं० 3310 2/3 वर्ग गज जगह है तथा जो तरफ जीघेवाल
बाई पास रोड लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रख्यमान
प्रतिफल की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

1. श्री इन्द्रजीत सिंह सुपुत्र स्थि कुलवत्त सिंह निवासी 781
सैकटर 22-ए चण्डीगढ़।

(अंतरक)

2. श्री राजपाल, मनोहर लाल गांव संभरा जिला अमृतसर,
श्री गुरबक्ष सिंह घोघरी डाकखाना स्ट्रीट भखु फिरोज-
पुर, श्री धर्मपाल घोघरी 5/20 सुभाष नगर न्यु दिल्ली
(अंतरिती

क्यों यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यकाहिंग करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूझ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(33102/3 वर्ग गज जगह तरफ जोघेवाल बाई पास
रोड पर स्थित है)

(आयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3188 सितम्बर, 1980 में दर्ज
है।)

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

(सुखदेव चन्द)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 14 मई, 1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसूचण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

प्ररूप आहू. टी. एन. एस. ----

प्रायकर प्रधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आयकर भवन, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई 1981

निवेश सं० एन० डी० एच०/232/80-81—अतः मुझे,
सुखदेव चन्द्र,

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) (जिसे
इसमें इतने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट क्षेत्रफल 310 $\frac{1}{4}$ बर्ग गज है तथा जो
कुचा शिवदिवाल, सामने एकिटवटी स्कूल, लुधियाना में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 का (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विविध रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन हर देने के अन्तराल के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधिकारी :—

11—126GI/81

1. श्री सिरी कृष्ण पुत्र श्री राधा कृष्ण बी०-IV 1614,
कुचा शिवदिवाल, लुधियाना।
(अंतरक)
2. श्री जगदीश लाल पुत्र श्री राज कुमार बी०-IV-145,
गली माहीयां, लुधियाना।
(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और फटों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
प्रय॑ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भग्नसूची

प्लाट 310 $\frac{1}{4}$ बर्ग गज, कुचा शिवदिवाल सामने, एकिटवटी
स्कूल, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3487 सितम्बर, 1980 में वर्ज
है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 14 मई, 1981

भोहर :

प्रस्तुत आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आधिकर आयोजन (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, आधिकर भवन, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 14 मई 1981

निदेश सं० एल० डी० एच०/192/80-81—अतः—मुझे,
सुखदेव चन्द्र,

आधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'अन्तर्राष्ट्रीय अधिनियम कहा गया है'), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 134 है तथा जो मुराभा नगर लुधियाना
(मकान नं० बी०-20-1145) में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुसूची में और पूर्ण स्वै से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, लुधियाना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्राष्ट्रीय अधिकारी को गहरा है और मझे यह विश्वास
करने का कारण है कि अधिकारी के संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर्राष्ट्रीय
(अन्तर्राष्ट्रीयों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्स अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीर्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ अधिकारी की आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्य में कभी करने था उसमें बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) इसी क्षेत्री आय मा किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तर्राष्ट्रीय द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रीतम कौर उर्फ करतार कौर विधवा श्री परसराम
बी०-20-1145, मुराभा नगर लुधियाना।

(अंतरक)

2. गुरमेल सिंह पुत्र थी सन्ता सिंह निवासी बुर्ज हकीम
तहसील रायेकोट जिला लुधियाना।

(अंतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पणीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 134 (मकान नं० 20-1145, मुराभा नगर
लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3169 सितम्बर, 1980 में
है)।

सुखदेव चन्द्र
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आधिकर आमुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 14-5-1980

मोहर:

प्ररूप स्थाई० टी० एन०, एस०—————
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई 1981

निवेश सं० लुधियाना/192 ए०/८०-८१:—अतः मुझे
सुखदेव चन्द,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), जो धारा
269-ब के अंतर्गत प्रति अधिकारी को, यह विश्वास करने
का लाभ है जिसका उत्तिवार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 133 है तथा जो सुराजा नगर, लुधियाना
में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
सितम्बर 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँह यह
विश्वास करने का लाभ है जिसका पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
पन्तर (पन्तरों) और पन्तरितों (पन्तरितियों) के बीच
ऐसे लाभ है जिसका उत्तर गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
रूप से उक्ता प्रत्यरुप लिखित में वास्तविक रूप से लिया
नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यरुप से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कभी हरने या उसमें बदले पैसे मुविदा के
लिए ; और/या

(ख) ऐसी फिसी प्राप्त या हिसी वक्त या अन्य अस्तियों
का, जिन्हें भारतीय प्रायोग प्रतिनियम, 1923
(1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः, प्रवेश, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति प्रीतम कौर उर्फ करतार कौर विधवा श्री
परस राम निवासी बी०-20-1145, सुराजा नगर,
लुधियाना ।

(अन्तरक)

(2) श्री हरदियाल सिंह पुत्र श्री तस्ता सिंह निवासी नुरज
हकीम, तहसील राये कोट, जिला लुधियाना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवंत के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अवंत के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस पूत्रा के राजपत्र में प्रहारन की तारीख से 45
दिन की प्रतिधि या उत्तरवंशी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रतिधि, जो भी प्रतिधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस पूत्रा के राजपत्र में प्रहारन की तारीख से 45
दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अत्रोहस्ताभरी के पास लिखित
में किए जा लक्जे ।

प्रबंधीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाराव 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उन प्रधाराव में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 133 सुराजा नगर, लुधियाना ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3313 सितम्बर, 1980 में दर्ज
है) ।

तारीख : 14 मई, 1981

मोहर :

सुखदेव चन्द,
सक्त प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

प्रकृष्ट प्राईंटी टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई 1981

निदेश सं० खन्ना/36/80-81:—अतः मुझे, सुखदेव चम्द, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उच्चत अधिनियम' कहा जाया है), की धारा 269-घ के अधीन सभी प्राधिकारी को बहु विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु से अधिक है।

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 8 मरले हैं तथा जो खन्ना कलां, खन्ना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, खन्ना में, रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख, सितम्बर 80

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिक्रिया से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रिया का वर्णन प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (अन्तरङ्ग) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया जाया प्रतिक्रिया, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्चत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय को बाबत, उच्चत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ब्रिवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जाया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः उच्चत अधिनियम को धारा 269-ग के प्रत्यक्षण में से उच्चत अधिनियम की धारा 269-घ की उपस्थापा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति चम्बी पत्नी श्री पना सिंह निवासी बांड नं० 2, मोहला राम नगर, खन्ना कलां, जिला लुधियाना।
(अन्तरङ्ग)

(2) श्री मदन लाल, राज कुमार पुत्र श्री बिशन दास निवासी बांड नं० 10 मकान नं० 280, खन्ना कलां, लहसील खन्ना।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टव्यक्ति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राषित है, वही पर्व होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अमुसूची

भूमि क्षेत्रफल 8 मरले, खन्ना कलां, लहसील खन्ना जिला लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी खन्ना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 1475 सितम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चम्द,
सभी प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14 मई 1981

मोहर :

प्रसूप प्राई० डी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय अहायक आयकर आयकल (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई 1981

निदेश सं० सुधियाना/235/80-81:—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परिवार् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सं० प्रायिकारी को, यह विषयाम करने का कारण है कि स्थावर सं०ति जिवान उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट नं० 18 जी क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है तथा जो मोहला भाई रनधीर सिंह नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-80 को पूर्वान्ति सं०ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान प्रतिफल के लिए प्राप्ति की गई है और मुझे यह विषयाम करने का कारण है कि प्रायुक्ति सं०ति हा उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्टमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच इन प्रतिशत के लिए तर पाशा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) प्रतिशत से तुर्दि किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के प्रतिशत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री गुरुमुख सिंह पुत्र श्री मित भिंह निवासी मुनेत, तहसील जगराओ।

(अन्तरक)

(2) श्री विजे कुमार पुत्र श्री रतन चन्द 26 बी, मुराभा नगर, सुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंवन सम्पत्ति के अवैत के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन्त के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंवन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन से तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताशीरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के प्रधाय 20-क में परिपाठित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 18 जी, क्षेत्रफल 500 वर्ग गज, मोहला भाई रनधीर सिंह नगर, सुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3583 सितम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयकल (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 14 मई, 1981.

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर भाष्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई, 1981

निमेश सं० चण्डीगढ़/238/80-81:—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर भवन, [जिसका उद्देश बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है]

और जिसकी सं० प्लाट नं० 1503 है तथा जो सैक्टर 36 डी
चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 10-80

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
आसानीक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय को छाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

प्लाट नं० 1503 सैक्टर 36जी, चण्डीगढ़ ।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चण्डीगढ़ के
कार्यालय के बिलेख संख्या नं० 1458 अक्टूबर, 1980 में दर्ज
है) ।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14 मई, 1981.

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक व्यायकर आवृत्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लूधियाना

लृधियाना, दिनांक 14 मई 1981

निर्देश सं० लुधियाना/208 प०/80-81--अतः मुझे,
मुखदेव अन्ध,

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परमात्मा 'उभय अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन संशोधन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है निम्नावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० बी-19-922 है तथा जो टैगोर नगर, मिथिला लाइन्ज, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपापद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वप्न में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1980

के पूर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिक्रिया के लिए अन्तरिक्ष की गई है और पुरे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे उत्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाहाविन रूप में छंथत नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण में दुई छिना प्राप्त की जावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के आयित्व में कमी करन या उसमें बचते में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आव या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः प्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुस्वरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ भी उपधारा (1) के अन्तर्गत, इस्तेलियित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमति कुण्डलया देवी पत्नी श्री डोभर मल मलेरकोटला हाउस, सिविल लाईन लुधियाना।
(अन्तरक)

(2) श्रीमति सोमा देवी पत्नी श्री लाल चन्द बी १९-१२२, टैगोर नगर, सिविल लाईन, लुधियाना।
(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोत्तम सम्पत्ति के प्रार्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त परामिति के प्रजनन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि आदि में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उस स्थावर संगति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिलित में किए जा सकें।

हालटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधनियम के प्रधाया 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उपर व्याख्या में दिया गया है।

अनंतधी

मकान नं० बी-19-922, टैगोर मगर, सिविल लाईन,
लधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सुधियाना के कार्यालय के बिलेख संख्या नं० 3260 सितम्बर, 1980 में वर्ज है)।

मुखदेव अन्द
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर शायुक्ता (निरीक्षण),
प्रर्जन रेंज लधियाना

तारीख : 14 मई, 1981
स्रोहर :

प्रस्तुप आशौ. टौ. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई 1981

निर्देश सं० लुधियाना/204/80-81—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 854 वर्ग गज क्षेत्रफल है तथा जो गुरदेव
नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर 1980

का पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्धति
प्रतिशत से अधिक है और अत्यरिक्त (बन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तर्भृतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में बास्तविक रूप से कठिठ नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इक्सी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आसियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, जै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री चेतन मिह पुत्र श्री पूरन मिह 426-ल, माडल
टाउन, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री दीपक कुमार डुमरा पुत्र श्री हरि दत्त डुमरा,
15, दी माल सिविल लाईन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या हत्तेबान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकारी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सप्तर्षीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

पनुमूची

प्लाट क्षेत्रफल 854 वर्ग गज, गुरदेव नगर, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3238 सितम्बर, 1980 में दर्ज
है)।

सुखदेव चन्द,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 14 मई, 1981.

मोहर :

प्रकल्प धोई० ही० एंट० एंस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत नरकार

नवाचार, 14/८ आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 14 मई, 1981

निवेश सं० लुधियाना/203/80-81:—ग्रातः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर प्रतिक्रिया, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- दू० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट क्लैवफल 854 वर्ग गज है तथा ओगुरदेव
नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16),
के अधीन, तारीख 9/००

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तर (अस्तरों)
अंतर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
तिथित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अस्तरक के
दायित्व में कभी करने या सस्ते बचने में सुविधा
के लिए, और/या

(इ) ऐसो छिसी आय या किसी बन या अन्य अस्तित्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनन्ने वाले अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनामे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अंतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के
अनुबन्ध में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपर्युक्त
(1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों, प्रथाओं:—

12-126GI/81

(1) श्री गुरदेव सिंह पुन्न श्री पूरन सिंह 426-ल, माडल
टाउन, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री राकेश डुमरा पुन्न श्री हरि दत्त डुगरा 15, दी माल
सिविल लाइन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधिया उत्तमव्यक्ति अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रबंधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्त द्वारा;

(छ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास
विलित में किए जा सकते।

संदेश दरेंग—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-व में परिभ्रान्ति
हैं, वह अर्थ होगा जो स अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट क्लैवफल 854 वर्ग गज, गुरदेव नगर, लुधियाना।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या नं० 3237 सितम्बर, 1980 में छर्ज
है)।

सुखदेव चन्द,
सकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 14 मई, 1981.

मोहर:

प्रसूप शाहै. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 14 मई, 1981

निदेश सं. लुधियाना/205/80-81:—अतः मुझे, सुखदेव
चन्द,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट क्षेत्रफल 854 वर्ग गज है तथा जो गुरदेव
नगर, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावह अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथा [वॉक्ट मन्यनि का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रति 5/- से नेंसे दूरमान प्रतिमन का पन्द्रह प्रतिशत प्रविक्त है
और अन्तरक (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती (प्रत्यक्षितों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
दृश्यता त उक्त अन्तरग निवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
गया है :—

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जौर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविहए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री आरम्भ सिंह पुत्र श्री पूरन सिंह 426-ल, माडल
टाउन, लुधियाना।

(अन्तरक)

(2) श्री राकेश डुमरा पुत्र श्री हरि दत्त 15, दी माल,
सिविल लाईन, लुधियाना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट क्षेत्रफल 854 वर्ग गज, गुरदेव नगर, लुधियाना।

(जायदाव जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी लुधियाना के
कार्यालय के विलेख संख्या नं. 3239 सितम्बर, 1980 में दर्ज है)।

सुखदेव चन्द,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, लुधियाना।

तारीख: 14 मई, 1981.

मोहर :

प्रधान आर० टी० एव० एस०---

भारत अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई, 1981

आर० य० सी० न० 9/81-82:—गत: मुझे, स०
गोविन्द राजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (पिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० साइट अन्ड स्ट्रक्चर है, जो आर० टी० सी०
बस डिपो पालकोल में स्थित है और (इससे उपाखद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
पालकोल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिल में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीरु/या

(क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय भायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगभार्त अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवृत्ति था, छिपाने में सविभा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ॥—

(1) श्री रेपका रामालिंगया पिता मानीकेम, पालकोल (2)
श्री रेपका वेंकट कृष्ण रामलिंगेश्वर राव (लेट गोपाल
कृष्णमूर्ति का दत्तक बालक पुत्र) रीप्रेजेंटेड बाइ श्रीमति
बाला नीपुर सुन्दरी पति गोपालकृष्णमर्ति (3)
रेपका नागेश्वरराव पिता लक्ष्मीनारायना, पालकोल ।
(अन्तरक)

(2) डा० जी० सूर्य॑ राव पिता श्रीपालनारायना, (2)
श्रीमति नागमनी जी० पति डा० सूर्य॑ राव, पालकोल ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्बित के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्बित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अधूरा सिनेमा हाल आर० एस० न० 160/2, विस्तीर्ण 2363
चौरस गज टी० एस० न० 460/2, आर०टी० सी० बस डिपो के
पास, पालकोल । जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2705/80,
2789/80 और 186/81 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पालकोल ।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम अधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-5-1981.

भोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 4 मई, 1981

निदेश सं. आर० ये० सी० नं० 10/81-82:—यतः मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 93/1 है, जो छात्राहीम पटनम में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1980
में पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दशमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दशमान प्रतिफल से ऐसे दशमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उच्चरेय से उक्त विस्तृत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
धार्यत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तातः:—

(1) श्री रवि कोट्या पिता लेट कल्याण, इत्ताहीम पटनम।
(अन्तरक)

(2) श्री मरीनमनीसिम्हा राव बाई

(2) श्री एम० दशरथ रामा राव () श्री एम०

ऊमा महेश्वर राव, (4) श्री ॥ देश्वर राव,

(5) श्री एम० अप्पाराव बाई दशरथरामा राव

(6) श्री एम० हातुमन्थराव, (7) श्री एम०

रामकृष्ण बाई एम० दशरथ रामा राव कनोल रोड,
विजयवाड़ा - 1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

कृषि भूमि ए० सी० 4-18 आर० एस० नं० 93/1 में इत्ता-
हीमपटनम जैसे कि रजिस्ट्रीकूस विलेख नं० 5243/80 रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी विजयवाड़ा।

एस० गोविन्द राजन,

सकाम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख: 4-5-1981.

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1981

निदेश सं० आर० य० सी० नं० 11/84-82/काकीनाडा
स्केडः—यतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. और अधिक है

और जिसकी सं० 9-7-45 है, जो गांधी पुतले के पास, गांधीनगर,
काकीनाडा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1980

के पूर्वांका संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अत्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्धातः:—

(1) श्रीमती टम्हारी सत्यकरी पति सुम्माराव नुलकम्मागुडी
विधि, रामारावपेटा, काकीनाडा।

(अन्तरक)

(2) श्री कनुमुदी घोपाल कुण्डा मूर्ति पिता शेषगिरी राव
घर नं० 9-7-45, गांधी पुतले के पास, गांधीनगर,
काकीनाडा, (2) श्रीमति कनुमारी सरोजीनी पति
घोपालकुण्डा मूर्ति, घर नं० 9-7-45, गांधी पुतले
के पास, गांधीनगर, काकीनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी भीतर
अवधि काद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्प्रदीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा, जो उम अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

घर नं० 9-7-45, गांधी पुतले के पास, गांधीनगर, काकीनाडा
जैसे कि रजिस्ट्रीकूल विलेख नं० 7114 और 7115/80। रजिस्ट्री-
कर्टा अधिकारी काकीनाडा।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण),
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 4-5-1981.

मोहर :

प्रस्तुत आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 7 मई 1981

निवेश सं. धारा० ये० सी० नं० 12/81-82/काकीनाडा,
स्कॉडः—यतः भुक्ते, एस० गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० केवल खुली जमीन है, जो टेम्पल स्ट्रीट, काकीनाडा
में स्थित है (और इससे उपावद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा, में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसै दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसै अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यत नहीं किया गया हैः—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था छिद्राने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधारतः—

(1) श्रीमती ताडाला सत्यवती पति लेट भुक्तनम, नियर
भानुगुडी विधी, श्रीनगर, काकीनाडा।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती रेही घेंटरतनम, पति सत्यनारायना, तिलक
स्ट्रीट, काकीनाडा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोह भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

मनुसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 67 चौरस गज पर्सेंट नं० 421/1
और 425/1 सत्यनारायनामूर्ति मंदिर के सामने टेम्पल स्ट्रीट,
काकीनाडा जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 7282/80, रजिस्ट्री-
कर्ता प्राधिकारी काकीनाडा।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण);
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 7-5-1981.

मोहरः

प्रस्तुप आहू.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 मई 1981

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 13/81-82.—यतः मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और यहाँ पं० 11-25-214 है, जो मेनबाजार, विजयवाड़ा
में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण स्प से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छथमान प्रतिफल से ऐसे छथमान प्रतिफल का
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की मात्रत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपकारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों व्रथातः:-

(1) श्री तमना साम्बशीव राथ, पिता ब्रापनया, विजयवाड़ा ।
(अन्तरक)

(2) (1) श्री टी०ए०के०ए० कुण्ठकुमारी पति साम्बशीव राय,
(2) बानु प्रकाश, (3) दी० एस० एस० कुमार,
2 और 3 छोटे होने के कारण उनके पिता श्री
साम्बसीराव ने रिप्रेंजेंट किया है। ताटाकुलावारी
स्ट्रीट, विजयवाड़ा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोड़ भी आक्षयः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्त्वान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

घरनं० 11-25-214, मेन बाजार, विजयवाड़ा, रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 5573/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी विजयवाड़ा ।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद ।

तारीख : 7-5-1981.

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अप्रैल 1981

निवेश सं० आर० ये० सी० नं० 22/81-82:—पतः मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 12-2827 है, जो मुङ्डीमलकालुर महेश्वीपटनम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, खैरताबाद, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारों (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री महमद श्रीर अलीखाने पिता लेट नवाब महमद
फजल अलीखाने सेलर्ज मनेजर निकाम सुगर फैक्टरी
फतेमेदान रोड, हैदराबाद-500004 घर का पता :
12-2-827, गुँडीमलकापुर, महेश्वीपटनम, हैदरा-
बाद।

(अन्तरक)

(2) श्री महमद मुजीबुला मुकरम पिता महमद रहीमुला
केर श्रीफ मुसा बहमनेकुबाएट जी० पी० ए० अहमद
अली बेग पिता एम० ए० बेरे अकतार मंजीले 5-4-
43, फत सुलतान लेन, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कोर्टीयाहियों शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवैधिक बाद में समाप्त होती हो, कै भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ट
किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

अंतर विभाग घर नम्बर 12-2-827, गुँडीमलकापुर,
महेश्वीपटनम, विस्तीर्ण 444 चतुराज जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख
नम्बर 1440/80, रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी, खैरताबाद हैदराबाद
में है।

एस० गोविन्द राजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-4-1981

मोहर :

प्रस्तुप श्राई० टी० एन० एस०————

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अप्रैल 1981

ग्राह० य० सी० न० 23-81-82:—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानकर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नम्बर 102 है, जो शहाजहान अपार्टमेंट खेरताबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का अध्यृत प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकर, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त 'प्रधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रतिकर के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः यद्य, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

13-126GI/81

- (1) मेसर्स सहाजहान अपार्टमेंट्स 6-2-974, खेरताबाद, हैदराबाद बाए पार्टनर अहमद हाजी इशाहीम फलेट नम्बर 505, मीनार अपार्टमेंट, बीरबाग, हैदराबाद।
(अन्तरक)
- (2) सएवआली अकबर कम्मी पिता सेट सएड रसीदुहीन कम्मी 1-8-1006, मल्लामुंटा, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

भी यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के मम्बन्ध में सोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधीदस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अवृं होगा, जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नम्बर 102, फस्ट फलोर शहाजहान अपार्टमेंट 6-2-974, खेरताबाद, हैदराबाद विस्तीर्ण 1106 चौरस फूट जैसे कि रजिस्ट्री छत विलेख नम्बर 10471/80 रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्रधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 18-4-1981.

मोहर

प्रलेप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 अप्रैल 1981

आर० य० सी० न० 24/81-82:—यतः मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके अन्वयत् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रश्नी॑ सव॑प्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० फ्लेट नम्बर 101 है, जो शहाजहां अपार्टमेंट्स, खैरताबाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1980

को दूसरी अधिकारी के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसर्यान्त प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसर्यान्त प्रतिफल से, ऐसे दूसर्यान्त प्रतिफल के पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य पे उक्त प्रनालण विवित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है।—

(क) प्रनालण से हुई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में रुपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम को धारा को 269-ष की उपघाता (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मेसर्सं शहाजहां अपार्टमेंट्स, 6-2-974, खैरताबाद, हैदराबाद वाए पार्टनर श्री अहमद शाही इब्राहीम फ्लेट नम्बर 505, मीनार अपार्टमेंट्स, दखन टावर्स नसीरबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सएद अली अकबर काशमी पिता लेट श्री सएद रशीउद्दीन काशमी, 1-8-1006, नल्लाकुंटा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन तो अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नम्बर 101 फ्लॉर शहाजहां अपार्टमेंट्स, 6-2-974, खैरताबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 1022 चौरस फुट जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नम्बर 10470/80, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारीसहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 18-4-1981

मोहर:

प्रस्तुत आहू, टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(1) डॉक्टर महमद हमीद खान, बशीर मंजील, 6-3-581, खेरताबाद, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री एम० ए० रक्काक, पिता श्री एम० ए० सतार, गांव
चेन्नूर, अदीलाबाद जिला।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 24 अप्रैल 1981

निदेश सं० आर० य० सी० नं० 25/1981-82:—यतः सुन्न,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० 6-2-951 है, जो खेरताबाद, हैदराबाद में
स्थित है (और उससे उपादान अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख सितम्बर, 1980

के पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृग्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्ख यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृग्यमान प्रतिफल से, एस० दृग्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती
(अन्तांरतियाँ) के बीच एस० अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में घास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के यायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य कास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:—

को यह सूचना आरो करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करसा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीर्णी व्यक्तियों पर सूचना
की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक सं
र्धान्वितीयों से लिखित अक्षर द्वारा;

(ख) इस अधन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

घर नम्बर 6-2-951, खेरताबाद, हैदराबाद जैसे कि रजिस्ट्री-
कृत विलेख नम्बर 9710/80, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद
में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 24-4-1981

मोहर :

प्रमुख पाई० टी० एच० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा

269-ग(1) के पश्चीम सूचना

मोरत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

पर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 1 मई 1981

निवेश सं० आर० य० सी० न० 26/81-82:—मत: मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग
के पश्चीम सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से पर्याप्त है

और जिसकी सं० प्लाट न० 103 है, जो 6-2-974, खैरताबाद,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, सितम्बर, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार गूम्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रस्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए, तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाब्दे प्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग नं० उपरांत (1)
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मेसर्सं शाहजान अपार्टमेंट्स, रीप्रजेंटेव बाए पार्टनर भी
प्रह्लद हाजी इब्राहीम, 6-2-974, खैरताबाद,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमति कवाइसर जहां 4-7-389, इसामीया बाजार,
हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के पर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पर्जन के सम्बन्ध में होई भी याकोप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

संबोधीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रौढ़ों का, जो उक्त
अधिनियम के बड़पाय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया
गया है।

अमुसूची

फ्लैट नम्बर 103, मेसर्सं शाहजाहान अपार्टमेंट्स घर नं०
6-2-974, खैरताबाद, हैदराबाद, जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नम्बर 10469/80, रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
पर्जन रेज, हैदराबाद

तारीख : 1-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत शाहू.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 मई 1981

मिशेश सं० आर० ए० सी० नं० 27/81-82—यतः मुझे,
एस० मोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है।
और जिसकी सं० प्लैट 206 है, जो 6-2-974, खेरताबाद,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपबढ़ अनुसूची में और
पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थावर संपत्ति का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) एसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मैसर साहूजान अपार्टमेंट्स, बाई पार्टनर्स श्री
भृष्णु हाजी इब्राहीम, 6-2-974, खेरताबाद,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) डॉक्टर संदेश सलाहूदीन महमद, घर नं० 6-3-
246/3, रोड नं० 1, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाल में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोद्धस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मृत्यु

प्लैट नं० 206, शाहूजान अपार्टमेंट्स एम० सी० एच०
नं० 6-2-974, खेरताबाद, हैदराबाद। जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नम्बर 10468/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद
में है।

एस० मोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 1 मई 1981

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 28/1981-82—यतः मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3-5-824/बी है, जो हैदरगुण्डा,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में किसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

(1) डॉक्टर रापक बासुन्दर रेडी

पिता श्रार० वेंकट रामा रेडी, सी-477, डिफेंस
कालोनी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री एम० भद्रया पिता एम० रामद्या
 - 2. श्री एम० रामाचारी पिता एम० भद्रद्या
 - 3. श्री एम० श्रीनिवास चारी पिता एम० भद्रद्या
 - 4. श्री एम० हानुमल्ल चारी पिता एम० भद्रद्या
 - 5. श्री एम० सदानन्द चारी पिता एम० भद्रद्या
 - 6. श्रीमती एम० कुण्डलेणी पत्नी एम० भद्रद्या
- 3-5-824/3, हैदरगुण्डा, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रथुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभ्राषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

3 स्टोरीड बिल्डिंग घर नं० 3-5-824/बी, विस्तीर्ण
294 चौरस थार्ड जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर
10388/80, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 1-5-1981

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एस० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 2 मई 1981

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 29/1981-82—यतः मुझे,
एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 6-3-655 है, जो सोमाजीगुडा, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूँहे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके इयमान प्रतिफल से ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है इसे किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकतः—

- (1) 1. श्री हासीम अमीर अली पिता मीर अहमद
अलीखान
2. श्री मीर अबीद अली पिता मीर अहमद अलीखान
6-3-903, शालीमार, पंजाबुद्दा, हैदराबाद।
(अन्तरक)
- (2) डॉक्टर वाई० एस० राजा सेखर रेडी, सिंचाई
मंत्री, आन्ध्र प्रदेश सरकार, 6-2-598, रोड
नं० 7, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों भें से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया
गया है।

मानूसूची

घर नम्बर 6-3-655, का दक्षिणी भाग, सोमाजीगुडा,
हैदराबाद, विस्तीर्ण 993 चौरस गज जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता
विलेख नम्बर 10040/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद
में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 2-5-1981

मोहरः

प्रलेप आहू० टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 मई, 1981

आरा० ये० सी० नं० 30/1981-82—यतः मुझे
एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ख ले अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने वा कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-655 है, जो सोमाजीगुडा, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसैंसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसैंसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसैंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिला था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत:—

- (1) श्री हासीम अमीर अली पिता भीर अहमद अली-
खान
2. श्री भीर अबीद अली पिता भीर अहमद अली
खान
6-3-903, शालीमार, पंजाबगुटा, हैदराबाद।
(प्रत्तरक)
- (2) 1. डा० श्रीमती रटकनम्मा पति एम० डी० ए०
रटनराज
2. श्री ई० सी० विनयकुमार पिता एम० डी०
ए० रटनराज
जम्मालम्बुगा कुपुणा जिला आन्ध्र प्रदेश।
(सुपरिनटेंट, कम्बल दवाखामा, कुपुणा।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काहू० भी जावें:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा गएंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त संबों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

मनूसूची

पर नम्बर 6-3-655, सोमाजीगुडा, हैदराबाद का भाग
विस्तीर्ण 852 और स गज जैसे कि रजिस्ट्रीकूल विसेष
नम्बर 10041/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद में है।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 2-5-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 2 मई 1981

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 31/81-82—यसः, मुझे,
एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6-3-899/4 है, जो सोमाजीगुडा, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीधित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृह किसी आय की बायत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/मा

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

यसः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

14—126GI/81

(1) श्री जी० एल० बालकृष्णा रेडी पिता जी० लक्ष्मन
रेडी, 6-3-899, सोमाजी गुडा, हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) डा० सी० हनुमन्त रेडी पिता सी० सुब्राह्मण्य, सेविंगटन, ओर्जीनिया, 24426, यू० एस० ए०
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसूची

खुली जमीन विस्तीर्ण 570 घौरस गज एम० नं०
6-3-899/4, सोमाजीगुडा, हैदराबाद, जैसे कि रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 11691/80, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद
में है।

एस० गोविन्द राजन

सक्रम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 2-5-1981

मोहरः

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, राष्ट्रीय अधिकारी, आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 4 मई 1981

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 32/81-82—यतः, मुझे,
एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थानीय अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद मूल्य
25,000/- रु. में अन्तर्भूत है

और जिसकी सं० 3-6-389 है, जो हीमायतनगर, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह परिशत् से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया जाया प्रतीत-
फल निम्नलिखित लकड़ीय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से है इन्हीं किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन लूप देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने थे। उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, सबत अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- (1) 1. श्रीमती शशीयम बाई
 - 2. श्रीमती अर्जीज बाई
 - 3. श्रीमती याशमीन युसूफ
 - 4. श्रीमती अमीना कासम
- 3-5-802, हैदराबाद-29।

(अन्तरक)

- (2) श्री महमद हुशन अलीयास इफ्तकर्हीन और
कुमारी महमदुनीसा अलीयास अमतुल रसूल,
3-6-389, (हैदरगुडा), हैदराबाद, हीमायतनगर),
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अन्तर्भूत अन्य समाप्त होती हो, के भीलूप पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिख जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन लूप देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने थे। उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

धर नं० 3-6-389, हीमायत नगर, (हैदरगुडा), हैदरा-
बाद-29, विस्तीर्ण 715 चौरस गज जैसे कि रजिस्ट्रीकृत
बिलेख नं० 9840/80, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 4-5-1981

मोहर:

प्रधम अधैर, दौ. एन. एस.-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
 धारा 269-व (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद
 हैदराबाद, विनांक 4 मई 1981

निवेश सं. आर० ए० सी० नं. 33/81-82—यतः, मुझे,
 एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
 कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 6-3-1111 है, जो बेगमपेट, हैदराबाद
 में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप
 में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन तारीख अक्टूबर, 1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र
 प्रतिफल के लिए अन्तरीत की गई है और मूँहे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
 (अन्तरीतियों) के बीच ऐसी अन्तरण की लिए तथा पाया गया प्रति-
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
 विक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हैर्स किसी बाय की बाबत उक्त अधि-
 नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में
 कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
 और/या

(ल) ऐसी किसी बाय द्वा किसी धन या अन्य जास्तियों
 को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
 प्रयोगनार्थ अन्तरीती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया
 था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
 के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री महमद झवारदस्त खान पिता नवाब महमद जहां
 खान।
 2. श्रीमती कादीरुनिसा पति महमद झवारदस्त
 खान, माइमनाथ मन्जिल, पोलीस गार्डन रोड,
 हैदराबाद-500001।
 (अन्तरक)
- (2) श्रीमती एन० आदीलक्ष्मी पति श्री एन० वेंकटेश्वर
 राव, 6-3-1111/6, बेगमपेट, हैदराबाद-500016।
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
 कार्यसंहितां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
 बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
 दिन के भीतर उक्त रथावर संपत्ति में हिस-
 अन्य व्यक्ति द्वारा, लशोहस्ताक्षरी के पास लिखित
 में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
 हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

प्लट नं. 7, नीशाद बाग पतमीसेस नं. 6-3-1111,
 बेगमपेट, हैदराबाद। विस्तीर्ण 500 चौरस गज जैसे कि
 रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 11663/80, रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
 कारी हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 4-5-1981

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1981

निदेश सं० आर० ए० सी० न० 34/81-82—यतः, मुझे,
एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी ने यदि विवेकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं० प्लाट नं० 9/बी है, जो सरदार पटेल रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावदू अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारडपल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवेकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक सम्बन्धित वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री ए० महेंद्र रेही पिता ए० रमना रेही जी० पी० ए० श्री एम० रमना रेही, घर नं० 3-6-362/24, बसीरबाग, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) कुमारी वेसुरजाँट अरुणधती राव पिता श्री बी०। कुमारकीसना राव, एम०/जी०, गूडमदर श्रीमती के० एन० शांता पति के० साम्बमुर्ती, घर नं० 3, वारेन रोड, महलापुर, मद्रास-600004।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयित्वां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 9/बी, विस्तीर्ण 258.5 चौरस गज परमीसेस नं० 2-11-30 और 156 से 159 पेग हॉक्स सरदार पटेल रोड (कम्पाउन्ड में) सिकन्दराबाद। जैसे कि रजिस्ट्री-कूत विलेख नं० 2085/80, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मारड-पल्ली, सिकन्दराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 5-5-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन्. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आमूक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1981

आरा० ए० सी० न० 35/81-82—यतः मुझे एस०
गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लाट न० 9/ए, 2-11-30 है, जो सरदार-
पटेल रोड, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावढ
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख सितम्बर, 1980 को

को पूर्वावृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वावृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृथमान प्रतिफल से, एस० दृथमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हैर्ड किसी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या । किया जाना आँहा, था, छिपाने भा० सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, भा०, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री ए० महेन्द्र रेडी पिता ए० रमना रेडी,
जी० पी० ए० श्री एम० रमना रेडी, घर नं०
3-6-362/24, बशीर बाग, हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) कुमारी वेलुरनाट मधुमती राव, पिता श्री वी०
कुमार कृष्णराव, घर नं० 3, वारेन रोड,
माइलपोर, मद्रास-600004।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, और भी अवधे
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन मूद्दों के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लाभान्वत में किया जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

बन्दूची

प्लाट न० 9/ए, विस्तीर्ण 258.5 चौरस गज परमीसेस
न० 2-11-30 और 156 से 159, सरदार पटेल रोड,
सिकन्दराबाद। जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख न० 2084/80।
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आमूक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 5-5-1981

मोहर:

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1981

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 36/81-82—यतः, मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी वो यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो सहदाबाद, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसैं दस्यमान प्रतिफल का
पक्षह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच एसैं अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यत नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसैं किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, बनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः:-

(1) श्री जी० रामी रेहु और अन्य पिता नरसीम्हा
रेहु, आर०/ओ० बहरामुसगुडा, हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) मैसर्स भारत डाईनामीक्स एमप्लायीज, वैशालीनगर,
को-ऑपरेटिंग हाउजींग बिल्डिंग सोसाइटी, भसाव
टैन्क, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्मान्वदी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधौरेस्तान्त्री के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 113, सहदाबाद, हैदराबाद।
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10074/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 5-5-1981

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई, 1981

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 37/81-82—यतः मुझे, एस०
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो सड़कावाद हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 19 सितम्बर, 1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मर्के यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अल्परण निरीक्षण में लाभान्वित
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हें किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविष्यों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री जी० रामी रेड्डी और अन्य पिता नरसीम्हा
रेड्डी, घर वहरामुलगुडा, हैदराबाद।
(अन्तरक)
- (2) मैसर्स भारत डाइनामिक्स एम्प्लाईज वैशालीनगर,
को-आपरेटिव हाऊज विल्डिंग सोसाइटी, मसाब
टैंक, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्य
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का सर्वे नं० 113, सड़कावाद, हैदराबाद।
विस्तीर्ण 1 वर्ग, 16 गुडे, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10114/
80। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 5-5-1981

मोहरः

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1981

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 38/81-82—यतः मुझे, एस०
गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन सर्वे नं० 115 है, जो सहदा-
बाद, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँ इसे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आपूर्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

(1) श्री जी० रामी रेड़ी और अन्य पिता नरमीम्मा
रेड़ी, घर वहरागुल गुडा, हैदराबाद।
(अन्तरक)

(2) मैमसं भारत डाइनामिक्स एम्प्लाईज वैशालीनगर
को-ऑपरेटिव हार्डसिंग विलिंग सोसाइटी, मसाब
टैक, हैदराबाद।
(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध फिसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलिस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही वर्ण होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 113, सहदाबाद, हैदराबाद।
विस्तीर्ण 2 एकड़। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 10022/80
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 5-5-1981

मोहर:

प्रलेप आई.टी.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1981

निवेश सं० भार० ए० सी० नं० 39/81-82—यतः, मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-2-597/27ए है, जो दोमलगुडा,
हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्यमान प्रतिफल से, एसै दूर्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसै अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसै किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में है, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित, व्यक्तियों अर्थात्:--

15-126GI/81

(1) श्री एम० ए० नईम पिता शेक महबूब, घर
20-5-180 कामीपुरा, हैदराबाद।

(अम्तरक)

(2) श्री अहमद हुशन सीढ़ीकी पिता महमद हुशन
सीढ़ीकी, 20-2-189, हुशनी आलम, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में करें भी आवेदन:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-2-597/17ए, दोमलगुडा, हैदराबाद।
विस्तीर्ण 1168 घोरस फुट जैसे कि रजिस्ट्रीकूत विलेख नं०
9824/80 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 5-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 5 मई 1981

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 40/81-82—यतः, मुझे,
एस० गोविन्द राजन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो झीस्तानपुर, हैदराबाद
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छथमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छथमान प्रतिफल से, ऐसे छथमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उक्तदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दाने के अन्तरक के दायित्व
में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री महमद बीलत खान पिता नसीब याबर जग,
15-7-630, बेगमबाजार, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स दी अरुना को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी,
लिमिटेड, हीमायतनगर, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 182, जमीस्तानपुर, हैदराबाद।
विस्तीर्ण 4100 घोरस गज। जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 10315/80। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 5-5-1981

मोहर:

प्रस्तुप घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रज्ञन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मई 1981

निवेश सं० आर० ए० सी० न० 41/81-82—यतः, मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो थोकटू गांव,
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन
तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनायां अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित अविस्तरों, अर्थातः—

(1) श्री इकबाल अल्लाऊद्दीन और अन्य, बन्जारा
हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पोस्टल एम्प्लाईज को-ऑपरेटिव हाउसिंग
सोसाइटी लिमिटेड, टी० ए० न० 114, पोस्ट-
मास्टर जनरल आफीस, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यालयियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्दी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन ब्लाक न० 3, सर्वे न० 160, थेकटू गांव,
सिकन्दराबाद, कैटोन्मेन्ट। विस्तीर्ण 3310.55 और स गज।
रजिस्ट्रीकूल विलेख न० 2203/80। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रज्ञन रेज, हैदराबाद।

तारीख: 6-5-1981

मोहर:

प्रकृष्ट आइ.टी.एन.एव.-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-के (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मई' 1981

निवेश सं. भारा ८० सी० नं. ४२/८१-८२—यतः, मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा जाता है), की भारा
269-के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. खुली जमीन है, जो थोकाडा गांव, सिकन्द-
राबाद में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय,
मारेडपल्सी, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर,
1980

का पूर्वान्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल की लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हैरै किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी भन मा अन्य अप्रीसियों
को जिन्हैं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः वैव, उक्त अधिनियम की भारा 269-के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीतः:—

(1) श्री इकबाल ग्रलाउदीन और प्रम्य, बंजारा
हिस्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पोस्टल एम्प्लाईज को-ऑपरेटिव हाऊसिंग
सोसाइटी लिमिटेड, टी० ए० न० 114, पी०
एम० जी०'स ग्राफीस, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

के यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीय करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की समिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले भूमि सम्पत्ति के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन ड्लाक नं. 2 सर्वे नं. 160 भाग थोका-
टा गांव, सिकन्दराबाद, विस्तीर्ण 3310 औरस गज।
रजिस्ट्रीकृत विलेक्षण नं. 2157/80। रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
मारेडपल्सी, सिकन्दराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 6-5-1981

मोहर:

प्रकरण नं. ८० एम० एस०—

(१) श्री इकबाल मलाऊदीन और अन्य, बंजारा हिस्से, हैदराबाद।

(अन्तरक)

वावहर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (१) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मई 1981

आरोपित नं. ४३/८१-८२—प्रतः, मुझे, एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961' (1961 का 43) (और जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विषवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विस्ता उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं. खुली जमीन है, जो थोकाट्टा गांव, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास करने का कारण है कि यथा पूर्वान्तर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बावत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

मनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम वा धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इष्टदीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अब हीगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

खुली जमीन ब्लॉक नं. १, सर्वे नं. 160, थोकाट्टा गांव, सिकन्दराबाद, कॉट्टमेंट। विस्तीर्ण 3233.33 घोरस गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं. 2120/80। रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 6-5-1981

मोहर:

प्रतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोग :—

प्रस्तुप आइ० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, विनांक 6 मई 1981

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 44/81-82—यतः, मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो थोकाट्टा गांव, सिकन्द-
राबाद में स्थित है (और इसे उपावल्ल अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर,

1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृइ० किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बीर/या

(का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-प के अनुसरण
में, ये, उक्त अधिनियम की भारा 269-प को उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अनुसूचि:—

(1) श्री इकबाल अल्लाउद्दीन और अन्य, बंजारा
हिल्स, हैदराबाद।

(प्रत्यक्ष)

(2) मैसर्स पोस्टल एम्प्लाईज को-ऑपरेटिव हाऊसिंग
सोसाइटी, टी० ए० नं० 114, पी० एम० जी०स०
ऑफिस, हैदराबाद।

(प्रत्यक्षिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्ति
हैं, वही अर्थ द्गाया जो उस अध्याय गे० दिया
गया है।

प्रनुसूची

खुली जमीन नं० 3 सर्वे नं० 160, थोकाट्टा
गांव, सिकन्दराबाद कैन्टोनमेंट। विस्तीर्ण 3310.55 चौरस
गज। रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2203/80 रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 6-5-1981

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एम० एस० ---

(1) श्री इकबाल अल्लाउद्दीन और प्रन्य, बंजारा हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मई 1981

निवेश सं० आर० ए० सी० नं० 45/81-82—यतः, मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो थोकाट्टा गांव,
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इसे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के
कार्यालय, मारेडपल्लीम सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कठिन नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपयोग करने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों
को, जिसमें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाथ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १—

(2) मैसर्स पोस्टल एम्प्लाईज को-ऑपरेटिव हाऊसिंग
सोसाइटी लिमिटेड, टी० ए० नं० 114, पी०
एम० जी०स० ऑफिस, हैदराबाद-1।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रबंधि, जो भी
प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन ब्लाक नं० 4, सर्वे नं० 160, थोकाट्टा गांव
सिकन्दराबाद। विस्तीर्ण 3232.50 चौरस गज। रजिस्ट्रीकृत
विलेख नं० 2254/80। रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी मारेडपल्ली,
सिकन्दराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मई 1981

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 46/81-82—भतः, मुझे,
एस० गोविन्द राजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन मक्कम प्राधिकारी को यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० खुली जमीन है, जो योकाट्टा गांव, सिकन्दरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपावश्य अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सिवाय, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके व्ययमान प्रतिफल से ऐसे व्ययमान प्रतिफल का पन्थह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सहाय्या
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मानविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री इकबाल अल्लाउद्दीन और अन्य, बंजारा
हिल्स, हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) मैसर्स पोस्टल एम्प्लाईज को-ऑपरेटिव हाऊसिंग
सोसाइटी लिमिटेड, टी० ए० नं० 114, पी०
एम० जी०स० ऑफिस, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यकारियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्त्वी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बृद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त क्रमांकों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन छालाक नं० 5, सर्वे नं० 160, योकाट्टा
गांव, सिकन्दराबाद। विस्तीर्ण 3223.22 चौरस गज।
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2270/80। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
कारेडपल्ली, सिकन्दराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखः 6-5-1981

मोहरः

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1981

आर० ए० सी० नं० 7/81-82—यतः सुन्ने एस० गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो तीरुमलगिरी, सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मारेडापल्ली, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अम्तरण (अम्तरकों) और अन्तरिती (यानिरितियों) के बीच ऐसे अम्तरण के लिए तर वाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रभरण लिखित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है :—

(क) अम्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी निम्नों प्राय या किसी घन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, यथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमति में, दें, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उआधारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित अविश्वासों, अर्थात् :—

16-12631/81

(1) श्री एम० रामी रेड्डी और अन्य पिता एस० राम रेड्डी, बोथनपल्ली, सिकन्दराबाद।
(अन्तरक)

(2) दी ज्यूपीटर को-प्रापरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड, टी० ए० बी० नं० 234, केर आफै० आई० डी० पैरी एन्ड कम्पनी, ओपोजीट पैटन, किरस वे, सिकन्दराबाद।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय निम्नों अन्य व्यक्ति द्वारा, अवौद्योगिक व्यक्ति के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होता, जो उप अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं० 113, टीरुमलगिरी गांव, गनरॉक के करीब, सिकन्दराबाद। कैन्टोनमेंट। विस्तीर्ण 1 एकड़ रजिस्ट्रीकृत विलेख नम्बर 2199/90। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मारेडापल्ली, सिकन्दराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 8-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मई, 1981

आरो ए० सी० नं० 48/81-82—यतः मुझे एस०
गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो तीरुमलगिरी, सिकन्दरा-
बाद में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर,
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० रामी रेडी और दो अन्य पिता एस०
राम रेडी, बोयनपल्ली, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) डि. ज्यूपिटर को-आपरेटिव हाऊसिंग सोसाइटी
लिमिटेड, टी० ए० बी० नं० 234 केवर आफ
ई० आई० झी० पैरी एण्ड कम्पनी, अपोजिट
पैटर्न किरस-वै, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि सर्वे नं० 113, तीरुमलगिरी गांव, गनराम
के करीब, सिकन्दराबाद कैन्टोनमेंट। विस्तीर्ण 1 एकड़।
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2192/80। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीखः 6-5-1981

मोहरः

प्रकृष्ट प्राईंटी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 मई, 1981

आरो० य० सी० न० 49/81-82—यतः मुझे एस०
गोविन्द राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० कुछ भूमि है, जो तीर्थमल गिरी गांव,
सिकन्दराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, मारेडापल्ली, सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
कार्यालय सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उक्त से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तराल के बायिल में किसी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रनक्त अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, जिपाल में
सुमिक्षा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री एस० रामी रेही और 2 अन्य पिता एस०
राम रेही, बोएनपल्सी, सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

(2) दि ज्यूपिटर को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी
लिमिटेड, टी० ए० बी० न० 234, केपर आफ
ई० आई० डी० पारी एन्ड कम्पनी, अपोजिट
पैटर्न किंस वे, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामीर । 30 दिन तो प्रदर्शि, जो वो प्रशंसित द्वारा
में समाप्त होने वाले, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
में किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपर्योग :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कुछ भूमि सर्वे न० 113, तीरुमल गिरी गांव गनराँक
के करीब, सिकन्दराबाद कैन्टोनमेंट, विस्तीर्ण 36 गुन्टे।
रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 221/80। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी,
मारेडापल्ली, सिकन्दराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख : 6-5-1981

मोहर :

प्रधन स्थाई० टी० एन० एस०—
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद
हैदराबाद, दिनांक 8 मई 1981

आर० ए० सी० नं० 50/81-82—यतः मुझे एस०
गोविन्द राजन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प
के प्रधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो बालापुर गांव, हैदराबाद
अब्बन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
आगापुरा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकां)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से नहीं किया गया है :—

(क) प्रतरण से हुई किसी भाय की वावरी, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रतरण के
शब्दित में रूपी करने या उससे बदलने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो हिसो भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या यो किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प(1) का उपधारा(1)
के प्रधीन निम्नलिखित अधिनियों, प्रदाता:—

(1) कुमारी के० विलासिनी देवी पिता लेट के०
आचूता रेडी, घर नं० 1-9-312/3, विद्यानगर,
हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री अहमद बुरहान पिता अहमद गफूर, चंद्रायन
गुट्टा, हैदराबाद। अभी 1-9-311, विद्या-
नगर हैदराबाद में रहते हैं।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन ने सम्बन्ध में कोई भी आप्ती—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अवित्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
निखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रधान 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होता जो उन अड्याय में दिया गया है।

अनुसन्धान

कृषि भूमि सर्वे नं० 210/1, 46 एकड़ बालापुर गांव
हैदराबाद अब्बन तालुक, हैदराबाद जिला। रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 3094/80। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी आगापुरा, हैदराबाद।

एस० गोविन्द राजन
सभी प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 8-5-1981

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बैंगलोर

बैंगलोर, दिनांक 20 मार्च 1981

निवेश सं० 324/80-81—यतः मुझे, आर० थोथाद्रि
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सेट नम्बर 32 है, जो जे० एन० रोड,
दांडेलि में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
खम (आकुमेंट सं० 1800/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
हल्याल (अंडर डाक्युमेंट नम्बर 521) तारीख 5-9-1980
को पूर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की वादा, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुनिधि
के लिए आदि/या

(ख) पुर्सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुनिधि के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधितः—

(1) श्री गजानन थी० सिद्धेश्वर, नेहरू कालोनी,
गोकुल रोड, हृबली।

(अन्तरक)

(2) श्री एस० जी० कुमारमठ, सहायक अधियंता,
के० इ० बि०, अंबिकानगर।

(अन्तरिती)

(3) मैसूर मिनरल्स लिमिटेड, सुपा मैनिंग प्रोजेक्ट
आफीस, जे० एन० रोड, दांडेलि।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीफ से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

जे० एन० रोड, दांडेलि में स्थित इमारत (जगह सहित)
जिसका सेट नम्बर 32 है।

आर० थोथाद्रि
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बैंगलोर।

तारीख: 20-3-1981

मोहर:

प्रस्तुप प्याई० टी० एस० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-व (1) के पर्यालय सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 मई, 1981

निर्देश सं० सी० 2 आर० 62/28026/80-81/अर्जन-बी—

यतः मुझे आर० ओथाक्सी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि रघावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये नहीं है।

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 13-3 और 12-2 सी० 2
टी० एस० सं० 1555/1 और 1554-6 है, तथा जो
कोडियल बैल, कोम्बला वार्ड, मंगलूर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर सिटी में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 15-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीरतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की वावत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने वा उससे बचने में दुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या धन्य भास्तुओं
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनामे प्रत्यक्षिती हारा प्रकट नहीं किया
वया वा या किया जाना चाहिए वा, जिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत:—

(1) श्री इलियास अलफोन्सो सलडाना लुईस, सलडाना
के पुत्र, दी इन्टरनेशनल टाप फ्लोर चैर्चगेट,
बम्बई।

(अन्तरक)

- (2) 1. श्री मेलवीन जान प्याद्रो डस्सीस, प्याद्रो के
पुत्र।
2. श्रीमती मोनिका प्याद्रो मेलवीन जान प्याद्रो
के पत्नी, ब्रिशप विक्टर रोड, असाबुर, मंगलूर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवैतन के
लिए कार्यालयाद्यि करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैतन के सम्बन्ध में बोई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी अविक्षियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य अविक्षित द्वारा अधोहस्तानी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों पौर पर्वोक्ता, बोडक अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय में विद्या
क्या है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 699/80-81 तारीख 15-9-1980).
बर सम्पत्ति है जिसका आर० एस० सं० 13-3 और
12-2 सी०-2 और टी० एस० सं० 1555-1 और 1554-6
कंट्रीबैल गांव, कोम्बला वार्ड, मंगलूर।

आर० ओथाक्सी

सक्षम प्राधिकारी

प्रायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 11-5-1981

मोहर :

प्रलेप आई. टी. एन्. एस.-----

(1) श्रीमती सरोज गोयेन्का, प्रक्सप्रेस प्रस्टेट्स, भाऊन्ट रोड, मद्रास-600002।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स भोरुका फाहनान्म लिमिटेड, 128-बी,
पुना स्ट्रीट, बम्बई-400009।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 मई 1981

निर्देश सं. सी० आर० 62/28315/80-81/एक्यू-वी---

यतः मुझे आर० तोतानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 127 है, तथा जो राजमहल विलास, एक्सटेन्शन, बंगलूर-6 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 23-9-1980 को

का पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसराने प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसराने प्रतिफल से, ऐसे दूसराने प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उल्लेख से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित महीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अंतः जब; उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की अधीन नियमित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक स्वीकृति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसूची

(दस्तावेज सं. 2528/80-81 तारीख 23-9-1980)
सम्पत्ति है जिसका सैट सं. 127, राजमहल विलास, एक्सटेन्शन, बंगलूर-6।

षष्ठबन्दी है :

उत्तर में—साइट सं. 128

दक्षिण में—साइट सं. 126

पूर्व में—साइट सं. 132

पश्चिम में—रोड।

आर० तोतानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 7-5-81

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूरु
बंगलूरु, दिनांक 11 मई 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/28488/80-81/एक्यू-वी०—

यतः मुझे आर० तोतानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 89-2 है, तथा जो कद्दी
गांव, कद्दी वार्ड, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा
अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधि-
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-9-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और महते यह विश्वास करने
के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके स्थयमान प्रतिफल से ऐसे स्थयमान प्रतिफल का पत्तवह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे वधने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमतयों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रतिक्रिया अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यावारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधर्तु १—

(1) श्रीमती अंजीलिन् छिसेजा, श्री अंतोणी डिसोजा
की पत्नी। अलवारेस रोड, कंकनाडी पोस्ट,
मंगलूर-575002।

(प्रत्तरक)

(1) 1. श्री जार्ज बिल्सन सलडान्हा
2. श्रीमती लीना सलडान्हा
सं० 1 की पत्नी, दोनों अलवारेस रोड, मंग-
लूर-575002 में रहनेवाला।

(अन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)।

(4) श्री मूलिदार, कद्दी जोगेश्वर मट, कद्दी, मंगलूर।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अब्रो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 741/80-81 तारीख 24-9-1980)
घर संपत्ति है जिसका आर० एस० सं० 89-2, कद्दी
गांव, कद्दी वार्ड, मंगलूर।

आर० तोतानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख: 11-5-81

मोहर:

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 मई, 1981

निर्देश सं. मी० आर० 62/28043/80-81 /अर्जन-
वी०—यतः मुझे आर० तोतावी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269
वा० के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु., से अधिक है।

और जिसकी आर० एस० सं. 102/6 और टी० एस०
सं. 750-3 ए० और 87-ए है, तथा जो कदमी गांव, मंगलूर
में स्थित है (और इससे उपाग्रह अनुसूची में और पूर्ण सूची
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, मंगलूर
सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख 15 अक्टूबर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए संग पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के असरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए
और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सहायता
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. श्री विश्वनाथ बंगीरा,
2. श्रीमती के० सीतु हेनास,
3. श्री के० उमेश
4. श्रीमती मीरा
5. के० चन्द्रशेखर
6. के० उपेन्द्र

7. श्रीमती के० मोहिनी और

8. श्रीमती के० हिमवन्ती

सब रहनेवाले हैं कदमी टोल गेट के पास,
मंगलूर-575002। (अन्तरक)

- (2) श्री लोकनाथ ए० कोटियन अम्मा के पुत्र और
एजेन्ट हैं श्री के० मोहन, अम्मा के पुत्र, कदमी,
मंगलूर-575002।
- (4) मूलगार, श्री ग्राम० आर० के० प्रभु, जी० टी०
स्ट्रीट, मंगलूर-1।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर्ग सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्तस्थी

(दस्तावेज सं. 650/80-81 तारीख 15-10-1980)।

घर सम्पत्ति है जिसका आर० एस० सं. 102/6 और

टी० एस० सं. 750/3ए और 87-ए, कदमी गांव, मंगलूर।

चकबन्दी है :—

उत्तर में—इसी सर्वे सं. के बाकी जगह।

दक्षिण में—87-बी, कदमी गांव के चकबन्दी।

पूर्व में—इसी सर्वे सं. के बाकी जगह।

पश्चिम में—टी० एस० सं. 750-2 के सब डिवीजन लेन।

आर० तोतावी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर।

तारीख : 7-5-1981

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

() श्रीमती सरोज गोपन्का, एक्सप्रेस एस्टेट्स, माउंट रोड, मद्रास-600002।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) मास्टर सिद्धाय अग्रवाल, एस० एन० अग्रवाल के पुत्र, 11/3, नंदीपुर रोड, बगलूर-46।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 मई 1981

निदेश सं० सी० आर०-62/28316/80-81/अर्जन-वी ०—
यतः मुझे, आर० तोतानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सैट सं० 128 है, तथा जो राजमहल विल्स एक्सटेंशन, बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 28-10-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्लॉइ भी आकोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृध्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कियी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/था

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2529/80-81, ता० 28-10-80)

सम्पत्ति है जिसका सैट सं० 128, राजमहल विलास, एक्सटेंशन, बंगलूर-6

चकबन्दी है:

उ० में—सैट सं० 129

द० में—सैट सं० 127

पू० में—सैट सं० 131

प० में—रोड।

आर० तोतानी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 7-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप आइ०.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 मई 1981

निवेश सं० सी० प्रा० 62/28477/80-81/ए०सी०क्य०-जी

—यस: मुझे, प्रा० तोताली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० टी० ए० सं० 537/3 ट 334 है, तथा जो
अत्तावर गांव फालनीर वाडे, मंगलूर में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के कार्यालय मंगलूर सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 23-10-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्थ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितायों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी आवं वावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कदी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आवं या किसी धन या अन्य आस्तीयों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दिवार प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

बहुउ अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नस्थित व्यक्तियों वर्षात्:—

1. मिस लिल्ली डिसोजा,
जोसेफ डिसोजा के पुत्री
फालनीर, मंगलूर।

(प्रत्तरक)

2. जैनाबी,
जी० अम्बास ग्राली के पत्नी
फालनीर, मंगलूर-2।

(प्रत्तरिती)

क्ये यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्यों भी आकोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्प्रदीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 717/80-81 दिनांक 23-10-80)।

घर सम्पत्ति है जिसका टी० ए० सं० 537/3 ट और
प्रा० ए० सं० 951/3, अत्तावर गांव, फालनीर वाडे,
मंगलूर।

चक्रवन्दी है:

उ० में—गांवी जगह
द० में—सर्वे लेन,
प० में—सर्वे लेन,
प० में—काम्पोन्ड वाल

प्रा० तोताली
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 7-5-1981

मोहर :

प्रसुप् बाई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 7 मई 1981

निवेश सं० सी० आर० 62/28493/80-81/ए०सी०क्य०-वी
—अतः मुझे आर० तोतादी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० 829/1, है और 829/2-
बी और टी० एस० सं० 659/1, और 659/2-बी है, तथा जो
अत्तावर गांव फालनीर बाई०, मंगलूर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 28-10-1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धारा-
विकृ रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हूँ इ० किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
किसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोक्तनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन हूँ—

1. श्रीमती कमलावती अलियास पदमावती, बी० वामन
आनन्दपा, बालीगा के पत्नी, बंटवाल टाउन,
बंटवाल (द० क०')

(अन्तरक)

2. श्रीमती एसमा, दिवंगत हाजी बी० चैयम्बा, के पत्नी
लेडी हिल, मंगलूर ।

(अन्तरिती)

3. अंतरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए^X
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या हत्तेम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्राप्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 761/80-81 ता० 28-10-80)

घर संपत्ति है जिसका आर० एस० सं० 829/1, और
829/2-बी, और टी० एस० सं० 659/1, और 659/2-बी
अत्तावर गांव, फालनीर बाई०, मंगलूर ।

चकबन्दी है :

उ० में—प्राइवेट संपत्ति

द० में—रोड,

प० में—रोड

प० में—प्राइवेट संपत्ति ।

आर० तोतादी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 7-5-1981

मोहर :

प्रस्तुति काइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 मई, 1981

निदेश सं० सी० आर०-62/28021/80-81/ए०सी०क्य०-
वी.—अतः मुझे आर० तोताती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० म्युनिसिपल सं० 264(दक्षिण विंग) है तथा
जो सूबेदार चत्वरम रोड, म्युनिसिपल डिविजन सं० 14 बंगलूर
में स्थित है (और इससे उपावधि अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय गांधी नगर
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16'
के अधीन दिनांक 15-9-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के हस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके हस्यमान प्रतिफल से, ऐसे हस्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती
(अन्तरीसियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्ध आस्तियों
को, जिसे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, जिसने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

1. मैसर्स ए० एन० आर० एन्टरप्रेसर्स, :
पार्टनर्स :

- (1) श्री ए० एन० श्रीनिवासा
 - (2) प० एन० लक्ष्मीनारायण
 - (3) ए० एन० प्रभाकरा
 - (4) ए० एन० सत्यनारायण
 - (5) ए० एन० सदानन्दा
 - (6) ए० एन० राम कृष्ण
- सं० 9-10, श्री राम कृष्ण निन्या,
एस० सी० रोड, बंगलूर-9

(अन्तरिती)

2. मैसर्स राम कृष्ण होटेल्स और एन्टरप्रेसर्स, प्रा० सि०
सं० 421, III, क्रास, विलसन गार्डन बंगलूर-27
प्रतिनिधि है इसका डायरेक्टर श्री डी० जयराज

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आवेदनः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितग्रन्थ
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए था सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रग्रहित शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

निम्नलिखित

(दस्तावेज सं० 2398/80-81 ता० 15-9-80)

वर संपत्ति है जिसका म्युनिसिपल सं० 264 (दक्षिण विंग)
सूबेदार चत्वरम, रोड, म्युनिसिपल डिविजन सं० 14, बंगलूर
(चार मंजिले बिल्डिंग्स) ।

आर० तोताती
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 29-5-81

मोहर :

प्रस्तुप याहैं टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 मई 1981

निर्देश सं. सी०आर०-62/28022/80-81/एक्य०-बी—
यतः मुझे आर० तोतानी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके प्रवधात् 'उचित अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. जगह है प्रिमैसिस सं. 262 में है तथा जो
सूबेदार चत्वरम, रोड, बंगलूर-9 में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी
के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-9-1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिकल से, ऐसे छयमान प्रतिकल का
पन्द्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरीतीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण
निश्चित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैरान किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) दूसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री ए० एन० श्रीमिवासा
(2) श्री एन० एन० लक्ष्मीनारायणा
(3) श्री ए० एम० प्रभाकरा
(4) श्री ए० एन० सत्यनारायणा
(5) श्री ए० एन० सदानन्दा
(6) श्री ए० एन० श्रीवरा
(7) श्री ए० एन० रामकृष्णा
सं० ९-१०, श्री रामकृष्णा निलया, एस० सी०
रोड, बंगलूर

(अन्तरक)

2. मैसर्स श्री राम कृष्णा लाज, और इन्टरप्रेजेस प्रा०लि०
सं० ४२१, III फ्लॉर, विलसन गार्डन, बंगलूर-२७
प्रतिनिधि है इसका डायरेक्टर, श्री डी० जयराज
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं. 2399/80-81 ता० 15-9-80)

ब्लैकेट सैट है प्रिमैसिस, सं. 262 में सूबेदारधनम् रोड,
मुनिसिपल डिविजन सं. 14, बंगलूर।

आर० तोतानी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख 29-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 29 मई 1981

निर्देश सं० सी०आर०-62/28023/80-81/एक्य०-बी—

यतः मुझे आर० तोताकी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 262 (नया कन्स्ट्रक्शन) है तथा जो
सूबेवारचत्रम रोड, म्पुनिसिपल डिविजन सं० 14 नं बंगलूर में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर,
बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 15-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके श्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इक्सी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री ए० एन० शीमिवासा,
(2) श्री ए० एन० लक्ष्मीनारायण
(3) श्री ए० एन० प्रभाकरा
(4) श्री ए० एन० सत्यनारायण
(5) श्री ए० एन० सदानन्दा
9-10, श्री रामकृष्ण निलया, एस० सी० रोड,
बंगलूर-9
(अन्तरक)
2. मैसर्स रामकृष्ण होटल्स और एन्टरप्राइस स्प्रॉलि०
सं० 421, III फ्लॉ-विलसन गार्डन्स, बंगलूर-27
प्रतिनिधि है इसके डायरेक्टर, श्री डी० जयराज
(अन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2400/80-81 ता० 15-9-80)

घर संपत्ति है जिसका प्रिमिसिस सं० 262 (मध्य भाग में
नया कन्स्ट्रक्शन और आठ मंजिल के ब्लाक) सूबेवारचत्रम रोड,
म्पुनिसिपल डिविजन सं० 14, बंगलूर।

आर० तोताकी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 29-5-81

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, विनांक 29 मई 1981

निर्देश सं. सी०आर०-62/28024/80-81/एक्य०-झी—
यतः मुझे आर० तोताती

आयकर औधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. म्युनिसिपल सं. 257 से 261 और 263
(उत्तर विंग) हैं तथा जो सूबेदारचत्वम् रोड, म्युनिसिपल
डिविजन सं. 14, बंगलूर-9 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, गांधीनगर, बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 15-9-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी)
(अन्तरितारी) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(घ) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छपाने में
सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीतः—

1. मैसर्स ए० एन० एस० एन्टरप्राइजेस ।

पार्टनर्स :

- (1) ए० एन० श्रीनिवासा
- (2) ए० एन० लक्ष्मीनारायण
- (3) ए० एन० प्रभाकरा
- (4) ए० एन० सत्यनारायण
- (5) ए० एन० सदानन्दा
- (6) ए० एन० श्रीदरा,
रं० 9-10 श्री रामकृष्णा निलया, एस०सी० रोड,
बंगलूर-9 (अन्तरक)

2. मैसर्स रामकृष्णा होटल्स और एन्टरप्राइजेस प्रा० सि०
सं० 421, III श्रास, विलसन, गार्डन, बंगलूर-27
प्रतिनिधि है इसके डायरेक्टर, श्री डी० जायराज
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यशालायां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं. 2401/80-81 ता० 15-9-80)

घर संपत्ति है जिसका म्युनिसिपल सं. 257 से 261 तक
और 263 (उत्तर विंग), (पुरानी कंस्ट्रक्शन और तीन मंजिल
के बिल्डिंग) सूबेदारचत्वम् रोड, म्युनिसिपल डिविजन सं. 14
बंगलूर ।

आर० तोताती

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 28-5-81

मोहर :

प्रस्तुप आइ०.टी०.एन०.एस०-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मंगलूर

मंगलूर, दिनांक 23 मई 1981

निदश सं० सी०आर०-62/28033/80-81/एम्ह०-बी---

यतः मुझे आर० तोतावी

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी ने, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 659 और टी० एस० सं० 246 (उत्तर पूर्व पोरण), हैं तथा जो अल्लावर गांव, मंगलूर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुमूच्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मंगलूर सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 11-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अमारक (प्रन्तरकों) और प्रन्तरितों (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिरण के लिए यथा प्रतिकृति निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिरण लिखित : शास्त्रिकृत से निर्दित नहीं हिता गया है।-

(क) अन्तरक वे दुई नियोगाय की वाचत, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए छोड़ा जा सके;

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी घन या अन्य स्थानियों को जिन्हें भारतीय ग्राम-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिगाने गे सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 239-ग के अनुसार मैं, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ब की उपघारा](1) अलीत, निम्नलिखित अवित्तियों व्यक्ति:-

18—126GT-81

1. (1) श्रीमती तेरेगा डिसोजा लारेन्स डिसोजा की पत्नी
(2) लारेन्स डिसोजा
जान डिसोजा के पुत्र
अल्लावर, रेलवे रोड, मंगलूर।

(अन्तरक)

2. श्री रोनाल्ड डिसोजा
श्री जेमेम डिसोजा के पुत्र
जेप्पू, मंगलूर-2

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए रायबाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या नस्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य अविक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के बास लिखित में किए जा सकेंगे।

स॑उडो हैग:- इसमें प्राप्त गंदां प्रोटर्डों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रधायाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

बन्धुसंघी

(दस्नावेज सं० 682/80-81 ना० 11-9-80)
वर मंपत्ति है जिसका एस० सं० 659 और टी० एस० सं० 246 (उत्तर पूर्व पोरण), प्रल्लावर गांव, मंगलूर।

आर० तोतावी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मंगलूर

तारीख: 23-5-81

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 11 मई, 1981

निदेश सं० सी०आर०-62/28729/80-81/एक्य०-वी—

अतः मुझे आर० तोतावी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 57-58 (उत्तर विभाग) पुरानी सं० 57-58
के 2/3 पोरशन है तथा जो आसबोरन रोड, डिविजन सं० 53
बंगलूर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
शिवाजी नगर, बंगलूर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-11-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्बन्ध का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पढ़द्वय प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हृदि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अस्तरित हारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) एन० एस० मणि,
दिवंगत जी० नारात्म अम्बर के पुत्र
(2) एस० गोपाल रत्नम,
(3) एस० राजाराम
(4) एस० रवीशंकर
सं० 2 से 4 तक श्री एन० एस० मणि के पुत्र
नं० 32/1, जय नगर, 8वां ब्लाक, II मेन,
बंगलूर ।

(अन्तरक)

2. ग्रामीर हाउसिंग को-आपरेटिव सोसायटी लिमिटेड
सं० 57-57/1-58, आसबोरन, रोड, बंगलूर
इसका प्रतिनिधि है श्री पी० वी० बेकेश्वरन
(चीफ प्रमोटर) ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2828/80-81 ता० 4-11-80)

घर संपत्ति है जिसका सं० 57-58 (उत्तर विभाग)
पुरानी सं० 57-58 में 2/3 पोरशन, आसबोरन, रोड, डिविजन
सं० 53, बंगलूर ।

चकबन्दी है :

- उ० में—प्राइवेट प्रापर्टी
- द० में—प्रिमैसिस सं० 57/1,
- पू० में—प्राइवेट प्रापर्टी ।
- प० में—आसबोरन रोड ।

आर० तोतावी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 11-5-1981

मोहर :

प्रसूप आई. टी. एन. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मई 1981

निदेश सं० राज/महा० आ० अर्जन/930—अतः मुझे,
एम० एल० छौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विष्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उत्तिष्ठ बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० दुकान नं० 73 है, तथा जो जयपुर में स्थित है
(और इससे उपावन्द अनुसूची में और जो पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 24-2-81
के पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूँहे वह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से ऐसे दस्यमान प्रतिफल का
पढ़हु प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच भारा अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उत्तरदेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में संविधा
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमिनियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
संविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णतः:—

1. श्रीमती दीपमाला निवासी मकान नं० 3774,
कुन्दीगर भैरों का रास्ता, जयपुर
(अन्तरक)
2. मावंशी हरवन्स सिंह, हुकम सिंह, जनक सिंह एवं जसबीर सिंह
प्लाट नं० 28, राजामल का तालाब, जयपुर ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्त्वावधि व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बहूद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-के में पर्याप्त हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वाणिज्यक दुकान नं० 73, शोपिंग सेन्टर, ट्रॉक स्टेण्ड
आगरा रोड, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा ऋम संख्या
549, दिनांक 24-2-1981 पर पंजिबन्द विक्रय पत्र में और
विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० छौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8 मई 1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर अधिकारी (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मई 1981

आदेश सं० राज०/महा० आ० अर्जन/931—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 72 है तथा जो जयपुर में स्थित है
(और इसमें उपावन्द अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-2-81
के पूर्वावधि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वावधि सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीरियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से की थी नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आर्थिक योग्यता को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रेम प्यारी, निवासी मकान नं० 1903,
धामाई का खर्बा, चौकड़ी राम चन्द्र जी, जयपुर।
(अन्तरक)

2. सर्वश्री हरब्रत्सिंह, हुकम सिंह, जनक सिंह एवं जसबीर
सिंह, निवासी घाट नं० 28, राजामल का तालाब,
जयपुर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावधि सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावधि
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

दुकान नं० 72 जो ट्रक स्टेण्ड, शोपिंग सेन्टर, आगरा रोड,
जयपुर पर स्थित है और उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या
554 दिनांक 25-2-81 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत
रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8 मई 1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-वा (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मई 1981

आदेश सं० राज०/सहा० श्रा० अर्जन/932—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 71 है तथा जो जयपुर में स्थित है
(और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-2-81
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-वा की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती प्रेम प्यारी, निवासी मकान नं० 1907,
दाभाईजी का खुरा, चौकड़ी रामचन्द्र जी,
जयपुर।

(अन्तरक)

2. सर्वश्री हरबन्स सिंह, हुक्म सिंह, जनक सिंह एवं जसबीर
सिंह निवासी प्लाट नं० 28, राजा मल का तालाब,
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-के में परि-
भासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 71, ट्रक स्टेंड शोपिंग सेन्टर, आगरा रोड,
जयपुर पर स्थित सम्पत्ति जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा क्रम
संख्या 551, पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से
विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 8 मई 1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मई 1981

उक्त सं० राज०/सहा० आ० ग्रजन/933—प्रतः भुमि,
एम० एल० चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो जयपुर में स्थित है
(प्रीर-इससे उपाध्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 13-10-80
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दद्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दद्यमान प्रतिफल से, ऐसे दद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हार्दि किसी आय की बाबत, उक्त सम्पत्ति के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गोचरण के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्यों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सूचिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अनिल कुमार जैन, पुत्र श्री मोती चन्द जैन,
मुनिश महल, रामगंज बाजार, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मधुसुनद सुखानी, पुत्र सुन्दर दास सुखानी,
ए-26, सेठी कालोनी, जयपुर।

(अन्तरिती)

क्षे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीहूँ से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारिख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीहूँ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

27 बीघा 9 बिस्ता कृषि भूमि में तीसरा हिस्सा जो उप पंजियक, सौंगानेर, द्वारा पंजिबद्ध विक्रय पत्र संख्या 631, दिनांक 13-10-1980 में विस्तृत रूप से विवरणित है और ग्राम मैंदरामपुरा तहसील सौंगानेर में स्थित है।

एम० एल० चौहान,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रजन रेंज, जयपुर

तारीख: 8 मई 1981

मोहर :

प्रस्तुत आर्द्ध.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मई 1981

आदेश सं० : राज/सहा० आ० अर्जन/934—यतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृपि भवि है तथा जो सौंगानेर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सौंगानेर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

13-10-1980

वह पूर्खोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्खोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिसके भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहुए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, भी, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधार्तः--

1. श्री दिनेश चन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र जैन, निवासी मुन्ही
महल, राम गंग, बाजार, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मोहन लाल मुखानी पुत्र सुन्दर दास मुखानी
प्लाट नं० ए-26, सेठी कालोनी, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्खोंक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्खोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में विशेषदृष्टि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्राम मदरामपुरा तहसील सौंगानेर में स्थित 27 बीघा 9 बिस्ता कृपि भूमि में तीसरा हिस्सा जो उप पंजियक सौंगानेर द्वारा क्रम संख्या 630, दिनांक 13-10-80 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
प्रधान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8 मई 1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 8 मई 1981

आदेश सं० : राज०/सहा० आ० अर्जन/935—अतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो साँगनेर में स्थित है
(और इससे उपबंद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय साँगनेर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक

13-10-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतीक-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कीथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह² किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीनों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को जारीगा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् 1:—

1. श्रीमती शान्ती देवी, पत्नी श्याम लाल अग्रवाल।
निवासी टौक।

(अन्तरक)

2. श्री रमेश सुखानी पुत्र सुन्दर दास सुखानी,
प्लाट नं० ए-26, सेठो कालोनी, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राम मदरामपुरा, तहसील साँगनेर में स्थित 27 बीथा
9 विस्ता कृषि भूमि में तीसरा हिस्सा जो उप पंजियक साँगनेर
द्वारा क्रम संख्या 649 दिनांक 13-10-80 पर पंजिबद्ध विक्रय
पद में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 8 मई 1981

चोहर:

प्रस्तुत भाई.टी.एम.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, विनांक 8 मई 1981

निर्देश सं० राज०/सद्वा० आ० अर्जन/936—यतः मुझे
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-प के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 4 है तथा जो जयपुर में स्थित
है (और इससे उपायद्रव्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जयपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 10-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इथमान प्रतिफल से, एसे इथमान प्रतिफल का पन्थ है प्रतिष्ठित से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृष्ट किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-प के अन्तरण
में, यौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-प की संपादन (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्जन रेंज, जयपुर

19-126GI/81

1. श्रीमती सरदार कुमारी,

17, कल्याण कुंज, सिविल लाइन्स, जयपुर ।

(अन्तरक)

2. श्री राज कुमार भार्गव,
बनी पार्क, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तासम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एव्वलीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनूसुची

प्लाट नं० 4, कल्याण कुंज, सिविल लाइन्स, जयपुर जो उप-
पंजीयक, जयपुर द्वारा ऋम सं० 2361 दिनांक 10 सितम्बर,
1980 पर, पंजिबद्र विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित
है।

एम० एल० चौहान
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8-5-1981

मोहर

प्रस्तुप आहे. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 8 मई 1981

निहंश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/937—यतः मुझे
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें पक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 22 है तथा जो जयपुर में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-9-80
को दूर्वित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता)
और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हृहै किसी बाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
को लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा को लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ, अर्थात्:-

1. श्री ग्रजीमुद्दीन खां पुल बागे खां, कायमखानी मुसलम
जालपुर, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती हरप्पारी देवी पत्नी श्री करण सिंह, पुरन्दर भवन
के सामने, तेलीपाड़े का रास्ता, चौकड़ी विष्वेपसरजी,
जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्णोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्ती व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

जनूसूची

प्लाट नं० 22, भगत बाटिका, सिविल लाइन्स, जयपुर जो
उप पंजीयक, जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2298 दिनांक 6 सितम्बर
1980 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरित
है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख : 8-5-81

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

**आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269(1) के पश्चीम सूचना:**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 मई 1981

आदेश सं.- राज०/सहा० आ० अर्जन/938—अतः मुझे,
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० दुकान नं० 9 है तथा जो जयपुर में स्थित है
(और इससे उपाधि मनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
6-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दस्यमान प्रतिफल से, एसे दस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के, अनुकरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधारित:—

1. श्री बनवारी लाल पुन्न भौंडी लाल शर्मा निवासी
ग्राम बसवा, बत्तमान में मकान नं० 2377
नाहरगढ़ रोड, जयपुर।

(अन्तरक)

2. श्री मोहन लाल पुन्न मुरली द्वार निवासी
बिशनगढ़, बर्तमान में निवासी सुभाष कालोनी,
शास्त्री नगर, जयपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाहर से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अविक्षियों में से किसी अविक्षियत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अविक्षियत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभ्रान्ति हैं, वही अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

दुकान नं० 9, निर्वाण मार्ग, आन्दोल बाहर, जयपुर जो उप पंजियक, जयपुर द्वारा कम संख्या 2306 दिनांक 6 सितम्बर 80 पर पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 8 मई 1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजंग रेज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 26 मई 1981

आदेश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/961—अतः मुझे,
एम० एल० औहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 25 व 26 है तथा जो नोहर में
स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय नोहर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
3-12-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से ऐसे उद्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अस्तरीय
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँ फिसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुत्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिति :-

1. श्री रामेश्वर दास बल्द शिवचन्द्र अग्रवाल, निवासी
नोहर ।

(अन्तरक)

2. श्रीमति नरवदा देवी धर्मपत्नी महाबीर प्रसाद गोयल
वर्तमान निवासी आसाम ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन में सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(घ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबूख
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्वाक्षरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, ये अध्याय 26-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 25 एवं 26, धान मंडी, नोहर जो उप पंजियक,
नोहर द्वारा क्रम संख्या 1302 दिनांक 3-12-80 पर पंजियक
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणि त है ।

एम० एल० औहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जयपुर

तारीख: 26-5-1981

मोहर:

प्रस्तुप आई० ही० एवं० इस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शायकत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 26 मई 1981

निवेदण सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/962—अतः मुझे
एम० एल० चौहान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ए के
अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवाहास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसना उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० बुकान नं० 25 व 26 है, तथा जो नोहर में
स्थित है (और इससे उपाधद अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय, नोहर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
10-12-1980

को पूर्वान्तर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रत्यरित की गई है और मुझे यह विवाहास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अत्यरक (पन्द्रहरू) और अन्तरिरीती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
प्राधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी घन या अन्य अस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर प्राधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्राधिनियम, या घन-
कर प्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थे प्रस्तरिती हारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ए की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित अन्तरियों, अधीत :—

1. श्री रामेश्वर दास, बल्द शिवचन्द्र अग्रवाल, सा०
नोहर ।

(अन्तरक)

2. श्री बसन्त कुमार, नरेण कुमार पिसरान महावीर
प्रसाद गोयल,
निवासी केफाना, वर्तमान आसाम ।

(ग्रहस्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयिता शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यापेप ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रबंधिया तरसंबंधी अवितर्यों पर सूचना को
तामील से 30 दिन की प्रबंधिया, जो भी प्रबंधिया बाल में
समाप्त होती हो, के भीतर पूरोक्त अवितर्यों में से किसी
अवितर्या । या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद
किसी अन्य अवितर्या द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होता, जो उस अन्याय में दिया गया है ।

प्रनृपूर्णी

बुकान नं० 25 एवं 26 धान मंडी, नोहर जो उप-पंजीयक,
नोहर द्वारा क्रम संख्या 1318 दिनांक 10-12-80 पर पंगीबद्ध
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है ।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर शायकत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

मोहर :
मोहर :

बहुप ग्राहक टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर
जयपुर, दिनांक 28 मई 1981

आवेदन सं० राज० सहा० आ० अर्जन/964—अतः मुझे,
एम० एल० चौहान,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एच० 68 है, तथा जो जयपुर में स्थित है (और
इससे उपाबन्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 3-9-1980

को पूर्वौक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, देसे दृष्यमान प्रतिफल का पञ्चवृ
प्रतिशत से अधिक है और प्रत्यक्ष (प्रत्यक्षों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रत्यरण के लिए तथा आया गया
प्रतिफल, विस्तारित उद्देश्य से उक्त प्रत्यरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कहित नहीं किया गया है:—

(क) प्रत्यरण ने ही किसी आय की वाक्त उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्यक्ष के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी श्रवन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या, डिपाने में मुश्विर
के लिए।

अतः यदि, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन विस्तारित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्री गोप सजनानी पुत्र श्री परमानन्द, जयपुर।

(अन्तरिक)

2. श्री राम नारायण यादव पुत्र श्री सेन्दुराम यादव,
एच-5, टोडरमल बनी पार्क, जयपुर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अवैन के लिए
कायबाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवैन के संबंध में कोई भी आलोचना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारीयों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों
में से किसी अधिकत द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अधिकारी द्वारा, अधोदृष्टाङ्कारी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-व के परिमाणित हैं, वही घर्थ स्वेच्छा जो उस
अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एच० 68, मीरा भारी, बनी पार्क, जयपुर जो
उप पंजियक जयपुर द्वारा क्रम संख्या 2230, दिनांक 3 सितम्बर
1980 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विव-
रणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 28-5-1981

मोहर :

प्रकल्प याई० डी० एच० एस०—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर दिनांक 26 मई 1981

आदेश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/963—यतः ममे
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-प के अधीन समम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संगति बिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 198-199 है तथा जो कोटा में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोटा में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
4-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात्
प्रतिशत भविक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विकित में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/वा

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थ आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोधनार्थ अन्तरिक्षीय कोटा प्रकट नहीं किया गया
वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा
के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपचारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ।—

1. श्रीमती पुष्पलता तक्यान पर्नी दमन दत्त तक्यान
निवासी गुमानपुरा, शोपिंग सेन्टर, कोटा।

(अन्तरक)

2. श्री सुरेन्द्र कुमार तक्यान पुनर श्री शान्ती स्वरूप तक्यान
निवासी कोटा।

(अन्तरिक्षीय)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यान्वयन करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्यापक विवेद ।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में इत-
वर्द्ध किसी अर्थ अविनियम द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
विवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्ति
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 198 व 199 शोपिंग सेन्टर, कोटा जो उप
पंजियक, कोटा द्वारा अम संख्या 1639, दिनांक 4-9-1980 पर
पंजियक विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 26-5-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 6 मई 1981

निदेश सं० ए० पी०, नं० 2620—यतः मुझे
आर० गिरधर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-व के प्रधीन संकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि मनुसूची में लिखा है तथा जो
फागवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में और जो
पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 18-७-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) प्रीर नन्तरी (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से किया
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-व के अनुसार संरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-व ती उपग्राह
(1) के प्रधीन, निम्नलिखित अवित्तियों पर्याप्त:—

1. श्री मनुप सिंह पुल श्रीमति सिंह,
बासी फगवाड़ा।

(प्रस्तरक)

2. सुखजीत स्टार्च एण्ड कैमिकल्स लिमिटेड,
फगवाड़ा।

(प्रतिरिती)

3. जैसा कि ऊपर नं० 2 में लिखा है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरंगदंडी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावर में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रीर एवं नहीं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में हिता गया है।

मनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि विलेख नं० 1612 दिनांक 9-80 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में लिखा है।

आर० गिरधर
संशम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख: 6-5-1981

मोहर:

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

अनुभाग अधिकारी/आशुलिपिक (ग्रेड ख/ग्रेड I) सीमित
विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1981

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून, 1981

स० एफ० 9/2/81-पा(ख) —भारत के राजपत्र दिनांक 27 जून 1981 में गृह संचालय (कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं के अनुभाग अधिकारी ग्रेड तथा आशुलिपिक ग्रेड I/ग्रेड ख की चयन सूचियों में सम्मिलित करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा बम्बई, कलकत्ता दिल्ली, गंगटोक, भद्रास, नागपुर, तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनों में 17 दिसम्बर 1981 से एक सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो उक्त परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीखों में परिवर्तन कर सकता है। यथापि उम्मीदवारों को उक्त परीक्षा के लिए उनकी पसन्द के केन्द्र देने के सभी प्रयास किए जाएंगे तो भी आयोग परिस्थितिवश किसी उम्मीदवार को अपनी विवेका पर अलग केन्द्र दे सकता है। जिन उम्मीदवारों को उस परीक्षा में प्रवेश दे दिया जाता है उन्हें समय सारणी तथा परीक्षा स्थल (स्थलों) की जानकारी दे दी जाएगी (नीचे अनुबन्ध-I पैरा 8 देखिए)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं में भर्ती की जानी है उनका तथा उन सेवाओं में उपलब्ध रिक्तियों की अनुमानित संख्या का विवरण इस प्रकार है :

वर्ग I

केन्द्रीय सचिवालय सेवा का अनुभाग

अधिकारी ग्रेड-I *

वर्ग II

अनुभाग अधिकारी, ग्रेड (भारतीय

विदेश सेवा, शाखा 'ख' के

सामान्य संवर्ग का समेकित ग्रेड-II

और III) . 9 (अनुसूचित जाति के लिए
2 पद आरक्षित) ।

वर्ग III

रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का अनु-

भाग अधिकारी ग्रेड 3 (अनुसूचित जाति के लिए
1 पद आरक्षित)

वर्ग IV

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक

सेवा का ग्रेड ख *

वर्ग V

भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख'

के आशुलिपिक उप संवर्ग का ग्रेड-I 11 (5 पद अनुसूचित जाति
तथा 1 पद अनुसूचित जन-
जाति के लिए आरक्षित)

वर्ग VI

सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलि- 5 (3 पद अनुसूचित जाति
पिक सेवा का ग्रेड ख वर्ग नया 2 पद अनुसूचित जन-
जाति के लिए आरक्षित)

वर्ग VII

रेलवे बोर्ड सचिवालय आशु-
लिपिक सेवा का ग्रेड 'ख' *

वर्ग VIII

आसूचना व्यूरो का अनुभाग अधि-
कारी ग्रेड (अनुसूचित जन-
जाति के उम्मीदवारों के लिए
1 आरक्षित है) 2

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

*रिक्तियाँ सरकार द्वारा सूचित नहीं की गई।

3. जो उम्मीदवार उक्त सेवाओं (द्रष्टव्य नियम 3) के दो वर्गों के लिए पात्र हैं और दोनों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेना चाहता है; वह केवल एक ही आवेदन पत्र भेजे उसे नीचे पैरा 6 में उल्लिखित शुल्क एक बार ही देना होगा तथा आवेदन किये गये प्रत्येक वर्ग के लिए पृष्ठक शुल्क देने की आवश्यकता नहीं है।

ध्यान दें : उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों में उस वर्ग/उन वर्गों का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिनके लिए वे प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। दो वर्गों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्र में वरीयता क्रम से दोनों वर्गों का उल्लेख करना चाहिए। दो वर्गों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र में उल्लिखित मूलतः वर्गों के वरीयता क्रम में परिवर्तन करने का अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा, जब तक कि इस शाश्य का अमुरोध संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लिखित परीक्षा के परिणाम रोजगार समाचार में प्रकाशित होने के 30 दिनों के भीतर प्राप्त नहीं हो जाता।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली 110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा से संबद्ध पूर्ण विवरण दो रुपए देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली 110011 को मनीआर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किये जाएंगे। ये आवेदन प्रपत्र आयोग के काउन्टर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किये जा सकते हैं दो रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट:—उम्मीदवारों को बेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र अनुभाग अधिकारी/आशुलिपिक (ग्रेड 'बी'ग्रेड I) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1981 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। अनुभाग अधिकारी/आशुलिपिक (ग्रेड 'बी'ग्रेड I) सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1981 के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन प्रपत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को 24 अगस्त 1981 (24 अगस्त 1981 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, असमाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 7 सितम्बर, 1981 तक या उससे पहले डाक द्वारा आवश्य भिजवा दिया जाए या स्वयं आयोग के काउंटर पर आकर जमा कर दिया जाए।) निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

असम, मेघालय, असमाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह या लक्षद्वीप और विदेशों में रहने वाले उम्मीदवारों से आयोग यदि चाहे तो इस बात का लिखित प्रभाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 24 अगस्त 1981 से पहले की किसी तारीख से असम, मेघालय, असमाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम, जम्मू और कश्मीर राज्य के लद्दाख प्रभाग, अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह या लक्षद्वीप या विदेशों में रह रहा था।

टिप्पणी (i):—जो उम्मीदवार ऐसे क्षेत्रों के हैं जहाँ के रहने वाले आवेदन की प्रस्तुति हेतु अतिरिक्त समय के हकदार हैं उन्हें आवेदन पत्र के संगत कालम में अपने पत्रों में अतिरिक्त समय के हकदार इलाके या क्षेत्र का नाम (अर्थात् असम, मेघालय, जम्मू तथा कश्मीर राज्य का लद्दाख प्रभाग आदि) स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करना चाहिए अन्यथा हो सकता है कि उन्हें अतिरिक्त समय का लाभ न मिले।

टिप्पणी (ii):—उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र को स्वयं सं. स्टॉ. से० आ० के काउंटर पर जमा कराएं अथवा रजिस्टर्ड डाक द्वारा भेजें। आयोग के किसी अन्य कर्मचारी को दिए गए आवेदन पत्रों के लिए आयोग उत्तरदायी नहीं होगा।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन पत्र के साथ आयोग को ₹ 28.00 (अट्ठाईस रुपए) [अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में ₹ 7.00 (सात रुपए)] का शुल्क भेजना होगा।

जोकि सचिव संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल शाहंर या सचिव संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली स्थित स्टेट बैंक आफ इन्डिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक आफ इन्डिया की किसी भी शाखा से जारी किए गये रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051—लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और आवेदन-पत्र के साथ उसकी 'रसीद लगाकर भेजनी चाहिए।

जिन आवेदन पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एक दम अस्वीकार कर दिया जायेगा।

7. यदि कोई उम्मीदवार, सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1980 में बैठा हो और इस परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे 1980 की परीक्षा के परिणामों की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन पत्र अवश्य भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए। यदि 1980 में ली गई परीक्षा के परिणाम के आधार पर उसका नाम चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु अनुशासित कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर इस परीक्षा के लिये उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उसको शुल्क लौटा दिया जाएगा। बारें कि उम्मीदवारी रद्द कराने और शुल्क को वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1980 की परीक्षा के अंतिम परिणामों की घोषणा के एक मास के अन्दर प्रस्तुत कर दिया जाये।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे ₹ 15.00 (पंद्रह रुपए) [अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में ₹ 4.00 (चार रुपए)] की राशि वापस कर दी जाएगी।

उपर्युक्त तथा पैरा 7 में उपबन्धित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गये शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न हो तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

9. उम्मीदवार को अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से सम्बद्ध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

10. नियमावली के परिणाम्य I में उल्लिखित परीक्षा की योजना में बताए गये सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र में वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे। वस्तुपरक परीक्षण के विवरण और नमूने के प्रश्नों के लिए अनुबंध II पर उम्मीदवारों के सूचनार्थी विवरणिका, का संदर्भ दिया जाए।

विनय क्षा, उप सचिव संघ लोक सेवा आयोग

ग्रन्थबन्ध—Iउम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में छूट नहीं भी जा सकती है।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में किये गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अन्तिम रूप से छुन लेना चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि केन्द्र में परिवर्तन से सम्बद्ध अनुरोध को सामान्यतया स्वीकार नहीं किया जाएगा किन्तु यदि कोई उम्मीदवार अपने उस केन्द्र में परिवर्तन चाहता है जो उसने उक्त परीक्षा हेतु अपने आवेदन में निर्दिष्ट किया था तो उसे सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को इस बात का पूरा अधिकार बताते हुए एक पत्र रजिस्टर्ड डाक से अवश्य भेजना चाहिए कि वह केन्द्र में परिवर्तन क्यों चाहता है। ऐसे अनुरोधों पर गुणवत्ता के आधार पर विचार किया जाएगा किन्तु 17 नवम्बर, 1981 के बाद प्राप्त अनुरोधों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा।

यदि कोई उम्मीदवार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो तो उसे अपनी पसन्द के क्रमानुसार दो अन्य भारतीय मिशन (वह स्थान जिस देश में है उससे मिन्न देशों में स्थित) के नाम भी बैकलिंपक केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। उम्मीदवार को, आयोग यदि चाहे तो, उसके द्वारा उल्लिखित तीन मिशनों में से किसी एक में परीक्षा में बैठने के लिए कह सकता है।

2. उम्मीदवारों को आवेदन प्रपत्र तथा पावरी कार्ड अपने हाथ से स्थाही से या बाल पाइप वैन से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन पत्र, सम्मत है, अस्वीकार कर दिया जाए।

उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन-पत्रों को भरते समय भारतीय अंकों के अन्तरालीय रूप का ही प्रयोग किया जाना है। वे इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आवेदन पत्र में की गई प्रविष्टियां स्पष्ट और सुपादृश हों। यदि प्रविष्टियां अपादृश या भ्रामक होंगी तो उसके निर्वचन में होने वाले अम तथा संक्षिप्तता के लिए उम्मीदवार उत्तरवायी होंगे।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि आयोग द्वारा आवेदन-पत्र में उनके द्वारा की गई प्रविष्टियों को बदलने के लिए कोई पत्र आदि स्वीकार नहीं किया जाएगा। इस लिए उन्हें आवेदन-पत्र सही रूप में भरने के लिए विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

उम्मीदवार को अपना आवेदन पत्र सम्बद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो संगत प्रविष्टियों का सत्यापन करके आवेदन पत्र के अन्त में दिये गये पूछांकन को भर कर आयोग को भेज देगा।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण पत्र अवश्य भेजने चाहिए:—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिये रेखांकित किये हुए भास्टिल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या भास्टिल मिशन की रसीद (देखिये नोटिस का पैरा 6)।
- (ii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लंग-भग 5 से ० मी० × ७ से ० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतिक्रियां जोकि एक आवेदन पत्र पर और दूसरी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर लिपकार्ड गयी हों।
- (iii) जहाँ लागू हो वहाँ आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिये नीचे पैरा 4)।
- (iv) लंग-भग 11.5 से ० मी० × 27.5 से ० मी० आकार के बिना टिकट लगे हुए दो लिफाफे जिन पर श्रापका पता लिखा हो।
- (v) विधिवत भरा हुआ उपस्थिति पत्रक (आवेदन-प्रपत्र के साथ संलग्न)।

“उम्मीदवार यह ध्यान रखें कि आवेदन पत्र के साथ संलग्न उपस्थिति पत्रक पर वे अपने नाम तथा परीक्षा केन्द्र के अलावा कोई अन्य प्रविष्टि न करें”

नोट I—उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (iii), (iv) तथा (v) पर उल्लिखित प्रमाण पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के फिसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्राणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हो। जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर यथास्थिति सेवा रिकार्ड के मूल्यांकन अथवा आशुलिपि परीक्षा, के लिये अहूता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किये जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के मई 1982 के महीने में घोषित किये जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण पत्रों को तैयार रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किये जाने के तुरन्त बाद आयोग को भेज देना चाहिए। जो उम्मीदवार अपेक्षित मूल प्रमाण पत्र माँगे जाने पर नहीं भेजेंगे उन्हीं उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और आगे विचार के लिए उन उम्मीदवारों का कोई दावा नहीं होगा।

नोट II—उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे आवेदन पत्र के साथ भेजे जाने वाले प्रमाण-पत्रों की अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतियां पर अपने हस्ताक्षर करके भेज दें। उस पर तारीख भी लिखें।

मद (i) और (ii) में उल्लिखित प्रत्येकों के विवरण नीचे दिये गये हैं और मद (iii) के विवरण पैरा 4 में दिये गये हैं।

(i) (a) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किये हुए भारतीय पोस्टल आर्डर:

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए, उपर पर सचिव, संघ शोग में वा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय, लिखा जाना चाहिए।

हिसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किये जाएंगे। विरुद्धित या कटेफटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किये जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट भास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्वन रखना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किये गये हो और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय किये गये हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(b) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा से लिपा जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया, की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विशिष्ट रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किये गये बैंक ड्राफ्ट किसी भी हाजरत में स्वीकार नहीं किये जाएंगे। विरुद्धित या कटेफटे ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

नोट (i)—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने समय बैंक ड्राफ्ट की पिछली ओर ऊपर के स्तर पर अपना नाम तथा पता लिखना चाहिए। पोस्टल आर्डरों के मामले में उम्मीदवार पोस्टल आर्डर के पिछली ओर इस प्रयोजन के लिए निर्धारित स्थान पर अपना नाम तथा पता लिखें।

(ii) जो उम्मीदवार आवेदन पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे निर्धारित शुल्क की राशि (₹ 28.00) अट्टाईस रुपए के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए (₹ 7.00) सात रुपए के बराबर यथास्थिति उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राज्यवृत्त या प्रतिनिधि के कायीलय में जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा गीज़ “051—लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क” में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कायीलय से रमीद लेकर आवेदन पत्र के साथ भेजें।

(ii) फोटो की दो प्रतियाँ :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें. मी. 0 × 7 सें. मी. 0)

के फोटो की एक जैसी दो प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्दिष्ट स्थान में चिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्थानी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (i) और (ii) में उल्लिखित प्रमाण-पत्र संलग्न न हों तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृत के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी।

4(i) नियम 3(अ) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले पांडिचेरी के संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को उस शिक्षा संस्था के प्रिस्पिल से, जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है, लिए गए प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने किसी स्तर पर फैंच के माध्यम से शिक्षा प्राप्त की है।

(ii) नियम 3(ग) (ii) या 3(ग) (iii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट या दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्न-नियम प्राविहारियों में से किसी एक से लिए गये प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रवर्जन कर भारत आया है।

(1) दण्डकारण्य परियोजना के ट्रांजिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के केंद्र कमांडेंट।

(2) उस क्षेत्र का जिला मणिस्ट्रेट जहां वह इस समय निवास कर रहा है।

(3) सम्बद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मणिस्ट्रेट।

(4) अपने ही कायीलय के अधीन सम्बद्ध सब-डिवीजन का सबडिवीजनल अफसर।

(5) उप शरणार्थी पुनर्वास, आयुक्त, पश्चिम बंगाल/निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(iii) नियम 3(ग) (iv) या 3(ग) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कायीलय से लिये गये इस आशय के प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, से भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1963, को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(iv) नियम (3) (ग) (vi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले कीनियाँ, उगाछा तथा संयुक्त गणराज्य तनजानियाँ भूतपूर्व टंगसीका तथा जंजीबार से आये हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलावी, जेरे, और इथोपिया से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय को उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है, लिये गये प्रमाण पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विख्लाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त वेष्ठों से आया है।

(v) नियम 3 (ग) (vii) या 3(ग)(viii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट चाहने वाले अमीर से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय अधिकार को भारतीय राज वृत्तावास, रंगून द्वारा किये गये पहचान प्रभाणपत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह विख्लाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाणपत्र को एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मैजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाणपत्र को एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वर्षा से आया हुआ वास्तविक/प्रत्यावर्तित अधिकार है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(vi) नियम 3 (ग) (ix) और 3(ग)(x) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिवेशक, पुनर्वास रक्षा मंदालय से निर्धारित फार्म पर दिये गये प्रमाण पत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा असांतिप्रस्त भेद में फौजी कारवाई के दौरान विकलांग हुए और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाणपत्र का फार्म प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट के रैक नं० श्री रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा असांतिप्रस्त भेद में फौजी कारवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर.....

पदनाम.....

तारीख.....

*जो लागू न हो से कृपया काट दें।

(vii) नियम 3 (ग) (xi) या 3 (ग) (xii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिवेशक सीमा सुरक्षा दल, गृह मंदालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गये प्रमाणपत्र की एक अभिप्राणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि

वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट के रैक नं०

श्री..... सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए सन् 1971 के भारत पाक शमुता संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर.....

पदनाम.....

तारीख.....

5. उम्मीदवारों को बेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई क्षुठ व्यौरा न दें अथवा किसी महस्त्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवार को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किये गये किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किये गये बूढ़े प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई असुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

6. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन प्रपत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन प्रपत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

7. आयोग के कार्यालय में प्राप्त प्रत्येक आवेदन-पत्र की पावती दी जाती है तथा आवेदन पत्र की प्राप्ति के प्रतीक के रूप में उम्मीदवार का रोल नम्बर जारी कर दिया जाता है। यदि किसी उम्मीदवार को उक्त परीक्षा के आवेदन पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख से एक मास के अन्दर पावती नहीं मिलती है तो उसे तत्काल आयोग से पावती हेतु सम्पर्क करना चाहिए।

इस तथ्य का कि उम्मीदवार को रोल नम्बर जारी कर दिया गया है अपने आप यह अर्थ नहीं है कि आवेदन पत्र सभी प्रकार पूर्ण है और आयोग द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

8. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन पत्र के परिणाम की सूचना यथाशील दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा यदि परीक्षा से मुख्य होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न दिले तो परिणाम की जासकारी के लिये उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना

चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने सामग्रे में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जायेगा।

9. केन्द्रीय सचिवालय सेवा अनुभाग अधिकारी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1976 और सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1976, 1977, 1978, 1979, से पूर्व पांच वर्षों के दौरान में ली गई उक्त परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से सम्बद्ध पुस्तिकाओं की विशी प्रकाशन नियन्त्रक, सिविल लाइन्स विल्सी-(110054) के द्वारा होती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर द्वारा सीधा प्रथम नकद भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिकोली सिनेमा के सामने एम्पोरिया बिल्डिंग, 'सी' ब्लॉक, बाबा खड्ग सिंह मार्ग, नई दिल्ली-(110001), (ii) प्रकाशन शाखा का विक्री काउंटर उद्योग भवन, नई दिल्ली (110001), और (iii) गवर्नरमेंट आफ इण्डिया बुक डिपो, 8 के० एस० राय रोड, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर प्राप्त किया जा सकता है। वे पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ्तसिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

10. परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवारों को संघ सोक सेवा आयोग से कोई यात्रा-भत्ता नहीं मिलेगा।

11. आवेदन पत्र से सम्बन्ध पत्र व्यवहार :—आवेदन पत्र से सम्बद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धीलपुर हाउस, नई दिल्ली 110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाये :—

(1) परीक्षा का नाम

(2) परीक्षा का महीना और वर्ष

(3) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म तिथि यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।

(4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।

(5) आवेदन पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें :—(i) जिन पत्रों आदि में यह व्यौरा नहीं होगा संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जायेगा।

ध्यान दें :—(ii) परीक्षा समाप्त होने के बाद यदि उम्मीदवार से कोई पत्र/सूचना प्राप्त होती है और उसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमांक नहीं लिखा है, तो उस पर ध्यान महीं दिया जाएगा और कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

12. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की ध्यान स्थापित कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का

परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 11 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथार्थीघ दी जानी चाहिए यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है फिर भी इस विषय में यह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

अनुबन्ध II

उम्मीदवारों को सूचनार्थ विवरणिका

(क) वस्तुपरक परीक्षण :

आपकी परीक्षा में सामान्य अध्ययन का प्रश्न पत्र "वस्तुपरक परीक्षण" प्रकार का होगा। इस प्रकार की परीक्षा (परीक्षण) में आपको उत्तर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आपे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई सुझाए गए उत्तर (जिसको आपे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) दिये जाते हैं। उसमें से प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक उत्तर चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिवित त होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

(ख) परीक्षण का स्वरूप :

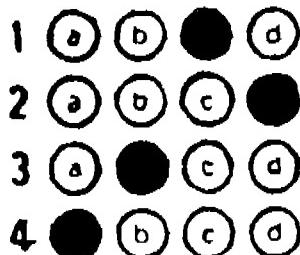
प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3, आदि के क्रम से प्रश्नांश होंगे। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c, d चिह्न के साथ सुझाए गए प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम एक सही या यदि आपको एक से अधिक प्रत्युत्तर सही लगें तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिये गए नमूने के प्रश्नांश देखें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक सही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका प्रत्युत्तर गलत माना जाएगा।

(ग) उत्तर देने की विधि :

परीक्षा भवन में आपको अलग एक उत्तर पत्रक (जिसकी एक नमूने की प्रति आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ दी जाएगी) दिया जाएगा। आपको अपने प्रत्युत्तर इस उत्तरपत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर नहीं जारी जायेंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएं 1 से 160 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d चिह्न वाले वृत्ताकार स्थान छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर वाले बूत में पेंसिल से पूरी तरह काला बना कर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि (आपका उत्तर दर्शाने के लिए) नीचे दिखाया गया है। उत्तर पत्रक

के बूत को काला बनाने के लिए स्थाही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।



यह जल्दी है कि—

1. प्रस्तावियों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किसी की एच० बी० पैसिल (पैसिलें) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

2. गलत निशान को बदलने के लिए उसे पूरा भिटाकर फिर से सही उत्तर पर निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी गलत प्रसावधानी न हो जिससे वह कट जाय या उसमें मोड़ व सिलवट आदि पड़ जाए या वह खराब हो जाए।

(अ) कुछ महत्वपूर्ण विनियम :

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक निरीक्षक/पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियम का उल्लंघन करने पर कड़ा दंड दिया जाएगा।

5. परीक्षा भवन में आपको उत्तर पत्रक पर कुछ ब्यौरे भरने होंगे। आपको उत्तर पत्रक पर कुछ ब्यौरों को कृतबद्ध भी करना होगा। इससे सम्बद्ध अनुदेश आपको प्रवेश प्रमाण-पत्र के साथ भेज दिये जाएंगे।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिये गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो सकते हैं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रतिष्ठित संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के प्रत्युत्तर के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कहें तो उसके अनुदेशों का तस्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं, आपको अपने साथ एक एच० बी० पैसिल, एक रबड़, एक पैसिल ताँतिर और तोली या काली स्थाही बाली कलम भी लानी

होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक ब्यौरे कितने बोर्ड या हार्ड बोर्ड भी लाएं जिस पर कुछ लिखा न हो। आपको परीक्षा भवन में कोई बाली कागज या कागज का टुकड़ा या पैमाना या आरेखण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनका जहरत नहीं होगा। मांगने पर कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम या शुरू करने से पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर, और परीक्षण की नारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को दायर कर दें।

(छ) विशेष अनुदेश

परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाने के बाद निरीक्षक आपको उत्तर पत्रक देंगे। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। परीक्षण पुस्तिका मिलने पर आप यह प्रवश्य देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है प्रत्यथा, उसे बदलवा लें। आपको परीक्षण पुस्तिका तब तक खोलने की अनुमति नहीं है जब तक पर्यवेक्षक ऐसा करने के लिए न कहे।

(छ) कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की प्रपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जल्दी है कि आप अपने समय का यथासंभव दक्षता से उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी काम कर सकते हैं, करें पर लापरवाही न हो। आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दें पाते हों तो चिन्ता न करें। आपको जो प्रश्न अस्यन्त कठिन मालूम पड़े उन पर समय अर्ध न करें। धूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विधार करें।

सभी प्रश्नांशों के अंक समान होंगे। उन सभी के उत्तर दें। आपके द्वारा प्रक्रित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर ही आपको अंक दिये जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जाएंगे।

(छ) परीक्षण का समाप्ति :

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके पास आकर आपसे सभी आवश्यक वस्तुएं ले जाएं और आपको हाल छोड़ने की अनुमति दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक तथा कच्चे कार्ड का कागज परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।

नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न)

(नोट—*सही/सर्वोत्तम उत्तर-विकल्प को निर्दिष्ट करता है)

1. सामान्य अध्ययन

बहुत ऊंचाई पर पर्वतारोहियों के नाफ तथा कान से निम्नलिखित में से किस कारण से रक्त स्राव होता है?

- उत्तर का दाढ़ वायुमंडल के दाढ़ से कम होता है।

- *(b) रक्त का द्वाब वायुमंडल के दबाव के अधिक होता है।
 (c) रक्त वाहिकाओं की अन्दरूनी तथा बाहरी शिराओं पर दब उपर्युक्त समान होता है।
 (d) रक्त का दब वायुमंडल के दबाव के अनुरूप बटना बहुत है।

2. (कृषि)

प्रदूर्धर में, फूलों का सङ्करना निम्नलिखित में से किस एक उपाय से कम किया जा सकता है।

- (a) बृद्धि नियंत्रक द्वारा छिपकाव
 (b) धूर-धूर पौधे लगाना
 (c) सही औरु में पौधे लगाना
 (d) घोड़े-घोड़े फासले पर पौधे लगाना।

3. (रसायन विज्ञान)

$H_3 VO_4$ का एनहाइड्राइड निम्नलिखित में से क्या होता है?

- (a) VO_3
 (b) VO_4
 (c) V_2O_8
 *(d) V_2O_5

4. (ग्रन्थशास्त्र)

श्रम का एकाधिकारी शोषण निम्नलिखित में से किस स्थिति में होता है?

- *(a) सीमान्त राजस्व उत्पाद से मजदूरी कम हो।
 (b) मजदूरी तथा सीमान्त राजस्व उत्पादन दोनों बराबर हों।
 (c) मजदूरी सीमान्त राजस्व उत्पाद से अधिक हो।
 (d) मजदूरी सीमान्त भौतिक उत्पाद के बराबर हो।

5. (वैद्युत इंजीनियरी)

एक समान रेखा को ग्राहिक परावैद्युतांक 9 के वैरावैद्युत से सम्पूर्णत विया गया है। यदि C मुक्त अन्तराल में संचरण वेग दर्शाता है तो लाइन में संचरण का वेग क्या होगा?

- (a) $3C$
 (b) C
 *(c) $C/3$
 (d) $C/9$

6. (भू-विज्ञान)

बैसल्ट में प्लेजिओक्लेस क्या होता है?

- (a) आलिगोक्लेज
 *(b) लैप्ट्रोडोराइट
 (c) एल्बाइट
 (d) एनाथाईठ

7. (गणित)

मूल बिन्दु से गुजरने वाला और $\frac{dy}{dx^2} = \frac{dy}{dx} = 0$ समीकरण को संगत रूप से वाला वक्र-परिवार निम्नलिखित में से किस से निर्दिष्ट है?

- (a) $y = ax + b$
 (b) $y = ax$
 (c) $y = ae^x + be^{-x}$
 *(d) $y = ae^x - a$

8. (भौतिकी)

एक ग्रादर्श ऊर्जा इंजन 400° के और 300° K तापमान के मध्य कार्य करता है। इसकी भूमता निम्नलिखित में से क्या होगी?

- (a) $3/4$
 *(b) $(4-3)/4$
 (c) $4/(3+4)$
 (d) $3/(3+4)$

9. (सांख्यिकी)

यदि द्विपद विचर का माध्य 5 है तो इसका प्रसरण निम्नलिखित में से क्या होगा?

- (a) 4^2
 *(b) 3
 (c) ∞
 (d) -5

10. (भूगोल)

भर्मी के दक्षिणी भाग की अत्यधिक समुद्रि का कारण निम्नलिखित में से क्या होता है?

- (a) यहाँ पर खनिज साधनों का विपुल भंडार है।
 *(b) भर्मी की अधिकांश नदियों का डेस्टाई भाग है।
 (c) यहाँ श्रेष्ठ वन संपदा है।
 (d) देश के अधिकांश तेल खेत इसी भाग में हैं।

11. भारतीय इतिहास

ब्राह्मणवाद के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से क्या सत्य नहीं है?

- (a) बौद्धधर्म के उत्कर्ष काल में भी ब्राह्मणवाद के अनुयायियों की संख्या बहुत अधिक थी।
 (b) ब्राह्मणवाद बहुत अधिक कर्मकांड और आहम्मद से पूर्ण धर्म था।
 *(c) ब्राह्मणवाद के अध्युदय के साथ, बलि सम्बंधी यज्ञ कर्म का महत्व कम हो गया।
 (d) व्यक्ति के जीवन-विकास की विभिन्न दशाओं को प्रकट करते के लिए धार्मिक संस्कार निर्धारित थे।

12. (दर्शन)

निम्नलिखित में से निरीश्वरवादी दर्शन तमूह कौन-सा है?

- (a) बौद्ध, न्याय, चार्वाक, मीमांसा
 (b) न्याय, वैशेषिक, जैन और बौद्ध, चार्वाक
 (c) अद्वैत, वैदांत, सांख्य, चार्वाक योग
 *(d) बौद्ध, सांख्य, मीमांसा, चार्वाक

13. (राजनीति विज्ञान)

- 'वृत्तिगत प्रतिनिधित्व' का ग्रन्थ निम्नलिखित में से क्या है?
- *(a) व्यवसाय के आधार पर विधानमण्डल में प्रतिनिधियों का निर्वाचन
 - (b) किसी समूह या किसी उत्पादकायिक समुदाय के पक्ष का समर्थन।
 - (c) किसी रोजगार संबंधी मंगठन में प्रतिनिधियों का चुनाव।
 - (d) श्रमिक संघों द्वारा अप्रत्यक्ष प्रतिनिधित्व।

14. (मनोविज्ञान)

लक्ष्य की प्राप्ति निम्ननियत में से किस को निर्देशित करती है?

- (a) लक्ष्य सम्बन्धी आवश्यकता में वृद्धि
- *(b) भावात्मक प्रवृत्त्या में व्यनता
- (c) उत्तराहारिक अधिगम
- (d) पक्षगान पूर्ण अधिगम

15. (समाजशास्त्र)

भारत में पंचायती राज संस्थाओं की निम्न में से कौन सी है?

- *(a) ग्राम सरकार में महिलाओं तथा कमज़ोर वर्गों को औपचारिक प्रतिनिधित्व प्राप्त हुआ है।
- (b) छूटालूत कम हुई है।
- (c) वंचित वर्गों के लोगों को भूस्यामित्य का लाभ मिला है।
- (d) जन साधारण में शिक्षा का प्रसार हुआ है।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को यह घ्यान रखना चाहिए कि उपर्युक्त नमूने के प्रश्नांश (प्रश्न) केवल उदाहरण के लिए दिये गये हैं और यह जरूरी नहीं है कि ये इस परीक्षा की पाठ्यचर्या के अनुसार हो।

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 23rd May 1981

No. A 32012/1/81-Admn. II—In continuation of the Union Public Service Commission Notification of even number dated 30-3-81, the Chairman, Union Public Service Commission hereby appoints Shri K. R. P. Nair, a permanent Senior Research Officer of the office of Union Public Service Commission to officiate as Officer on Special Duty (Lang.) in the Commission's office on *ad-hoc* basis for the period from 19-5-81 to 18-8-81, or until further orders, whichever is earlier.

The 26th May 1981

No. A. 32014/1/80-Admn. II—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. L. Dhawan, a permanent Superintendent (Holl.) to officiate on *ad-hoc* basis as Deputy Controller (DP) in the office of Union Public Service Commission for the period from 1-6-81 to 31-8-81, or until further orders, whichever is earlier.

P. S. RANA
Section Officer
for Chairman
Union Public Service Commission

New Delhi-11, the 27th May 1981

No. A. 12022/1/81-Admn. I—Shri Vinay Jha, an officer of the Indian Administrative Service (TN-1967) and working as Deputy Secretary in the office of Union Public Service Commission has been appointed to officiate as Joint Secretary, U.P.S.C. (Rs. 2000-125/2-2250) w.e.f. 1-5-1981 until further orders.

H. C. JATAV
Jt. Secy. (Admn.)
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A. R.

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 2nd June 1981

No. A-35018/15/79-AD-I—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Subhash Dey, Sub-Inspr. of Police, West Bengal, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation at Siliguri Sub-unit in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 25th April, 1981.

No. A-35018/15/79-AD-I—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Tarapada Sarkar, Inspector of Police, West Bengal, on deputation as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation at GOW, Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 1st May, 1981 until further orders.

No. A-20014/459/80-AD-I—Shri Samar Kanti Chowdhury, an officer of the West Bengal Police on deputation to C.B.I. as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the C.B.I. GOW, Calcutta Branch on the afternoon of 30-4-81 on repatriation to the West Bengal State Police.

The 3rd June 1981

No. A-22013/7/79-AD-V—In partial modification of Notification No. A-19035/1/78-AD. V dated 18-11-1978 appointing Shri Jagat Singh as Office Superintendent on *ad-hoc* basis with effect from 30-10-1978, Director/CBI is pleased to appoint

Shri Jagat Singh as Office Superintendent in CBI on promotion on regular basis with effect from 5-9-79.

The 5th June 1981

No. V-46/68/AD-V—The President is pleased to appoint Shri V. T. Venkatesan, Sr. Public Prosecutor/C.B.I. as Dy. Legal Adviser/CBI on promotion on purely *ad-hoc* basis for a period of 3 months with effect from 6-5-1981 (F.N.) or till a regular appointee becomes available, whichever is earlier.

No. V-6/74-AD. V—Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby promotes Shri V. D. Sharma, A.P.P./C.B.I. as Public Prosecutor/C.B.I. on *ad-hoc* basis for a period of 6 months only with effect from 6-5-1981 (F.N.).

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

DIRECTORATE GENERAL

CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi, the 3rd June 1981

No. O. II-1578/81-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Surender Singh as Junior Medical Officer in the CRPF, on *ad-hoc* basis with effect from 5-5-81 (FN) for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 4th June 1981

No. O. II-1455/79-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Anil Kaushal as Junior Medical Officer (DGO; DG-II) in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from 15-5-81 (FN) for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O. II-1464/80-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. K. Gnanasekharan as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from 25-4-81 (FN) for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O. II-1476/80-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. Surender Kumar, DGO, Grade-II of Base Hospital-I, CRPF, New Delhi with effect from the afternoon of 6th May, 1981 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

The 5th June 1981

No. O. II-1526/81-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. Rahul Saryal, DGO, Grade-II of Base Hospital-II, CRPF, Hyderabad with effect from the forenoon of 14-5-81 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) on the CCS (Temporary Service) Rules, 1965.

The 6th June 1981

No. O. II-1579/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. C. S. Ramachandra Rao as GDO, Grade-II in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 19-5-81 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. SURI
Asstt. Director (Estt.)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 27th May 1981

No. E-38013(4)/S/81-Pers.—The President is pleased to appoint Shri S. S. Pathania to officiate as Asstt. Commandant on ad-hoc basis in the Central Industrial Security Force with effect from the date he assumes charge of the said post.

2. The appointment is purely temporary and is liable to be terminated without notice.

SURENDRA NATH
Director General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 5th June 1981

No. 11/17/81-Ad. I—In continuation of this office Notification of even number dated 12-5-1981, the President is pleased to revert Shri J. R. Vashistha, Assistant Director of Census Operations (T) in the office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh who was working as Deputy Director of Census Operations, on ad-hoc basis, to the post of Assistant Director of Census Operations (T) in the same office with effect from the forenoon of the 15th May, 1981 in the same office.

2. The President is also pleased to revert Shri J. N. Suri, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh who was working as Assistant Director of Census Operations (T), on ad-hoc basis in that office to the post of Investigator with effect from the forenoon of the 15th May, 1981 in the same office.

P. PADMANABHA
Registrar General, India

MINISTRY OF FINANCE
DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS
BANK NOTE PRESS

Dewas, the 24th May 1981

F. No. BNP/C/5/81—In continuation to this Department's Notification of even number dated 13-3-81 the ad-hoc appointment of Shri A. D. Deshpande, as Technical Officer (Printing & Plate making) in Bank Note Press, Dewas is continued for a further period of three months with effect from 28-5-81 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier on the same terms and conditions.

The 3rd June 1981

F. No. BNP/C/5/81—In continuation to this Department's Notification number BNP/C/5/80 dated 25-3-80 the appointment of Shri S. Chandrasekharan, as Accounts Officer on deputation is extended upto 30-6-81.

M. V. CHAR
General Manager.

SECURITY PAPER MILL
Hoshangabad-461005, the 2nd June 1981

No. 7(48)/2489—In continuation of this office Notification No. 7(48)/124 dated 27-3-1981, the ad-hoc promotion of Shri G. R. Bilgotra as Administrative Officer is hereby extended upto 8-5-1981.

S. R. PATHAK
General Manager

INDIAN AUDIT AND DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KERALA
Trivandrum, the 4th June 1981

No. EstyA/VII/9-86/Vol. II/74—The Accountant General, Kerala is pleased to appoint Shri V. Damodara Pai, Section Officer (Audit & Accounts) to officiate as Accounts Officer with effect from 1st June 1981 (F. N.) until further orders.

D. SIVARAMAKRISHNAN
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF COMMUNICATION
OFFICE OF THE DEPUTY DIRECTOR OF ACCOUNTS
(POSTAL)

Bhopal, the 23rd April 1980

NOTICE

No. Admn/Disc. Case/MLN/213—The undersigned proposes to hold an inquiry against Shri M. L. Nandwani, L.D.C of this office under Rule 14 of C.C.S. (C.C.A.) Rules, 1965 for violations of the provisions of Rule 3(1) of C.C.S. (Conduct) Rules, 1964.

2. Shri M. L. Nandwani is directed to appear in person before the undersigned within 10 days of the publication of this notice in the Gazette to receive the statements of articles of charge and of the imputations of misconduct or misbehaviour in support of each of the article of charge and also the list of documents by which the articles of charge are proposed to be sustained.

3. Shri M. L. Nandwani is further informed that if he does not appear in person before the date specified in para 2 above, the inquiring authority may hold the inquiry against him ex parte.

M. R. NARAYANAN
Deputy Director.

MINISTRY OF COMMERCE
OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 6th June 1981

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL
(ESTABLISHMENT)

No. 6/502/56-Admn(G)/3398—The President is pleased to appoint Shri I. V. Chunkath (CSS Selection Grade Select List, 1979 Sl. No. 19) as Joint Chief Controller of Imports and Exports on ad-hoc basis in the Office of the Chief Controller of Imports and Exports for a period of three months with effect from the forenoon of the 14th July, 1980.

KUMARI ROMA MAZUMDAR
Chief Controller of Imports and Exports

New Delhi, the 3rd June 1981

No. 6/1209/77-ADMN(G)/3317—On attaining the age of superannuation Shri G. C. Chatterjee, Controller of Imports and Exports in the Office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Calcutta, has been permitted to retire from Government service with effect from the afternoon of the 30th April, 1981.

A. N. KAUL
Dy. Chief Controller of Imports and Exports
for Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY
 (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
 OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 2nd June 1981

No. 12/331/62-Admn.(G)—The President is pleased to appoint Shri D. B. Kar, Asstt. Director (Gr. I) (Leather/Footwear) Small Industries Service Institute, Kanpur as Deputy Director (Leather/Footwear) in the same Institute with effect from the forenoon of 21st April, 1981, until further orders.

No. 12(367)/62-Admn.(G)—Consequent upon his reversion from deputation as Director of Industries, Govt. of Mizoram and on the expiry of leave Shri L. M. Mathur has assumed charge of the post of Deputy Director (Mechanical) in Regional Testing Centre, New Delhi with effect from the afternoon of 6th May, 1981.

No. A-19018/517/81-Admn.(G)—The President is pleased to appoint Shri S. K. Panwar as Asstt. Director (Gr. I) (Chemical) at Small Industries Service Institute, Srinagar with effect from the forenoon of 7th May, 1981, until further orders.

No. A-19018(248)/76-Admn. (G)—Consequent upon his reversion to the post of Small Industry Promotion Officer (Industrial Management & Training) Shri K. S. Govindarajan relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (Industrial Management & Training) at Small Industries Service Institute, Bangalore, with effect from the forenoon of 13th April, 1981.

No. A-19018(547)/81-Admn. (G)—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to appoint Shri G. M. Kureel, Small Industry Promotion Officer (Leather/Footwear), Small Industries Service Institute, Allahabad as Asstt. Director (Gr. II) (Leather/Footwear) at Central Footwear Training Centre, Agra with effect from the forenoon of 21st April, 1981, until further orders.

No. 12(765)/72-Admn. (G)—The President is pleased to appoint Shri M. K. Nair, Asstt. Director (Gr. I) (Glass & Ceramics) in Small Industries Service Institute, Trichur as Deputy Director (Glass/Ceramics) on ad-hoc basis at Small Industries Service Institute, Trichur with effect from the forenoon of 13-4-1981.

The 4th June 1981

No. 12(3)/61-Admn. (G)—The President regrets to announce the death of Shri B. L. Srivastava, Deputy Director in the office of the Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on 17th April, 1981.

C. C. ROY
 Deputy Director (Admn.)

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES
 DIRECTORATE OF VANASPATI, VEG. OILS AND
 FATS

New Delhi-110019, the 1st June 1981

No. A-12023/2/80-Estt.—Shri H. N. Bhargava has been appointed as Inspector (Vanaspati), New Delhi, in the Directorate of Vanaspati, Vegetable Oils and Fats, Ministry of Civil Supplies, in the scale of pay of Rs. 65-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on temporary regular basis with effect from 25-4-81 (F.N) until further orders.

A. K. AGARWAL,
 Chief Director

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS
 (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 4th June 1981

No. A-1/1(1175)/81—The Director General of Supplies & Disposals hereby appoints Shri V. B. Jadhav, Dock Inspector in the office of Director of Supplies & Disposals, Bombay to officiate on ad-hoc basis as Assistant Director (Grade -II) in the same office with effect from the forenoon of 8th May, 1981 and until further orders.

2. The *ad-hoc* appointment of Shri Jadhav as Assistant Director (Gr. II) will not bestow on him a claim for regular appointment and that *ad-hoc* service rendered would not count for the purpose of seniority in that grade and for eligibility for promotion and confirmation.

3. Shri Jadhav relinquished charge of the post of Dock Inspector and assumed charge of the post of Asstt. Director (Gr. II) with effect from the forenoon of 8th May, 1981 in the office of Director of Supplies & Disposals, Bombay.

P. D. SETH
 Deputy Director (Administration)
 for Director General of Supplies & Disposals,

(ADMN. SECTION A-6)

New Delhi-110001, the May 1981

No. A-6/247(373)—The President is pleased to appoint Shri R. N. Puri Assistant Inspecting Officer (Met.) in the office of Deputy Director of Inspection (Met.), Bhilai as Assistant Director of Inspection (Met.) (Grade III of Indian Inspection Service Group 'A' Met-Branche) in the office of the Director of Inspection (Met.), Jamshedpur with effect from the afternoon of 7-5-1981 until further orders.

2. Shri Puri relinquished the charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Met.) on the afternoon of 4-5-1981.

P. D. SETH
 Deputy Director (Administration)

ISPAT AUR KHAN MANTRALAYA

(KHAN VIBHAG)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 3rd June 1981

No. A-2823B/32013(4-Driller)/78-19B—Shri S. M. Sultan, Senior Technical Assistant (Drilling) in the Geological Survey of India is appointed on promotion to the post of Driller in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17th February, 1981, until further orders.

The 4th June 1981

No. 2836B/A-19012(AVPR)/80/19A—Shri A. V. Prasad Rao, is appointed as Administrative Officer in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 28-2-1981, until further orders.

The 6th June 1981

No. 2963B/A-19012(2-AG-GSM)/79/19B—Shri G. S. Mukherjee, Assistant Geophysicist, Geological Survey of India is released w.e.f. 24-12-80 (A.N.) to take up his assignment as Shift Officer with the Mother Dairy, Dankuni on lien for two years in the permanent post of Sr. Tech. Assistant (Geophy.) in this Dep'tt.

No. 2956B/2339(MLC)/19B—Shri M. L. Chatterjee, Officer Surveyor, Geological Survey of India retired on superannuation from the Government Services w.e.f. 30-9-80 (A.N.).

V. S. KRISHNASWAMY
Director General
Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 4th June 1981

No. A-31013/26/79-Estt. A—Shri B. B. Shukla, Hindi Officer, is confirmed in the post of Senior Hindi Translator in the Indian Bureau of Mines with effect from 7-9-80.

D. N. BHARGAVA
Controller
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehradun, the 4th June 1981

No. C-5724/594—Shri B. B. Maji, Technical Assistant (Sel. Gd.) is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (Group 'B' post) Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 19th March 1981 (FN).

K. L. KHOSLA
Lieut. General
Surveyor General of India,
(Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 1st June 1981

No. 5(34)/68-SI—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri N. K. Sebastian, Transmission Executive, All India Radio, Trivandrum as Programme Executive, All India Radio, Trichur in a temporary capacity on an *ad hoc* basis with effect from 14th May, 1981 and until further orders.

No. 6(142)/63-SI—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri S. Nayak, Transmission Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Cuttack as Programme Executive, All India Radio, Cuttack in a temporary capacity on an *ad-hoc* basis with effect from 8th May, 1981 and until further orders.

H. C. JAYAL
Dy. Director of Administration
for Director General

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

FILMS DIVISION

Bombay-26, the 28th May 1981

No. 5/15/70-Est. I—The Chief Producer, Films Division hereby appoints Shri K. S. Sahni, Officiating Superintendent in the Films Division, New Delhi to officiate as Assistant Administrative Officer, on ad-hoc basis in Films Division, New Delhi with effect from the forenoon of 2nd May, 1981 until further orders.

No. A-24013/9/78-Est. I—The Chief Producer, Films Division hereby appoints Shri M. I. Sethi, Permanent S. G. Unit Manager in the Films Division, Bombay to officiate as Production Manager, Films Division, Bombay with effect from the forenoon of 17-2-1981 to 3-4-1981 vice Shri S. P. Chandra Mohan, permanent Production Manager granted leave.

N. N. SHARMA
Administrative Officer
for Chief Producer

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 27th May, 1981

No. 17-35/71-Admn. I—Dr. S. C. Srivastava assumed charge of the post of Biochemist in the Directorate General of Health Services New Delhi on the afternoon of 4th April, 1981.

The 30th May, 1981

CORRIGENDUM

No. A-12025/3/79-(CRI)/Admn. I—In this Directorate's Notification No. A. 12025/3/79 (CRI)/Admn. I, dated the 30-3-1981 for the name "R. Thyagarajan" read "R. Thiagarajan".

T. C. JAIN
Deputy Director Administration (O & M),

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 1st June 1981

No. A. 19023/5/81-A-III—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B') Shri S. C. De, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Dte. at Ongole in the forenoon of 28-4-1981 on regular basis, until further orders.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer, Shri De relinquished charge of the post of Asstt. Marketing Officer at Patna in the afternoon of 23-4-1981.

B. L. MANIWAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser
to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 28th May, 1981

No. PPED/3(283)/76-Admn./6247—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri P. Vasu, a permanent Upper Division Clerk of BARC and officiating Asstt. Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 11, 1981 to the afternoon of June 12, 1981 vice Shri B. K. Harshe, Assistant Accounts Officer proceeded on leave.

R. V. BAJPAI
Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

MADRAS REGIONAL PURCHASE UNIT

Madras-600006, the 8th June 1981

No. MRPU/200(9)/81-Adm.—In partial modification of this office notification of even no. dated 25-4-81 the period of officiating appointment of Shri N. Rajagopalan a permanent Purchase Assistant as officiating Assistant Purchase Officer on adhoc basis may be read as March 26, 1981 FN to May 29, 1981 A.N.

B. D. KAVISHWAR
Pay & Accounts Officer

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500762, the 22nd May 1981

ORDER

No. Ref. NFC/PA. V/2606/3058/1054—WHEREAS it was alleged that :

"ARTICLE I—Shri A. Vijaya Kumar, while functioning as Scientific Assistant (A), Utilities, NFC is alleged to have been indulging in illegal activities and thus received an amount of Rs. 2,950/- (approximate) from Shri S. Subba Rao and Shri S. Purnachander Rao, under false promise that he would secure employment to Shri Purnachander Rao as Boiler Operator in NFC by using his influence and ;

Further issued false and forged call letter for interview to Shri S. Purnachander Rao and ;

Further conducted interview posing himself as an authorised officer of NFC and thereby cheated Shri Purnachander Rao ex-employee of M/s Bhagyanagar Silks, Hyderabad ;

By his aforesaid actions, Shri Vijaya Kumar committed acts of misconduct contravening Rule 3(1)(i) and 3(1)(iii) of CCS (Conduct) Rules, 1964.

ARTICLE-II—Shri A. Vijaya Kumar, Scientific Assistant (A) Utilities, NFC has been remaining absent from duty from 12-6-80 unauthorisedly and causing dislocation of work.

By his aforesaid action, Shri Vijaya Kumar committed an act of misconduct contravening Rule 3(1)(ii) and 3(1) (iii) of CCS (Conduct) Rules, 1964." ;

AND WHEREAS the said Shri Vijaya Kumar was informed of the Charges and action proposed to be taken against him, vide memorandum No. NFC/PA. V/2606-3485 dated 28-12-80 ;

AND WHEREAS the memorandum dated 28-12-80 sent by Registered post A.D. to his local address at H. No. 397/2, Rifle Range, Secunderabad-500025 was received by the said Shri Vijaya Kumar ;

AND WHEREAS the said Shri Vijaya Kumar received the memorandum of charges but failed to submit his written statement of defence ;

AND WHEREAS the undersigned considered that an Inquiry should be held to inquire into the charges framed against the said Shri Vijaya Kumar ;

AND WHEREAS an Inquiry Officer was appointed on 1-2-81 to inquire into the charges framed against the said Shri Vijaya Kumar,

AND WHEREAS the order No. NFC/PA. V/2606/3058/290 dated 1-2-81 appointing Inquiry Officer and order No. NFC/PA. V/2606/3058/291 dated 1-2-81 appointing Presenting Officer sent to his local address viz. H. No. 397/2, Rifle Range, Secunderabad-500025 were returned undelivered by postal authorities with the remark "party out station, 7 days Ab. R/S";

AND WHEREAS the Inquiry Officer held the proceedings ex-parte on 8-4-81, as the communications sent by him were returned undelivered by postal authorities and it was not reasonably practicable to serve them on the said Shri Vijaya Kumar;

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case including the inquiry report dated 8-4-81, holds the charges as proved and has come to the conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Vijaya Kumar ;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under clause(b) to sub-rule (2) of rule 12 of CCS (CC & A) Rules, 1965 read with DAE Order No. 22(i)/68-

Adm. II dated 7-7-79, hereby removes the said Shri A. Vijaya Kumar from service with immediate effect

N. KONDAL RAO,
Chief Executive.

Encl. : Inquiry Report

Shri A. Vijaya Kumar
397 /2, Rifle House Range
Secunderabad-500 025

Shri A. Vijaya Kumar
S/o A. Eswaraiah
Near Sub-Station
Post Ramavaram
Khammam District

Hyderabad-500762, the 28th May 1981

No. PAR/0704/2623—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex appoints Sri Bh. L. G. Sastry, an industrial temporary Stenographer (SG) to officiate as Assistant Personnel Officer, against a leave vacancy in Nuclear Fuel Complex from 13-5-1981 to 15-6-1981, or until further orders, whichever is earlier.

G. G. KULKARNI,
Sr. Administrative Officer,

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500016, the 3rd June, 1981

No. AMD-8(1)/81-Rectt.:—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Som Nath Sachdeva, permanent Assistant and officiating Hindi Translator in the Atomic Minerals Division to officiate as Assistant Personnel Officer in the same Division with effect from 29-4-1981 to 12-6-1981 vice Shri J. R. Gupta, Assistant Personnel Officer granted leave.

The 4th June 1981

No. AMD-4(15)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri J. D. Singh permanent Tradesman 'F' and officiating Tradesman 'G' as Scientific Officer SB in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1981 until further orders.

The 8th June 1981

No. AMD-4(15)/80-Rectt.:—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri V. K. Duggal, permanent Draftsman 'C', as Scientific Officer SB in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1981 until further orders.

M. S. Rao
Sr. Administrative & Accounts Officer.

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 3rd June 1981

Ref : HWPs/R-1/OP/4306—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Kochuthundiyil Thomas, a permanent Lower Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office in a temporary capacity, on adhoc basis, from March 9, 1981 (FN) to April 18, 1981 (AN) vice Smt. K. P. Kallyanikutty, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer.

R. C. KOTIANKAR
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560009, the 13th April, 1981

No. 10/3(29)/80-CED(H)—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore is pleased to appoint Shri S. Chandrachoodan Pillai, as Assistant Accounts Officer in the Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore in a temporary capacity with effect from November 28, 1980.

The 18th April 1981

No. 10/3(24)/80-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore is pleased to appoint Shri A. P. Raman, as Assistant Accounts Officer in the Civil Engineering Division, Department of Space, Sriharikota in a temporary capacity with effect from the forenoon of November 13, 1980.

H. S. RAMA DAS,
Administrative Officer-I,
for Chief Engineer

Bangalore-560009, the 4th June 1981

No. 9/25/81-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore is pleased to appoint Shri B. S. Jagadeesha Chandra as Engineer SB in Civil Engineering Division, Department of Space in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 1, 1981 and until further orders.

M. P. R. PANICKER,
Administrative Officer-II,
for Chief Engineer

Bangalore-560009, the 27th April 1981

No. 6/2/81-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to promote the undermentioned officers of the Civil Engineering Division of the Department of Space to posts as indicated against each with effect from the forenoon of April 1, 1981 in an officiating capacity and until further orders:—

Sl. No.	Name	Posts & Grade from which promoted	Post & Grade to which promoted
1.	Sh. T. Chandrasekharaiyah	Tech. Assistant-C	Engineer-SB
2.	Sh. M. G. Sridhar Rao	Draughts- man-E	Engineer-SB

The 11th May 1981

No. 9/35/81-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to appoint Shri N. Prabhakaran Nair to officiate as Assistant Accounts Officer on promotion in the Civil Engineering Division, Department of Space, Bangalore with effect from the forenoon of May 4, 1981 and until further orders.

M.P.R. PANICKER
Administrative Officer-II

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore-560058, the 16th April 1981

No. 020/3(061)/A/80.—Controller ISRO Satellite Centre is pleased to appoint Shri Stephen Saro as Assistant Canteen Manager at ISRO Satellite Centre, with effect from the forenoon of February 6, 1981 in an officiating capacity and until further orders.

S. SUBRAMANYAM,
Administrative Officer-II

ISRO HEADQUARTERS

Bangalore 560009, 26th May 1981

No. HQ-ADMN./12-25.—The Scientific Secretary, ISRO, ISRO Headquarters, Department of Space, is pleased to appoint the under-mentioned officers of the Indian Space

Research Organisation in ISRO Headquarters, Bangalore, of the Department of Space to post and with effect from the forenoon of the dates, as indicated against each, in an officiating capacity and until further orders:—

Sl. No.	Name and designation of the officer	Post to which appointed	Date
1.	Shri K. Ramu, Accounts Assistant 'B'	Assistant Accounts Officer	15-4-1981
2.	Shri M. Srinivasa Rao, Accounts Assistant 'B'	Assistant Accounts Officer.	21-4-1981

N. V. G. WARRIER,
Administrative Officer,
for Scientific Secretary

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 23rd May 1981

No. A. 32013/10/80-EC.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Maheshwari, Communication Officer, DGCA(HQ), New Delhi to the grade of Senior Communication Officer on ad-hoc basis with effect from 13-3-81 (FN) for a period of six months and to post him in the same office.

No. A. 32014/5/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following three Technical Assistants to the grade of Assistant Technical Officer on regular basis w.e.f. the date indicated against each:—

S. No.	Name	Present Stn. of posting	Stn. to which transferred	Date of taking over charge.
S/Shri				
1.	K. R. K. Sharma	Aero. Comm. Stn. Bombay	Aero Comm. Stn. Bombay	21-4-81 (FN)
2.	J. S. Narula	Aero Comm. Stn. Bombay	Aero Comm. Stn. Bombay	21-4-81 (AN)
3.	G. L. Akolkar	Aero. Comm. Stn. Bombay	Aero Comm. Stn. Bombay	21-4-81 (FN)

PREM CHAND,
Assistant Director of Administration

FOREST SURVEY OF INDIA

Dehradun-248001, the 8th June 1981

No. 4-9/79-Adm.—Shri G. C. Srivastava, Accounts Officer belonging to the Cadre of Controller General of Defence Accounts has been relieved of his duties from Preinvestment Survey of Forest Resources, Dehradun (now Forest Survey of India) in the forenoon of 27th May, 1981 and his services have been placed at the disposal of the C.D.A. Pension, Allahabad.

A. B. CHAUDHURI
Director,

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Guntur-4, the 1st May 1981

CENTRAL EXCISE DEPARTMENT

No. 7/81(Estt.)—The following officers, Group-B (Gazetted) retired from service on attaining the age of superannuation with effect from the dates noted against each :—

Sl. No.	Name of the Officer and Designation	Name of the formation.	Date of retirement from service (In the A.N.)
(1)	(2)	(3)	(4)
S/Shri			
1. M. Narasimha Rao, Examiner of Accounts	Hqrs. Office, Guntur.	31-1-81	
2. Syed Mahamood, Superintendent of Central Excise.	Guntur Division.	Do.	

No. 8/81 : Estt.—The following Office Superintendents of Central Excise have been appointed to officiate until further orders in the grade of Administrative Officers/Examiner of Accounts/Asstt. Chief Accounts Officers Group-B (Gazetted) in the Central Excise Collectorate, Guntur. They have assumed charge on the dates noted against each :—

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of assumption of charge
S/Shri			
1. P. Y. N. Sarma, Examiner of Accounts-II.	Hqrs. Office, Guntur.	22-1-81	
2. S. Raghavendra Rao, Asst. Chief Accounts Officer.	Do.	12-1-81	

The 7th May 1981

No. 9/81(Estt.)—Shri G. Devallu, Superintendent of Central Excise, Group-B (Gazetted), Rajahmundry Divisional Office expired on 9-2-1981.

D. KRISHNAMURTI,
Collector

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-400038, the 6th June 1981

No. 11-TR(5)/81.—The President is pleased to appoint Shri Subhabrata Basu, as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta in a temporary capacity w.e.f. 1st April, 1981 (Forenoon) until further orders.

No. 11-TR(2)/74.—Shri P. M. Pendharkar, Supervisor of Workshop Training, Directorate of Marine Engineering Training, Bombay relinquished charge of his post with effect from 6th November 1979 (afternoon) consequent upon acceptance of his resignation.

B. K. PAWAR,
Dy. Director General of Shipping

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION
(DEPARTMENT OF SUPPLY)

NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE

Calcutta-27, the 4th June 1981

No. G-65/B(Con.).—The Director General, National Test House, Alipore, Calcutta, has been pleased to appoint Shri P. K. Dutta, Scientific Assistant (Electrical), National Test House, Calcutta as Scientific Officer (Elect.) in the same office on an ad hoc basis with effect from 15-4-1981 (F.N.).

A. BANERJEE,
Deputy Director (Admn.),
for Director General

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)

COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of Allied Traders
Private Limited*

Madras-600006, the 22nd June 1974

No. 165/560/74.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Sec. 560 of the Companies Act 1956 that the name of Allied Traders Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of Vijayalakshmi
Transports Private Limited*

Madras-600006, the 10th September, 1970

No. 3733/70.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Sec. 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Vijayalakshmi Transports Private Limited has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of Nidur
Mayuram Transport Company Private Ltd.*

Madras, the 20th February 1975

No. DN/5653/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560(3) of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Nidur Mayuram Transport Company Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of Akkur Draviya
Nidhi Private Ltd.*

Madras, the 27th July 1971

No. DN/138/71.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560(3) of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Akkur Draviya Nidhi Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of Ganga Paper
Stores Private Ltd.*

Madras, the 27th July 1971

No. DN/774/71.—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560(3) of Companies Act, 1956 that at the

expiration of three months from the date hereof the name of Ganga paper Stores Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Pudumai Padippaham Private Ltd.

Madras, the 22nd December 1975

No. DN/2126/560/81—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560(3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Pudumai Padippaham Private Ltd. unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Kwality Ceramics Private Ltd.

Madras, the 30th July 1977

No. DN/4142/560(3)/77—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560(3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Kwality Ceramics Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Bathrakali Bus Service Private Ltd.

Madras, the 13th March 1975

No. DN/4579(3)/75—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560(3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Bathrakali Bus Service Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Burmah Shell Supervisory Staff Association Ltd.

Madras, the 6th March 1971

No. DN/5369/71—Notice is hereby given pursuant to sub-sec. (3) of Sec. 560(3) of Companies Act 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Burmah Shell Supervisory Staff Association unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Indian Industrial Company Limited

Madras, the 3rd June 1981

No. DN/910/560(3)81—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Indian Industrial Company Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Arokiamatha Benefit Funds Private Limited

Madras, the 3rd June 1981

No. DN/5466/560(3)/81—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, 22—126 GI/81

that at the expiration of three months from the date hereof the name of Arokiamatha Benefit Funds Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Tractor Discs Private Limited

Madras, the 3rd June 1981

No. DN/6209/560(3)/81—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Tractor Discs Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Tamilnadu Construction Company Private Limited

Madras, the 3rd June 1981

No. DN/6352/560(3)/81—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Tamilnadu Construction Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Lakshmi Supplies and Services Private Limited

Madras, the 3rd June 1981

No. DN/6726/560(3)/81—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Lakshmi Supplies & Services Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Hotel Chennai Private Limited

Madras, the 3rd June 1981

No. DN/7008/560(3)/81—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Hotel Chennai Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of Companies Act 1956 and of Lakshmi Agricultural Enterprises Private Limited

Madras, the 3rd June 1981

No. DN/6988/560(3)/81—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Lakshmi Agricultural Enterprises Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE
Asst. Registrar of Companies,
Tamil Nadu, Madras.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Bellary Minerals Private Ltd.

Bangalore, the 6th June 1981

No. 1992/560/81-82—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Bellary Minerals Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Fatheysons Private Ltd.

Bangalore, the 6th June 1981

No. 2262/560/81-82—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Fatheysons Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s Rajahans Papers Private Ltd.

Bangalore, the 6th June 1981

No. 2794/560/81-82—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Rajahans Papers Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI,
Registrar of Companies,
Karnataka, Bangalore.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

Allahabad, the 30th May 1981

CORRIGENDUM

F. No. 81(C) IAC/Tech/80-81—Income tax Act, 1961—Section 123(1) & (2)—Jurisdiction of IACs of Income Tax—CIT Allahabad Charge—Notification dated 25-5-81 Corrigendum of—

In the schedule attached with this Office Notification dated 25-5-1981 made under Section 123(1) & (2) of I.T. Act, 1961,

circulated under endorsement F. No. 81(C) IAC/Tech/80-81 dated 25-5-1981.

For the word
Read

"Faizabad"
A—Ward Faizabad
&
B—Ward Faizabad.

HIRA SINGH,
Commissioner of Income Tax

Shillong-793001, the 8th June 1981

In pursuance of provision Sub-section (I) of Section 287 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government being of opinion that it is expedient in public interest to do so, and in exercise of the powers conferred on me by the Central Government in this behalf, I hereby publish the names and other particulars hereinafter specified of persons assessed in this Charge who are in default of tax of Rs. 1,00,000/- or more as on the last day of the financial year 1980-81.

Sl. No.	Names & Addresses of the Assessee	Amount in default
1.	M/s. Sharma Trading Corporation, Jorhat, Assam.	Rs. 2,47,941/-
2.	Shri Durgadutta Sharma, C/o. M/s Sharma Trading Corporation, Jorhat, Assam.	Rs. 8,37,424/-
3.	Sheikh Mohammed Nawab, Jorhat, Assam.	Rs. 1,50,625/-
4.	M/s. Mangal Chand Ramkumar & Co., Dibrugarh, Assam.	Rs. 1,66,457/-
5.	Sardar Gurbachan Singh, C/o Ramkrishna & Co., B-26, Kailash Colony, New Delhi-48.	Rs. 1,43,202/-
6.	M/s. H. P. Kar & Sons (P) Ltd. Digboi, Assam.	Rs. 2,34,346/-
7.	M/s Bridge & Building Corporation (P) Ltd. Gauhati, Assam.	Rs. 3,13,197/-
8.	Late C. S. Kakoty, Golaghat, Assam.	Rs. 1,85,000/-
9.	Shri Bajranglal Agarwalla, Tinsukia, Assam.	Rs. 2,09,235/-
10.	Shri J. Raju, Premnagar, Manipur, Imphal.	Rs. 4,34,970/-

L. M. PRASAD,
Commissioner of Income-tax,
North Eastern Region,
Shillong.

FORM ITNS

(1) Shri Anoop Singh S/o Sh. Pritam Singh
R/o Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Sukhjit Starch & Chemical Limited,
Phagwara.

(Transferee)

(3) As per Sr. No. 2 above.

(Persons in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 6th May 1981

Ref. No. A. P. No. 2620—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Phagwara

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1612 of Sept. 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 6-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 6th May 1981

Ref. No. A. P. No. 2621—Whereas, I R. GIRDHAR

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Phagwara (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara on Sept. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Anoop Singh S/o Sh. Pritam Singh
R/o Phagwara.

(Transferor)

- (2) Shri Sukhjit Starch & Chemicals Limited,
Phagwara.

(Transferee)

- (3) As per Sr. No. above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1646 of Sept. 1980 of the Registering Authority, Phagwara.

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1981

Seal :

FORM NO. LT.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 4th May 1981

Ref. No. A. P. No. 2622—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing *

No. As per Schedule situated at Sukhera Basti, Abohar. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar on Sept. 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Sham Sunder S/o Sh. Ram Rakha Mal
R/o H. No. 7589-90, Sukhera Basti, Abohar.
(Transferor)
- (2) Shri Wazir Chand S/o Sh. Mangat Ram,
R/o Vill. Kutharian Teh. Fazilka.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1940 of Sept., 1980 of the Registering Authority, Abohar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 4-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th May 1981

Ref. No. A. P. No. 2623.—Whereas I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Hind Samachar Street, Jullundur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lt. Col. Charanjit Singh S/o Sh. Kesar Singh r/o 118, New Jawahar Nagar, Jullundur. (Transferee)
- (2) Shrimati Bimla Wd/o Sh. Ram Labhaya, r/o NL-175, Mohalla Mohindru, Jullundur.
- (3) As S. No. 2 above and
 - 1. Royal Medicos, Hind Samachar Street, Jullundur.
 - 2. Upkar Medicos, Hind Samachar Street, Jullundur.
 - 3. J.S. Medicos, Hind Samachar Street, Jullundur.
 - 4. V.K. Medical Agencies, Hind Samachar Street, Jullundur.
 - 5. Paramount Pharmaceutical House, Hind Samachar Street, Jullundur.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
 - (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration salo deed No. 4125 of Sept. 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-5-81

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th May 1981

Ref. No. A. P. No. 2624—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Hind Samachar Street, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(1) Lt. Col. Charanjit Singh S/o Sh. Kesar Singh, r/o 118 New Jawahar Nagar, Jullundur.

(Transferor)

(2) Shri Anup Kumar S/o Late Shri Ram Labhaya r/o NL-175, Mohalla Mohindru, Jullundur.

(Transferee)

(3) As per s. No. 2 above and 1. Royal Medicos, (2) Upkar Medicos. (3) J. S. Medicos. (4) V. K. Medical Agencies, (5) Paramount Pharmaceutical House, Hind Samachar Street, Jullundur.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned, knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4127 of Sept. 80 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-5-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

FORM ITNB**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th May 1981

Ref. No. A. P. No. 2625—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Malout

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Malout on Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Satinder Pal Singh S/o Jagtar Singh
R/o Ch. Het Ram Basti, Malout.

(Transferor)

(2) Shri Varinder Singh S/o Nazar Singh,
R/o Ch. Het Ram Basti, Malout.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1078 of Sept., 1980 of the Registering Authority Malout.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range. Jullundur.

Date : 14-5-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 14th May 1981

Ref. No. A. P. No. 2626—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Faridkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot on Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kehar Singh S/o Niber Singh
r/o Harinder Nagar, Faridkot.
(Transferor)
- (2) Shri Jagdish Rai S/o Nathu Ram, Prop., Jagdish Industries, Faridkot., and, Smt. Ratten Devi W/o Sh. Nathu Ram & Satish Rai S/o Nathu Ram of Industries, Faridkot.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other persons interested in the property.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 2169 of Sept., 1981 of the Registering Authority, Faridkot.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-persons, namely:—
23—126 GI/81

Date : 14-5-1981.

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 15th May 1981

Ref. No. A. P. No. 2627—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at V. Chana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar on Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Rajinder Lal S/o Milkhl
r/o Village Chanian Tehsil Nakodar Distt.
Jullundur.
(Transferor)
- (2) Shri Gurdas Ram S/o Bhola Ram
V. & P. O. Guna Tehsil Nakodar,
Distt. Jullundur.
(Transferee)
- (3) As per S. No. 2 above.
(Persons in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 1715 of Sept., 1980 of the Registering Authority, Nakodar.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1981.
Sael :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 15th May 1981

Ref. No. A. P. 2628—Whereas, I, R. GIRDHAR,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding,
Rs. 25,000/- and bearing

No. as per schedule situated at Basti Sheikh, Jullundur.
(and more fully described, in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer
at Jullundur on Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shrimati Chand Rani W/O Ram Lal,
House No. W.A. 50,
Guru Bazar, Jullundur.
(Transferor)
- (2) The Jullundur Shakti Co-operative Housing Building
Society Ltd., Jullundur.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows
to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration Sale Deed No. 4175 of Sept., 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-****TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 15th May 1981

Ref. No. A. P. No. 2629—Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing

No. as per schedule situated at G.T. Road, Jullundur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur, on Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhag Singh S/o Mehr Singh r/o Garden House, GT Road, Jullundur through Shri Saranjit Singh S/O Avtar Singh, House No. 1018, Sector 27-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Smt. Surinder Kaur W/O Mehr Singh and Sohan Singh S/O Atma Singh, r/o 228, Mota Singh Nagar, Jullundur.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 4046 of Sept., 1980 of the Registering Authority, Jullundur.

R. GIRDHAR,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-1981

Seal :

FORM LT.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX****ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR**

Jullundur, the 15th May, 1981

Ref. No. A. P. 2630—Whereas, I, R. GIRDHAR,
 being the Competent Authority
 under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
 believe that the immovable property, having a fair market
 value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. as per schedule situated at V. Bharu
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer
 at Gidherbah on Sept., 1980
 for an apparent consideration which is less than the fair market
 value of the aforesaid property, and I have reason to believe
 that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
 the apparent consideration therefor by more than fifteen per
 cent of such apparent consideration and that the consideration
 for such transfer as agreed to between the parties has not been
 truly stated in the said instrument of transfer with the object
 of :—

- (1) Dr. Kewal Krishan S/O Sh. Vir Chand r/o Gidherbah
 Tehsil Muktsar Faridkot.
 (Transferor)
- (2) Shri Kulwant Rai, Ved Pal, Harmesh Kumar
 S/o Radha Ram C/O M/S Hari Chand Radha Ram,
 Gidherbah Tehsil Muktsar Distt. Faridkot.
 (Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
 (Persons in occupation of the Property)
- (4) Any other person interested in the property
 (Person whom the undersigned knows
 to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration Sale Deed No. 863 of Sept., 80 of the Registering Authority, Gidherbah.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

R. GIRDHAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-81.
 Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur the 15th May, 1981

Ref. No. A.P. No. 2631—Whereas, I R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at V. Bharu (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Giderbah on Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Dr. Kewal Krishan S/O Sh. Vir Chand r/o Giderbah Tehsil Muktsar Distt. Faridkot.
(Transferor)
- (2) Shri Mohan Lal, Ram Gopal & Birbal Dass S/o Hari hand C/O M/S Hari Chand Radha Ram, Gidherbah Tehsil Muktsar, Distt. Faridkot.
(Transferee)
- (3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned, knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property & Persons as mentioned in the registration sale deed No. 900 of Sept., 1980 of the Registering Authority, Giderbah.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

Date : 15-5-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur the 14th May, 1981

Ref. No. A. P. No. 2632—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Ferozepur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ferozepur on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sher Singh, Gurwant Singh Alias Kala Singh, Lakhmir Singh SS/o Sh. Anup Singh & S/Sh. Sukhdev Singh, Satnam Singh SS/o Sh. Mohinder Singh R/o Basti Bhattianwali, Ferozepur City.
 (Transferor)
- (2) The Railway Mazdoor Co-operative House Building Society Limited.
 No. 854, Ferozepur Through Sh. Sunder Singh, President, Yash Paul Chopra, Vice President, Subhash Chander, Santosh Kumar R/o Ferozepur City.
 (Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 3684 of Sept., 1980 of the Registering Authority, Ferozepur.

R. GIRDHAR
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Jullundur.

Date : 14-5-1981
 Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur the 13th May, 1981

Ref. No. A. P. No. 2633—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kapurthala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ranjit Singh, Ujal Singh SS/o Sh. Kartar Singh, Kapurthala.
(Transferor)
- (2) Shri Satnam Singh S/o Sh. Santokh Singh R/o Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1933 of 29-9-1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 13-5-1981

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Ujal Singh S/o Sh. Kartar Singh,
R/o Kapurthala.
(Transferor)
- (2) Shrimati Amrit Kaur, W/o Sh. Santokh Singh,
R/o Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, dated the 13th May, 1981

Ref. No. A. P. No. 2634.. Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Kapurthala (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kapurthala on Sept., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1934 of Sept., 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur,

Date : 13-5-1980

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
24—126 GI/81

FORM I.T.N.S.**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur the 13th May, 1981

Ref. No. A. P. No. 2635—Whereas, I, R. GIRDHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at Kapurthala.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kapurthala on Oct. 1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ujal Singh S/o Sh. Kartar Singh,
R/o Kapurthala.
(Transferor)
- (2) Shrimati Amrit Kaur W/o Sh. Santokh Singh,
R/o Kapurthala.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 1986 of Oct., 1980 of the Registering Authority, Kapurthala.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1980
Seal :

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 14th May 1981

Ref. No. A. P. No. 2636 Whereas, I, R. GIRDHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. As per Schedule situated at Jallalabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Fazilka on Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Fateh Chand S/o Sh. Tula Ram
R/o Jallalabad (West),
Distt. Ferozepur.
(Transferor)
- (2) Shri Chiman Lal,
Ami Chand SS/o Sh. Munshi Ram, Sh. Harbhagwan
S/o Sh. Guraditta,
R/o Resident of Jallalabad (West),
Distt. Ferozepur.
(Transferee)
- (3) As per Sr. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)
- (4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registration sale deed No. 2179 of Sept., 1980 of the Registering Authority, Fazilka.

R. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur.
Date : 14-5-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Kaushalya W/O Sh. Kesar Dass
R/O B-VI/300, Mohalla Piryi, Rohtak.

(Transferor)

(2) Shri Suraj Parkash,
Dev Raj Balwant Rai
and Satish Kumar ss/o Sh. Gurbaksh Ram,
R/O B-II/1140, Chameli Market, Rohtak.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 13th May 1981

Ref. No. RTK/30/80-81—Whereas, G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. B-II/593 (New M.C. No. 279/W-8) situated at Sarla Mohalla Rohtak

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rohtak in Oct., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being House No. B-II/593 (New M.C. No. 279/W-8) situated at Sarla Mohalla, Rohtak and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2982 dated 6-10-80.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date : 13-5-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Sh. Lal Chand S/o Saudagar Mal,
Kaithal

(Transferor)

(2) (i) Shr. Krishan Lal,
(ii) Sh. Ramesh Lal S/o Sh. Tara Chand,
House No. 238/4, Dogra Mohalla,
Kaithal

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 13th May 1981

Ref. No. KTL/9/80-81—Whereas, I, G.S. GOPALA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 238, Mohalla Dogran situated at Kaithal (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kaithal in Sept., 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being house No. 238 Mohalla Dogran, Kaithal and as more mentioned in the sale deed registered at No. 2620 dated 17-9-80 with the Sub Registrar, Kaithal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 13-5-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Ganesh Dass S/o Sh. Tokan Dass
R/o H. 3G/175, NIT, Faridabad.

(Transferor)

(2) Smt. Urmila Devi W/o Sh. Om Parkash,
R/o H. No. 3F-69, NIT Faridabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
 COMMISSIONER OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 13th May 1981

Ref. No. BGR/91/80-81.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 3F-175, NIT situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Oct. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being house No. 3-G-175, NIT, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 7720 dated 16-10-1980 with the Sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range, Rohtak

Date : 13-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 13th May 1981

Ref. No. BGR/51/80-81—Whereas, I, G.S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 43 Sector-16, situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ballabgarh in Sept. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri M. L. Gandhi
House No. 5-H-53 NIT, Faridabad.
(Transferor)
- (2) Shri Kawal Krishan Kapoor,
H. No. 43, Sector-16,
Faridabad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being House No. 43 Sector 16, Faridabad and as more mentioned in the sale deed registered at No. 6764 dated 16-9-80 with the sub Registrar, Ballabgarh.

G. S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, dated the 13th May, 1981

Ref. No. JDR/54/80-81—Whereas, I G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

shops (three storeyed) Situated at Jagadhari Road, Yamunanagar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in Sept. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Shakuntla Devi Lamba W/O
Shri Surinder Nath Lamba, Model Town,
Yamunanagar.

(2) Shri Jagdish Chander S/O Sh. Gurditta Mal
House No. 406, Model Town,
Yamunanagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being three storeyed shops (including basement) situated Jagadhari Road, Yamunanagar and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3442 dated 15-9-80 with the Sub Registrar, Jagadhari.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, dated the 13th May, 1981

Ref. No. PNP/32/80/81—Whereas, I G.S. GOPALA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Industrial plot with building Situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in Sept. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
25—126 GI/81

(1) S/Sh. Om Parkash, Mohan Lal, Suraj Parkash sons of Sh. Chiranjit Lal, Vill. & P. O. Padampur Distt. Ganga Nagar (Rajasthan)

(Transferor)

(2) M/S Shivalika House, Furnishing, Panipat through Sh. Suresh Kumar S/O Hakim Ram, 699-L, Model Town, Panipat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property being building with Industrial plot situated at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3278 dated 17-9-80 with the Sub Registrar, Panipat.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date : 13-5-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Sh. Sham Lal S/O Sh. Ram Lubhy a,
R/O 483, Booriya Teh. Jagadhari.

(Transferor)

(2) Smt. Bharti W/O Sh. Madan Lal,
136-L, Model Colony,
Yamunagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, dated the 13th May, 1981

Ref. No. JDR/62/80-81—Whereas, I G.S. GOPALA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property being residential house Situated at Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property being residential house measuring 100 sq. yards situated at Jagadhari and as more mentioned in the Sale deed registered at No. 3338 dated 1980 with the Sub Registrar Jagadhari.

G.S. GOPALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 8th May 1981

Ref. No. KHR/17/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House Property No. 582C, situated at Phase-III, B-I, Mohali, Teh. Kharar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kharar in Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (1) Smt. Jasbir Kaur W/o Shri Dewan Singh, R/o House No. 70, Sec. 21A, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Didar Singh S/o Shri Bhajan Singh, House No. 582C, Phase-3-BI, Mohali, Teh. Kharar, Distt. Ropar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 582C, Phase 3-B-I, Mohali, Teh. Kharar, Distt. Ropar.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3358 of Sept. 80 of the Registering Authority, Kharar)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th May 1981

Ref. No. PTA/57/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half share in House No. 7407/5, situated at Sewak Colony, Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala, in Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Sajjan Singh S/o Sh. Bhanta Singh, self and General Attorney Holder of S/Shri Sukhdev Singh, Baldev Singh & Kewal Singh ss/o Sh. Sajjan Singh R/o House No. 7407/5, Sewak Colony, Patiala. (Transferor)
- (2) Shri Jagtar Singh S/o Shri Inder Singh, 10-Y, Yadvindra Colony, Patiala. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Half portion of House No. 7407/5, Sewak Colony, Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 4227 of Sept. 80 of the Registering Authority, Patiala)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th May, 1981

Ref. No. PTA/56-80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of House No. 7407/5, situated at Sewak Colony, Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Sajjan Singh S/o Sh. Bhanta Singh, self and General Attorney holder of his sons S/shri Sukhdev Singh, Baldev Singh & Kewal Singh, R/o House No. 7403/5, Sewak Colony, Patiala.
(Transferor)

- (2) Shri Chaonkaur Singh S/o Shri Inder Singh, 10-Y, Yadvindra Colony, Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of House No. 7407/5, Sewak Colony, Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 4226 of Sept., 80 of the Registering Authority, Patiala)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th May, 1981

Ref. No. CHD/225/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1596, situated at Sector 36D, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Commdr. Balwant Singh S/o Sh. Gurbakhsh Singh R/o V. Atiana, Distt. Ludhiana.
(Transferor)
- (2) 1. Sh. Kailash Nath Kohli s/o Sh. Girdhari Lal Kohli,
2. Smt. Neelam Kohli W/o Sh. K. N. Kohli, R/o 620, Sector 36B, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot N. 1596, Sector 36D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1317 of Sept., 80 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th May, 1981

Ref. No. SLN/4/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Five shops built on land measuring 127 sq. meters in Khasra No. 18/3/2/2/2/1, situated at The Mall, Solan. (and more fully described in the Schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Solan in Sept., 1980 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Om Parkash Bansal,
Bansal Estate, Solan.

(Transferor)

(2) Smt. (Birma) Bindra Devi W/o Thakur Prem Singh,
The Mall, Solan.

(Transferee)

(3) 1. Mrs. Lal Chand
2. M/s Solan Photostat
3. M/s Anand Himachal Book House,
4. M/s Kiran Studio
The Mall, Solan.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Five shops constructed over plot measuring 127 sq. meters in Khasra No. 18/3/2/2/2/1, The Mall, Solan.

(The property as mentioned in the sale deed No. 356 of Sept., 80 of the Registering Authority, Solan)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th May, 1981

Ref. No. CHD/291A/80-81 —Whereas I,
SUKHDEV CHAND
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 622, situated at Sector 20A, Chandigarh.
and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Joginder Kaur
W/o Gurdev Singh &
Smt. Jagdev Kaur W/o Sh. Tarlok Singh,
R/o House No. 2239, Sec. 22C, Chandigarh.
(Transferor)

(2) Shri Mangat Rai Baboota
R/o H. No. 622,
Sec. 20A, CHD
Smt. Parveen Baboota W/o Mangat Rai Baboota R/o
House No. 1251, Sec. 21B, Chandigarh.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 622, Sec. 20A, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No 1614 of Nov., 80 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) S/Shri Ram Kishore,
Sham Sunder, Bansi Lal &
Hari Ram, Marina Hotel, Simla.

(Transferor)

(2) Smt. Sudha Mahajan & Sh. Dharam Vir Gupta,
Ellingham Lodge, Simla-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 8th May, 1981

Ref. No. SML/17/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rookville Cottage situated at Station Ward, Chhota Simla. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in Sept., 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Rookville Cottage, Station Ward, Chhota Simla.

(The property as mentioned in the sale deed No. 872 of Sept. 80 of the Registering Authority, Simla)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-1981
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
26—126 GI/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Jagjit Singh S/o Shri Jai Singh,
R/o Village Nandpur, Teh. & Distt. Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Avtar Singh S/o Shri Maghar Singh, R/o
V. Nandpur, Teh. & Distt. Ludhiana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th May, 1981

Ref. No. LDH/R/80-81—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 11 Kanal 11 Marlas situated at V. Nandpur, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesigned exceeds the apparent consideration therefor by more than that fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

THE SCHEDULE

Land measuring 11 Kanals 11 Marlas at V. Nandpur, Teh. & Distt. Ldh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4857 of Oct., 80 of the Registering Authority, Ludhiana (Rural))

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Shri Harbhajan Singh S/o Shri Jai Singh,
R/o V. Nandpur, Teh. & Distt. Ludhiana.
(Transferor)
(2) Shri Balwinder Singh S/o Sh. Maghar Singh,
R/o V. Nandpur, Teh. & Distt. Ludhiana.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, dated the 8th May, 1981

Ref. No. LDH/R/62/80-81—Whereas I,
SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11 kanals 11 Marlas situated at V. Nandpur, Teh. Distt. Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 11 Kanals 11 Marlas at V. Nandpur, Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4858 of Oct., 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****ACQUISITION RANGE LUDHIANA**

Ludhiana, the 8th May, 1981

Ref. No. KNN/32/80-81—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 3 kanals situated Khanna Kalan, Distt. Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Shah Financiers & Lucky Scheme Pvt. Ltd., Ludhiana through Sh. Lal Chand Kalra, Manager Director

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Nath S/o Sh. Banarsi Dass & Shri Brahmdev S/o Sh. Dharam Pal & Smt. Raksha Rani D/o Sh. Labu Ram, residents of Khanna Kalan, Teh. Khanna.

(Transferee)

(3)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kanals at Khanna Kalan, Teh. Khanna.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1451 of Sept., 80 of the Registering Authority, Khanna)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th May 1981

Ref. No. KNN/33/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 3 Kanals situated at Khanna, Distt. Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khanna in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) M/s Nankana Sahib Finance Pvt Limited Ludhiana, through Sh. Lal Chand Kalra, Manager Director. (Transferor)
- (2) Shri Mohinder Nath S/o Sh. Banarsi Dass S/o Shri Walaiti Ram, R/o Chandla Market, Khanna Kalan, Tehsil Khanna. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 3 Kanals at Khanna, Teh. Khanna Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1450 of Sept., 80 of the Registering Authority, Khanna)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-1981
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th May 1981

Ref. No. CHD/228/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 1532, situated at Sector 36D, Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sqn. Ldr. Mohinder Singh Bhalla S/o Sh. Bawa Vir Singh,
R/o A-1, Narain Vihar, Ring Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Sh. Charanjit Singh Dhingra S/o Sh. Manohar Singh,
2. Smt. Ravinder Dhingra W/o Sh. Charanjit Singh,
residents of House No. 1517,
Sec. 36D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1532, Sector 36D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1357 of Sept., 80 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, dated the 8th May, 1981

Ref. No. RKT/1/80-81—Whereas, I SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 17 Kanals 12 Marlas situated at Village Heran, Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raikot, in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sajan Singh S/o Shri Amar Singh R/o V. Heran, Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

(2) Shri Darshan Singh S/o Shri Nahar Singh & Shri Dalbara Singh S/o Sh. Mehar Singh, Rs/o V. Baralch, Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 17 Kanals 12 Marlas at V. Heran, Teh. Jagraon.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1466 of Sept., 80 of the Registering Authority, Raikot.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-5-1981
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th May 1981

Ref. No. RKT/2/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 3-9-9 bighas situated at V. Heran, Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raikot in January, 1981

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sajjan Singh S/o Shri Amar Singh R/o Village Heran, Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Darshan Singh S/o Shri Nahar Singh, & Sh. Dalbara Singh S/o Sh. Mehar Singh VPO Baraich, Teh Jagraon, Distt. Ludhiana.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3-9-9-bighas at V. Heran, Teh. Jagraon, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 2181 of Jan., 1981 of the Registering Authority, Raikot,

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-5-1981
Seal]

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th May 1981

Ref. No. LDH/R/43/80-81.—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 31 Kanals 13 Marlas situated at Village Jeewanpur, Teh. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana (Rural) in Sept., 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of theforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration and that the consideration for such transfer parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
27—126 GI/81

(1) Shri Rajinder Singh S/o Shri Gurcharan Singh Grewal through General Attorney Sh. Gurcharan Singh Grewal S/o Shri Katar Singh, R/o Jamalpur Awana, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Harbans Kaur Wd/o Shri Kartar Singh, R/o Village Jeewanpur, Tehsil & Distt. Ludhiana.

(Transference)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 31 Kanals 13 Marlas at V. Jeewanpur, Teh. Ludhiana

(The property as mentioned in the sale deed No. 4418 of Sept., 1980 of the Registering Authority, Ludhiana (Rural)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-5-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th May 1981

Ref. No. LDH/R/44/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No Land measuring 31 Kanals 13 Marlas situated at Village Jeewanpur, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) Has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Hardial Singh
S/o Sh. Gurcharan Singh Grewal
through Sh. Gurcharan Singh S/o Sh. Katar Singh,
R/o Jamalpur Awana, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Harbans Kaur Wd/o Sh. Kartar Singh S/o
Shri Pirthi Singh,
R/o V. Jeewanpur,
Tehsil & Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 31 Kanals 13 Marlas at V. Jeewanpur, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 4419 of Sept., 80 of the Registering Authority, Ludhiana (Rural))

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Labh Kaur D/o Shri Rajinder Singh R/o Mani Majra, UT Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Hira Singh & Labh Singh sons of Shri Rur Singh, R/o Mani Majra, UT Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th May 1981

Ref. No. CHD/229/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 7 Kanals 14 Marlas situated at Mani Majra, UT Chandigarh

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Sept., 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 7 Kanals 14 Marlas at Mani Majra, UT Chandigarh

(The property as mentioned in the sale deed No. 1364 of Sept., 80 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 8th May 1981

Ref. No. SMR/50/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land 82 Kanals 9 Marlas situated at V. Sherpur, Tehsil Samrala, Distt. Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samrala in Sept., 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Manjit Kaur, Manpreet Kaur D/o Sh. Gurdial Singh Sh. Tejinder Singh S/o Kartar Singh Sh. Joginder Singh S/o Sh. Tirath Singh, Rs/o V. Sherpur, Teh. Samrala.

(Transferor)

(2) Shri Raghbir Singh S/o Sh. Karnail Singh, R/o V. Sherpur, Tehsil Samrala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 82 Kanals 9 Marlas at V. Sherpur, Teh. Samrala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 3000 of Sept., 80 of the Registering Authority, Samrala.)

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th May 1981

Ref. No. SMR/53/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 38 kanals 11 marlas situated at V. Khamano Kalan, Teh. Samrala, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Samrala in Sept., 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Ajmer Singh S/o Sh. Bir Singh S/o Sh. Hira Singh, R/o Khamano Kalan, Teh. Samrala.

(Transferor)

(2) Shri Gurnam Singh
S/o Lachman Singh
S/o Sh. Sunder Singh R/o Khamano Kalan,
Teh. Samrala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 38 K 11 M at Khamano Kalan, Teh. Samrala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3180 of Sept., 80 of the Registering Authority, Samrala.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-1981
Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, dated the 8th May 1981

Ref. No. KNN/37/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Landmeasuring 4 kanals 6 marlas situated V. Kauri, Teh. Khanna, Distt. Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Gurdev Singh S/o Sh. Jagta Singh,
V. Kauri, Teh. Khanna, Distt: Ludhiana.
(Transferor)
- (2) S/Shri Devinder Kumar, Sanjiv Kumar
Girdhari Lal & Kishore Lal C/o
M/s Verma Traders, Grain Market, Sirhind.
(Transferee)
- (3) _____
(Person in occupation of the Property)
- (4) _____
(Person whom the undersigned knows to
be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 6 marlas at V. Kauri, Teh. Khanna.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1476 of Sept., 1980 of the Registering Authority, Khanna.)

SUKHDEV CHAND

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, dated the 8th May 1981

Ref. No. KNN/38/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land measuring 4 Kanals 7 marla situated at V. Kauri, Teh. Khanna, Distt. Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Kehar Singh S/o Shri Jagta R/o V. Kauri, Teh. Khanna, Distt. Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Anil Kumar S/o Shri Bansi Lal, R/o Sirhind Mandi.
(Transferee)
- (3) (Person in occupation of the Property)
- (4) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanals 7 marlas at V. Kauri, Teh. Khanna, Distt. Ldh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1477 of Sept., 80 of the Registering Authority, Khanna)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, dated the 8th May, 1981

Ref. No. LDH/R/56/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 52 Kanal 5 Marlas situated at V. Metabgarh, Tehsil Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Sept., 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s Shivpal & Sons through Sh. Shiv Pal, Karta S/o Shri Hari Chand & M/s Yashpal & Sons through Sh. Yashpal, Karta S/o Sh. Hari Chand, residents of Rupa Mistri Street, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Inder Singh S/o Sh. Harnam Singh R/o V. Khanpur, Tehsil Ludhiana now at Chhapar Road, Mandi Ahmedgarh, Distt. Sangrur.

(Transferee)

(3)

(Person in occupation of the Property)

(4)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land 52 Kanal 5 Marlas at V. Metabgarh, Teh. Ludhiana. (The property as mentioned in the sale deed No. 4575 of Sept., 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, dated the 8th May, 1981

Ref. No. LDH/R/67/80-81—Whereas, I
SUKHDEV CHAND
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Land measuring 48 Kanals 14 Marlas situated at V. Metabgarh, Teh. Ludhiana.

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—126 GI/81

(1) M/s Shivpal & Sons through Sh. Shiv Pal & M/s Dharmpal & Sons through Sh. Dharam Pal, Karta residents of Rupa Mistri Street, Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Gurmit Singh, Surjit Singh, Jagdev Singh, sons of Shri Inder Singh, R/O Khanpur, Teh. Ludhiana.

(Transferee)

(3) (Persons in occupation of the Property)

(4) (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 48K 14M at Metabgarh, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 5070 of Oct., 190 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, dated the 8th May 1981

Ref. No. CHD/213/80-81—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 3331, situated at Sector 35D, Chandigarh. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Sept. 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagmohan Singh Kaler
S/o Capt. Narinder Singh
Kaler, R/o Bhago Majra now at show Room No. 29, Sec. 78 Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Shri Gajinder Pal Singh S/o Sh. Satnam Singh, R/o House No. 1065, Sec. 15B, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) 1. Shri V.K. Khurana,
2. Shri Sheshpal
3. Sh. Jeet Ram Sharma all residents of House No. 3331, Sec. 35D, Chandigarh.
(Person in occupation of the Property)
- (4) _____
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 3331, Sector 35D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1182 of Sept., 80 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, dated the 8th May, 1981

Ref. No. CHD/220/80-81—Whereas, I SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Residential Plot No. 1561 situated at Sector 36D, Chandigarh.
(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Brig. Suraj Krishan Kaul S/o Sh. T.K. Kaul, R/o Salaria, Manjil Ram Munshi Bagh, Srinagar (J&K) (Transferor)
- (2) Smt. Daljit Kaur Sahni W/o Sh. Inderjit Sahni, R/o House No. A/2-130, Rajouri Garden, New Delhi. (Transferee)
- (3) (Persons in occupation of the Property)
- (4) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 1561 Sec. 36D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1275 of Sept., 80 of the Registering Authority, Chandigarh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.
Date : 8-5-1981
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th May 1981

Ref. No. KNN/40/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND' being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 12 Kanals 17 Marlas situated at V. Malakpur, Tehsil Khanna, Distt. Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in Sept. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Harnick Singh S/o Sh. Harnam Singh,
R/o V. Malakpur, Teh. Khanna,
Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Kulwinder Singh,
Manpreet Singh & Avtar Singh,
R/o V & PO Rahaun,
Teh. Khanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 12 Kanal 17 Marlas at V. Malakpur, Tehsil Khanna, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1464 of Sept., 1980 of the Registering Authority, Khanna)

SKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-5-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th May 1981

Ref. No. KNN/39/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 12 Kanals 17 Marlas situated at V. Malakpur, Teh. Khanna, Distt. Ludhiana.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurdev Singh S/o Sh. Harnam Singh, R/o V. Malakpur, Teh. Khanna, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Kulwinder Singh, Manpreet Singh & Shri Avtar Singh R/o V&PO Rahoun, Teh. Khanna, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 12 Kanals 1 Marlas at V. Malakpur Teh Khanna.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1493 of Sept., 1980 of the Registering Authority, Khanna).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 8-5-1981
Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Mangat Ram S/o Shri Atra, R/o
V. Boothgarh, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Ishar Singh & Piara Singh sons of
Shri Mangat Ram, R/o V. Meharban,
Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 8th May 1981

Ref. No. LDH/195/80-81. Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 80 kanals situated at V. Susrali, Teh. & Distt. Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 80 Kanals at V. Susrali, Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3187 of Sept., 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Tera Chand S/o Sh. Sham Ram R/o
V. Boothgarh, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Isher Singh & Piara Singh sons of
Shri Mangu Ram R/o V. Meharban,
Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 8th May 1981

Ref. No. LDH/194/80-81.—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Land measuring 79 Kanals 16 Marlas situated at V.

Susrall, Teh. & Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

and measuring 79 K 16 M at V. Susrall, Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3180 of Sept., 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-9181

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHANA

Ludhiana, the 14th May 1981

Ref. No. AML/78/80-81—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 9 Kanal 11 Marlas situated at V. Mugal Majra, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Kirpal Singh S/o Shri Harbans Singh R/o V. Mugal Majra,
P.O. Gobindgarh,
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Industrial Oxygen Company, Pvt. Ltd.,
Mandi Gobindgarh,
Regd. Office at 68, Jolly Maker,
Chamber No. II, Nariman Point,
Bombay 400 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land measuring 9 Kanal 11 Marlas at Mugal Majra, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1306 of Sept., 80 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissiner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 8-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, dated the 14th May, 1981

Ref. No. AML/79/80-81.. Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 8 Kanal 18 marlas situated at V. Muga Majra, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reductions or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
29—126 GT/81

- (1) Shri Harbans Singh S/o Shri Kapoor Singh, R/o V. Mughal Majra, P.O. Mandi Gobindgarh, Distt. Patiala. (Transferor)
- (2) M/s Industrial Oxygen Company, Pvt. Ltd. Mandi Gobindgarh, Regd. Office at 68B Jolly Maker Chamber No. II, Nariman Point Bombay 100 021. (Transferee)
- (3) (Person in occupation of the Property)
- (4) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 8 kanals 18 marlas at V. Mugal Majra Distt. PTA.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1307 of Sept., 80 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-5-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harbans Singh S/o Sh. Kapoor Singh R/o
V. Mugal Majra,
P. Mandi Gobindgarh,
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Industrial Oxygen Company Pvt. Ltd.
Mandi Gobindgarh,
Regd. Office at 68B,
Jolly Maker Chambers No. II,
Nariman Point, Bombay 400 021.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th May, 1981

Ref. No. AML/80/80-81.. Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 1 kanal 2 marlas situated at V. Mugal Majra, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in Sept., 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 1 kanal 2 marla at V. Mugal Majra, Distt. Patiala

(The property as mentioned in the sale deed No. 1308 of Sept. 1980 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th May 1981

Ref. No. AML/81/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 9 kanals 11 marlas situated at V. Mugal Majra, Distt. Patiala,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in Sept. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Rajswinder Singh S/o Sh. Harbans Singh,
R/o V. Mugal Majra,
P. O. Mandi Gobindgarh,
S. Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Industrial Oxygen Company Pvt. Ltd.
Mandi Gobindgarh,
Regd. Office at 58B,
Jolly Maker, Chambers No. II,
Nariman Point,
Bombay-400 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 9 kanals 11 marlas at V. Mugal Majra, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1309 of Sept. 80 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 14th May, 1981

Ref. No. AML/82/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing .

No. Land measuring 8 kanal 7 marlas situated at V. Mugal Matra, Distt. Patiala,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Amloh in Sept. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Sukhdev Singh S/o Shri Harbans Singh,
R/o V. Migal Majra, P. O. Mandi Gobindgarh,
Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Industrial Oxygen Company Pvt. Ltd.,
Mandi Gobindgarh,
Regd. Office at 68B,
Jolly Makers Chambers No. II,
Nariman Point, Bombay 400 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 8 Kanals 7 Marlas at V. Mugal Majra, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1310 of Sept., 80 of the Registering Authority, Amloh)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th May 1981

Ref. No. AML/83/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 9 kanals 11 marlas situated at Mugal Majra, Distt. Patiala,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Amloh in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Gurbachan Kaur W/o Sh. Harbans Singh S/o Sh. Kapoor Singh, R/o V. Mugal Majra, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s Industrial Oxygen Company Pvt. Ltd.
Mandi Gobindgarh,
Regd. Office at 68B, Jolly Maker
Chambers No. 11,
Nariman Point, Bombay-400 021.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land 9 Kanal 11 Marlas at Mugal Majra, Dist. Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 1311 of Sept., 80 of the Registering Authority, Amloh) 

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-5-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th May 1981

Ref. No. PTA/63/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land 7K 5M situated at Tripar Saidan (Patiala) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sh. Joginder Singh s/o Waryam Singh r/o Tripuri Saidan Self and Sh. Ajit Singh s/o Sh. Joginder Singh r/o Tripuri Saidan Subinder Kaur, Khushinder Kaur ds/o Sh. Joginder Singh r/o Tripuri Saidan.
(Transferor)

(2) Sh. Sukhinder Singh s/o Sh. Narinder Singh, Balinder Singh ss/o Sh. Sukhinder Singh r/o 27-D, Model Town, Patiala.
Sh. Jai Lal s/o Sh. Norang Lal and Sakuntla Dev d/o Sh. Norang Lal r/o Model Town, Patiala.
Sh. Kulwant Singh s/o Teja Singh r/o 75/7, Mohalla Mir Kundla Patiala.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property as mentioned in the Registered Deed No. 4347 of September, 1980 of the Registering Authority, Patiala.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-5-1981
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th May 1981

Ref. No. RAJ/11/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of Plot No. 39, situated at Industrial Area, Rajpura, Distt. Patiala, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura in Sept., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Om Parkash Bector attorney holder of
Shri Joginder Pal Tandoj,
R/o Doraha, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Bharat Commerce Industries Limited,
Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 39, Industrial Area, Rajpura, Distt. Patiala.
(The property as mentioned in the sale deed No. 2321 of Sept., 80 of the Registering Authority, Rajpura.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana the 14th May, 1981

Ref. No. RAJ 12/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Part of Plot No. 39, situated at Industrial Area, Rajpura, Distt. Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajpura, in October 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Om Parkash Bector attorney holder of
Shri Joginder Pal Tandon,
R/o Doraha, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) M/s Bharat Commerce Industries Limited,
Rajpura, Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 39, Industrial Area, Rajpura.
(The property as mentioned in the sale deed No. 2343 of Oct., 80 of the Registering Authority, Rajpura)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ludhiana.

Date : 14-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri Om Parkash Bector,
(Attorney holder of Sh. Joginder Pal Tandon)
Doraha, Distt. Ludhiana. (Transferor)
- (2) M/s Bharat Commerce Industries Limited
Rajpura, Distt. Patiala. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, dated the 14th May, 1981

Ref. No. RAJ/14/80-81—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing.

No. Part of Plot No. 39, situated at Industrial Area, Rajpura, (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajpura in October, 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Part of Plot No. 39, Industrial Area, Rajpura.
(The property as mentioned in the sale deed No. 2418 of Oct., 80 of the Registering Authority, Rajpura)

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
30—126 GI/81

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-7-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, dated the 14th May, 1981

Ref. No. PTA/61/80-81—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Two shop and Chobara No. 2438/2, 2439/2, 2437/2 measuring 63 Sq. yd situated at Chowk Kesaran Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Patiala in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Mrs. Rajeshwar Rani Pathak
d/o Sh. Sunder Lal Sud, and G.A. of Sh. Siri Has
s/o Jagat Dhar r/o Mohalla Raup Chand, Patiala.
(Transferor)
- (2) Jagdish Ram C/o Rajeshwar Rani Pathak
d/o Sh. Sunder Lal
r/o Mohalla Raup Chand, Patiala.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Two shop & Chobara No. 2438/2, 2439/2, & 2437/2 situated in Chowk Kesran measuring 63 Sq. yds. Patiala.

The property as mentioned in the Registered deed No. 4251 of September, 1980 of the Registering Authority, Patiala.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-5-1981
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, dated the 14th May, 1981

Ref. No. PTA/55/80-81—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property situated Jhill (Patiala)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Harbans Singh s/o Thakaur Singh
r/o Jhill, G. A. of Smt. Gulab Kaur d/o Sh. Gujar Singh r/o Jhill. (Patiala)

(Transferor)

(2) Bimal Dhawan s/o Sh. Om. Parkash Dhawan r/o Jand Gali (Patiala),
Maj. Kartar Singh s/o Sh. Mit Singh
r/o 24-C, Model Town, Patiala.
& Gurjot Singh s/o Sh. Jaswant Singh r/o Arjan Nagar,
Patiala, Sh. Teja Singh s/o Sh. Amar Singh r/o
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The property as mentioned in the Registered Deed No. 4209 of September, 1980 of the Registering Authority, Patiala.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITN8

(1) Sh. Biru Ram s/o Sh. Jodh Ram r/o
Lalru Mandi S. Teh. Dera Bassi.

(Transferor)

(2) Sh. Chiranji Ram,
Laja Ram ss/o Sh. Puran Ram & Sh. Shadi Ram
s/o Sh. Matu Ram
r/o Samrauli S. Teh. Dera Bassi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, dated the 14th May, 1981

Ref. No. DBS/40/80-81—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 60B12B situated Samrauli S. Teh. Dera Bassi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Dera Bassi in September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 60 Bigha 12 Biswa situated in Vill. Samrauli S. Teh. Dera Bassi.

(The property as mentioned in the registered deed No. 951 of September, 1980 of the Registering Authority, Dera Bassi.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-6-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Shri Bhajan Singh S/o Sh. Daya Singh,
R/o 3403, Sector 35D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Sarabjit Singh S/o Shri Jagat Singh,
R/o 3304, Sec. 19D, Chandigarh.
now C/o M/s Brightway Hosiery Corporation,
Thangal Bazar, P. O. Imphal (Manipur)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, dated the 14th May, 1981

Ref. No. CHD/218/80-81—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Half share in House No. 3403 situated at Sector 35D, Chandigarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in Sept., 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Half share in House No. 3403, sec. 35D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1269 of Sept : 80 of the Registering Authority, Chandigarh

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date 14-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, dated the 14th May, 1981

Ref. No. 196/80-81—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 331 2/3 Sq. yds. situated at Taraf Jodhowal, Byepass Road, Ludhiana.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Ludhiana in Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Inderjit Singh s/o Kulwant Singh
r/o 781, Sector 22-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Raj Pal Manohar Lal,
VPO. Sabhra Distt. Amritsar.
Sh. Gurbax Singh Chaudhary, P. O. Street Makhu
(Ferozpur)
Sh. Dharam Pal Chaudhary,
5/20, Subhash Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 331 2/3 Sq. yds. situated at Taraf Jodhowal, By Pass Road, Ludhiana.

(The property a: mentioned in the registered deed No. 3188, of September, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana;

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-5-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Shri Krishan S/o Sh. Radha Krishan
R/o B.IV. 1614, Kucha Shiv Dial,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Lal S/o Shri Raj Kumar, R/o
B-IV-145, Gali Mahian, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**
Ludhiana, the 14th May 1981

Ref. No. LDH/232/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 31 1/2 sq. yds. situated at Kucha Shiv Dial,
Opp. Activity School, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Sept., 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot 310 1/2 sq. yds. at Kucha Shiv Dial, Opp. Activity School, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3487 of Sept. 80 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**
Ludhiana, the 14th May 1981

Ref. No. LDH/192/80-81—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 134 (House No. B-20-1145 situated at Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Ludhiana in Sept., 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Pritam Kaur alias Kartar Kaur Wd/o
Shri Paras Ram,
B. 20, 1145, Sarabha Nagar,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Gurmail Singh S/o Sh. Santa Singh,
R/o V. Burz Hakim,
Teh. Raikot, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 134, (H. No. B. 20-1145) Sarabha Nagar, Ldh.
(The property as mentioned in the sale deed No. 3169 of Sept., 80 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 14-5-1981
S. cal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Pritam Kaur alias Smt. Kartar Kaur Wd/o
Shri Paras Ram,
R/o B. 02-1145, Sarabha Nagar,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Hardial Singh S/o Shri Santa Singh, R/o
V. Burz Hakim, Teh. Raikot, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, {the 14th May 1981

Ref. No. LDH/192A/80-81—Whereas, I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 133, situated at Sarabha Nagar, Ludhiana. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 133, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 3313 of Sept., 80 of the Registering Authority, Ludhiana)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-5-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
31—126GT/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th May 1981

Ref. No. KNN/36/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 8 marlas situated at Khanna Kalan Khanna, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khanna in Sept., 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Chambi W/o Shri Punna Singh
S/o Sh. Awa Singh,
R/o Ward No. 2,
Mohalla Ram Nagar,
Khanna Kalan, Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Madan Lal,
Raj Kumar S/o Sh. Bishan Dass S/o
Shri Bhola Ram,
R/o Ward No. 10,
House No. 280,
Khanna Kalan, Teh. Khanna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have in the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 8 Marlas at Khanna Kalan, Teh. Khanna, Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the sale deed No. 1475 of Sept., 80 of the Registering Authority, Khanna)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sh. Sarmukh Singh s/o Sh. Mitt Singh
r/o Sunate Teh. Jagraon.

(Transferor)

(2) Sh. Vijay Kumar s/o Sh. Rattan Chatid
r/o 26-B, Sarabha Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 14th May 1981

Ref. No. LDH/235/80-81—Whereas, I, SUKHDEV CHAND, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 18-G, measuring 500 sq. yds. situated at Mohalla Bhai Randhir Singh Nagar, Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 18-G, measuring 500 sq. yds. situated in Mohalla Bhai Randhir Singh Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 3583 of September, 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-OF-INCOME-TAX.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDIANA

Ludhiana, dated the 14th May, 1981

Ref. No. CHD/238/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 1503, Sec 36-, situated at Chandigarh. (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax (1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Comdr. Mohinder Partap Singh Retd.
S/o Late Sardar Partap Singh
through Smt. Raminder Kaur Oberoi r/o 210/16-A,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Sh. Surinderjeet Singh s/o Sh. Sunder Singh r/o
1173/8, C. Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 1503 situated in Sector 36-D, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered deed No 1458 of October, 1980 of the Registering Authority, Chandigarh.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-5-1981
Seal:

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th May, 1981

No. LDH/208A/80-81.—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. B. XIX 922, situated at Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Sept. 1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Kaushalya Devi w/o Shri Dogar mal,
Malerkotla House, Civil Lines,
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Smt. Soma Devi w/o Shri Lal Chand,
R/o : B-19/922, Tagore Nagar, Civil Lines,
Ludhiana.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. B-XIX-922, Tagore Nagar, Civil Lines, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 3260 of Sept. 1980 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Chetan Singh S/o Shri Puran Singh,
R/o 426L Model Town, Ludhiana.
(Transferor)
- (2) Shri Deepak Kumar Dumra S/o Shri Hari Dutt Dumra
15, The Mall,
Civil Lines, Ludhiana.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th May 1981

Ref. No. LDH/204/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 854 sq. yds. situated at Gurdev Nagar, Ludhiana.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Sept., 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot measuring 854 sq. yds. at Gurdev Nagar, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 3238 of Sept., 80 of the Registering Authority, Ludhiana.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.
Date : 14-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 14th May, 1981

Ref. No. LDH/203/80-81—Whereas I SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act').

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 854 sq. yds situated at Gurdev Nagar, Ludhiana,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in Sept., 1980.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Gurdev Singh S/o Shri Puran Singh,
426-L, Model Town
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Rakesh Dumra S/o Shri Hari Dutt Dumra,
15, The Mall,
Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot measuring 854 sq. yds. at Gurdev Nagar, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 3237 of Sept., 80 of the Registering Authority, Ludhiana.)

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-5-1981
Seal:

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Atma Singh S/o Sh. Puran Singh,
426-L, Model Town,
Ludhiana.

(2) Shri Rakesh Durna S/o Shri Hari Dutt,
15, The Mall Civil Lines, Ludhiana.
(Transferor)
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, dated the 14th May 1981

Ref. No. LDH/205/80-81—Whereas I, SUKHDEV CHAND being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot measuring 854 sq. yds. situated at Gurdev Nagar, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in Sept., 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot measuring 854 sq. yds. at Gurdev Nagar, Ludhiana.
(The property as mentioned in the sale deed No. 3239 of Sept., 1980 of the Registering Authority, Ludhiana).

SUKHDEV CHAND
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date : 14-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

(1) (1) Sri Mohammed Zabardast Khan
S/o Nawab Mohd Khan Jehan Khan
(2) Mrs Qadirunnisa W/o Mohd Zabardast Khan
Maimanth Manzil,
Public Garden Road,
Hyderabad 500001

(Transferor)

(2) Smt. N. Adilakshmi
W/o Sri N. Venkateswara Rao
6-3-1111/6 Begumpet,
Hyderabad 500016

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 4th May, 1981

Ref. No. RAC No. 33/81-82—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6-3-1111 situated at Begumpet Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Oct. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 7 Nishat Bagh premises No 6-3-1111 at Begumpet, Hyderabad area 500 sq. yards registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No 11663/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 4-5-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
34—126GI/81

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1981

Ref. No. RAC 34/1981-82—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 9/B situated at Sardar Patel Rd., Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Sri A. Mahender Reddy S/o A. Ramana Reddy
G.P.A. Sri M. Ramana Reddy
H. No 3-6-362/24 Bashir Bagh,
Hyderabad

(Transferor)

(2) Kumari Vellurnott Arundhathi Rao
D/o Sri V. Kumar Krishna Rao
M/G Grandmother Smt. K.N. Shanta
W/o K. Samba moorthy
H. No. 3 Warren Road, Mylapur
Madras 600004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 9/B area 258.5 sq. yards premises No 2-11-30 & 156 to 159 within compound known as Paigah House Sardar Patel Road, Secunderabad registered with Sub-Registrar Maredpally, Secunderabad vide Doc. No 2085/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-5-1981.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May, 1981

Ref. No RAC 35/1981-82—Whereas, I, S. GOVINDARA-JAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

plot 9/A 2-11-30 situated at Sardarpatel Road,
Secunderabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Maredpally Sec'bad on Sept. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri A. Mahender Reddy S/o A. Ramana Reddy
G.P.A. Sri M. Ramana Reddy
H. No. 3-6-362/24 Bashirbagh,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Kumari Vellurnott Madhumathi Rao
D/o Sri V. Kumar Krishna Rao
H. No 3 Warren Road, Mylapore
Madras 600004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No 9/A area 258.5 sq. yards pernises No 2-11-30 & 156 to 159 situated at Sardarpatel Road Secunderabad registered with Sub-Registrar Maredpally Secunderabad vide Doc. No 2084/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-5-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May, 1981

Ref. No.RAC No 36/1981-82—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Open land situated at Saidabad Hyderabad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Hyderabad on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri G. Rami Reddy & other
S/o Narsimha Reddy
R/o Bahramulguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Bharat Dyanamics Employees
Vaisalinagar Co-operative House Building
Society, Masab Tank
Hyderabad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in Survey No 113 at Saidabad Hyderabad registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No: 10074/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-5-1981.

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri G. Rami Reddy & other
S/o Narsimha Reddy
R/o Bahramulguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Bharat Dynamics Employees Vaisalinagar
Co-operative House Building Society
Masab tank Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 5th May 1981

Ref. No. RAC No 37/ 82—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Open land situated at Saidabad, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Hyderabad on Sept. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land in Survey No 113 at Saidabad, Hyderabad area 1 acre 16 guntas registered with Sub-Registrar Hyderabad vide Doc. No 10114/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-5-1981.

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, dated the 5th May, 1981

Ref. No RAC No 38/81-82—Whereas, I

S. GOVIDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open land Sy No 113 situated at Saidabad Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Hyderabad on Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Sri G. Ram Reddy & other
S/o Narsimha Reddy
R/o Bahramulguda,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Bharat Dynamics Employees Vaisalinagar
Co-operative House Building Society
Masab Tank, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in Survey No. 113 at Saidabad, Hyderabad area 2 Acres registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 10022/80.

S. GOVIDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-5-1981

Seal:

FORM ITNS

(1) Sri M.A. Nayeem S/o Shaik Mehboob
R/o 20-5-180 Kazcepura,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Ahmed Hussain Siddiqui
S/o Mohd Hussain Siddiqui
20-2-189, Hussaini Alam,
Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 5th May 1981

Ref. No. RAC 39/81-82—Whereas, I,

S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 369-D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-2-597/27A situated at Domalguda, Hyderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept., 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No 1-2-597/27A Domalguda, Hyderabad area 1168 sq. ft. registered with Sub-Registrar, Hyderabad vide Doc. No. 9824/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

FORM ITNS:**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD
 Hyderabad, the 5th May 1981

Ref. No. RAC 40/81-82—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open plot situated at Zamistanpur, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Sept 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mohd Doulat Khan
 S/o Nasheeb Yawar Jung,
 15-7-630, Begumbazar,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s The Aruna Co-operative Housing Society
 Ltd., Himayathnagar, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot in Survey No. 182 Zamistanpur, Hyderabad, area 4100 sq. yards registered with Sub-Registrar, Hyderabad Doc. No. 10315/80.

S. GOVINDARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 5-5-1981
 Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sri Iqbal Alladdin & others
Banjara Hills, Hyderabad.
(Transferor)
- (2) M/s Postal Employees Co-operative Housing Society Ltd T.A. No 114
Post Master Generals Office
Hyderabad-1
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th May 1981

Ref. No. RAC No 41/81-82—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open land situated at Thokatta Village Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Maredpally, Sec'bad Sept. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 192¹ (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land at Block No 3 of Survey No 160 of Thokatta village, Secunderabad cantonment area 3310.55 sq. yards registered with Sub-Registrar Maredpally Secunderabad vide Doc. No 2203/80.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

35—126GI/81

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-5-1981.

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD
Hyderabad, the 6th May 1981

Ref. No. RAC 42/81-82—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Open plot situated at Thokatta village, Sec'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally, Sec'bad Sept 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sri Iqbal Alladdin & others
Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Postal Employees co-operative
Housing Society, Ltd.,
T.A. No. 114, P.M.G.'s Office
Hyderabad-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land in Block No. 2 Sy. No, 160 part Thokatta village Secunderabad area 3310 sq. yards registered with Sub-Registrar Secunderabad vide Doc. No 2157/80.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.
Date : 6-5-1981
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Sri Iqbal Alladdinabad & Others
Banjara Hills, Hyderabad
(Transferor)
- (2) M/s Postal Employees Co. operative Housing Society Ltd T.A. No 114 P.M.G's Office Hyderabad-I
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th May 1981

Ref. No. RAC No. 43/81-82—Whereas, I,
S. GOVINDARAJAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land situated at Thokatta village, Sec'bad
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally Sec'bad Sept. 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act. 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land in Block No. 1 Sy. No. 160 situated at Thokatta Village Secunderabad cantonment area 3233.33 sq. yards registered with Sub-Registrar Maredpally Secunderabad vide Doc. No 2120/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1981.
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th May 1981

Ref. No. RAC No 44/81-82—Whereas, I

S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No Open land situated at Thokatta village, Sec'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally, Sec'bad on Sept. 80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Sri Iqbal Alladdin & others
Banjara Hills,
Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Postal Employees Co-operative Housing Society Ltd
T.A. No 114 P.M.G.'s Office
Hyderabad-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land in Block No 3 of Sy. No 160 at Thokatta village Secunderabad cantonment area 3310.55 sq. yards registered with Sub-Registrar Maredpally Secunderabad vide Doc. No. 2203/80.

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-5-1981.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th May 1981

Ref. No RAC No 45/81-82—Whereas, I
S. GOVINDARAJAN,
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the said Act), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing No.
 open land situated at Thokatta village, Sec'bad
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the Office of the Registering Officer at
 at Maredpally Sec'bad on Sept. 80
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property, and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

- (1) Sri. Iqbal alladdin & others
 Banjara Hills,
 Hyderabad.
(Transferor)
- (2) M/s Postal Employees Co-operative Housing
 Society Ltd T.A. No 114
 P.M.G's office
 Hyderabad-1
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act shall have the same meaning as given
 in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have been or which
 ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Open land- Block No. 4 of Survey No. 160 at Thokatta Village
 Secunderabad Cantonment area 3232. 50 sq. yards registered
 with Sub-Registrar Maredpally Secunderabad vide Doc. No
 2254/80.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

S. GOVINDARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.
 Date : 6-5-1981.
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 6th May 1981

Ref. No. RAC No. 46/81-82—Whereas, J.S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open land situated at Thokatta village Sec'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Maredpally Sec'bad on Sept 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sri Iqbal Alladdin & others
Banjara Hills,
Hyderabad

(Transferor)

(2) M/s Postal Employees Co-operative Housing Society Ltd T.A. No. 114
P.M.G.'s Office
Hyderabad-1

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Open land Block No. 5 in Survey No. 160 at Thokatta village Secunderabad area 3223.22 sq. yards registered with Sub-Registrar Maredpally Secunderabad vide Doc. No 2270/80.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.
Date : 6-5-1981
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th May 1981

Ref. No. RAC No. 47/81-82—Whereas, I,
S. GOVINDRAJAN,
 being the Competent Authority under Section 269B
 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
 moveable property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing

No. Agl. land situated at Tirumalgiri village Sec'bad.
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908
 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 at Maredpally Secbad on Sept. 80

for an apparent consideration which is less than the
 fair market value of the aforesaid property and I have
 reason to believe that the fair market value of the
 property as aforesaid exceeds the apparent consideration
 theretofore by more than fifteen per cent of such apparent
 consideration and that the consideration for such transfer
 as agreed to between the parties has not been truly
 stated in the said instrument of transfer with the object
 of :—

(1) Sri S. Rami Reddy & 2 others
 S/o S. Ram Reddy
 Bownepally
 Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Jupiter Co-operative Housing Society
 Ltd T.A. B. No. 234 C/o E.I.D. Parry & Co.
 Opp. Patney, Kings way Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the publi-
 cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 113 situated at Thirumalgiry
 village near Gunrock Secunderabad Cantonment area 1 Are
 registered with Sub-Registrar Maredpally Secunderabad vide
 Doc. No. 2199/80.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

S. GOVINDARAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-5-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri S. Rami Reddy & 2 others
 S/o S. Ram Reddy
 Bownepally
 Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Jupiter Co-operative Housing Society Ltd.
 TAB No. 234 C/o E.I.D. Parry & Co.
 Opp. Patney Kings way Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th May 1981

Ref. No. RAC No. 48/81-82—Whereas, I
 S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No. Agl. land situated at Thirumalgiri village, Sec'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally, Sec'bad on Sept. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 113 situated at Tirumalgiri village near Gunrock Secunderabad cantonment area 1 acre, registered with Sub-Registrar Maredpally Secunderabad vide Doc. No 2192/80.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

S. GOVINDRAJAN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Hyderabad.
 Date : 6-5-1981
 Seal : —

FORM ITNS—

(1) Sri S. Rami Reddy & 2 others
S/o S. Ram Reddy
Bownepally Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Jupiter Co-operative Housing Society Ltd
T.A.B. No. 234 C/o E.I.D. Parry & Co.
Opp. Patney Kings way Secunderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th May 1981

Ref No. RAC No 49/81-82—Whereas, I
S. GOVINDRAJAN
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Agl land situated at Tirumalgiri village, Sec'bad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Maredpally, Secbad on Sept 80
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land in Survey No. 113 situated at Tirumalgiri village near Gunrock Secunderabad Cantonment area 36 guntas registered with Sub-Registrar Maredpally Secunderabad vide Doc. No. 221/80.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
36—126GI/81

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-5-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-****TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 8th May 1981

Ref. No. RAC No 50/1981-82—Whereas, I
S. GOVINDARAJAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agl. land situated at Balaur village Hyderabad urban (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Agapura on Sept. 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of:—

(1) Kumari K. Vilasini Devi
D/o Late K. Achuta Reddy
R/o H. No 1-9-312/3
Vidyanagar, Hyderabad.

(2) Sri Mohd. Burhan
S/o Mohd Gafoor
Chandrayangutta
Hyderabad
Presently residing at 1-9-311 Vidyanagar,
Hyderabad

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing Survey No 210/1 admeasuring 46 acres situated at Balapur village, Hyderabad urban Talk Hyderabad District registered with Sub-Registrar Agapura Hyderabad vide Doc. No 3094/801

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. GOVINDARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date :18-5-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Gajanan V. Siddeshwar,
R/o Nehru Colony, Gokul Road, Hub

(Transferor)

(2) Shri S.G. Kumaramath,
Asstt. Engineer,
K.E.B., Ambikanagar.

(Transferee(s))

**Mysore Minerals Ltd.,
Supa Mining Project J N. Road, Dandeli.**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, dated the 20th March 1981

Notice No. 324/80-81—Whereas, I R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sito No. 32 situated at JN. Road, Dandeli (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Halyal under document number 521 on 5-9-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 521 Dated 5-9-1980
Land and building bearing site No 3 situated at J.N. Road,
Dandeli.

R. THOTHATHRI
Competent Authority

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-3-1981
Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560001

Bangalore-560001, dated the 11th May 1981

Ref. CR No. 62/28026/80-81/Acq/B.—Whereas, I
R. THOTHATHRI
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 13-3 and 12-2C2 and T.S. No. 1555/1 & 1554-6 situated at Kodialball Kambla Ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore City Doc. No. 699/80-81 on 15-9-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Elias Alphonso Saldanha,
 S/o Louis Saldanha,
 The International Top floor
 Churchgate, Bombay

(Transferor(s))

(1) Mr. Melwyn John Patrao,
 S/o Dennis Patrao
 (2) Mrs Monica Patrao,
 W/o Melwyn John Patrao,
 Bishop, Victor Road,
 Attawar, Mangalore

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 699/80-81 dated 15-9-1980)
 All that property bearing R.S. No. 13-3 and 12-2C2 and T.S. No. 1555-1 and 1554-6 situated at Kodialball village, Kambla Ward, Mangalore.

R. THOTHATHRI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bangalore

Date : 11-5-1981
 Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 7th May 1981

Ref. C.R. No. 62/28315/80-81/ACQ/B—Whereas I,

R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 127, situated at Raj Mahal Vilas Extension, Bangalore-560 006.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhi Nagar, Bangalore-560009. Doc.

No. 2538/80-81 on 23-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Shrimathi;
Smt. Saroj Goenka
Express Estates,
Mount Road,
Madras-600 002

(Transferor)

(2) M/s. Bhoruka Finance Ltd.,
No. 128, B, Poona Street,
Bombay-400 009

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2528/80-81 Dated 23-9-1980)

All that Property bearing No. 127, Rajamahal Vilas Extension, Bangalore-560 006, bounded by,
On North—by site No. 128
On South—by site No. 126
On East—by site No. 132
On West—by Road.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Dated : 21 -5-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE BANGALORE-560001

Bangalore-560001, the 11th May 1981

Ref. C No. 62/28488/80-81/Acq/B.—Whereas

I. R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 89-2 situated at Kadri Village, Kadri Ward, 2 Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Document No. 741/80-81 on 24-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs Angelene D'Souza,
W/o Mr. Antony D'Souza
Alvares road,
Kankanady Post,
Mangalore-575002

(Transferor)

(2) (1) Mr. George Wilson Saldanha
(2) Mrs Lina Saldanha,
wife of No. (1),
Alwares road,
Mangalore-575002.

(Transferee)

Objections, if any, to be acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 741/80-81 Dated 24-9-80)

All that property bearing R.S. No. 89-2, Kadri Village, Kadri Ward, Mangalore.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore-

Date : 11-5-1981
Seal:

FORM ITNS——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE
Bangalore-560001, the 7th May 1981

Ref. C.R. No. 62/28043/80-81/Acq/B.—Whereas, I

R. THOTHATHRI
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R.S. No. 102-6 and T.S. No. 750-3A and 87A Situated at Kadri Village Mangalore. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore Document No. 650/80-81 on 15-10-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) K. Viswanath Bangera
(2) Mrs. Seethu Hengsu
(3) K. Umesh
(4) Mrs. Meera
(5) K. Chandrashekhar
(6) K. Upendra
(7) Mrs. K. Mohini
(8) Mrs. K. Hithavanthy
Near Kadri Toll Gate, Mangalore-575002
(Transferors)

2. Lokanath A. Kotian,
S/o Ammann by Agent K. Mohan
S/o Ammann Kadri,
Mangalore-575002
(Transferee)
3. Mulgar, Sri. M.R.K. Prabhu G.T.
Street, Mangalore-1
(Person whom the undersigned
knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XVA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 650/80-81 Dated 15-10-80)

All that property bearing
R.S. No. 102/6 and T.S. No. 750/3A and 87-A Situated at Kadri Village Mangalore.

Bounded by
On North— Remaining portion of the same Sy. No.
On South— Village Boundary of 87-B-Kadri.
On East— Remaining portion of the same Sy. No.
On West— Sub Division line of T.S. No. 750-2

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 7-5-1981

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 7th May 1981

Ref C.R.No. 62/28316/80-81/ACQ/B—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Site No. 128, situated at Rajmahal Vilas Extn., B'llore-560006 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at is Gandhinagar B'llore, Vide Doc. No. 2529/80-81 on 28-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

- (1) Mrs. Saroj Goenka, Express Estates, Mount Rd., Madras-600002.
(Transferor)
(2) Master Siddartha Agarwal, S/o. Mr. S.N. Agarwal, No. 11/3, Nandidurg Road, B'llore-560046.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2529/80-81 Dated 28-10-80)

All that property bearing Site No. 128, Rajmahal Vilas Extn., Bangalore-560006.

Bounded by : On North : By site No. 129
On South : -do- 127
On East : -do- 131
On West : By Road.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 7-5-81

Seal :

FORM I.T.N.S.—

- (1) Miss Lily D'souza, D/o. Mr. Joseph D'souza, Falmir,
Mangalore.
(Transferor)
- (2) Mrs. Zainabi, W/o. G. Abbas Ali, Falmir, Mangalore-2
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 7th May 1981

Ref CR. No. 62/28477/80-81/Acq.B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

T.S. No. 537/3C & R.S. No. 951/3. Situated at Attawar village, Falmir ward, Mangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore City Document No. 717/80-81 on 23-10-1980. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 717/80-81 Dated 23-10-81)

All that property bearing T.S. No. 527/3C and R.S. No. 951/3 Situated at Attawar Village, Falmir ward, Mangalore.

Bounded by:

On North : Remaining portion
On South : Survey line.
On West : Compound wall.
On East : Survey line.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

37—126GI/81

Date : 7-5-81.

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shrimathi Kamalavathi Alias Padmavathy W/o B. Vaman Annappa-Baliga, Bantwal town, Bantwal (D.K)
(Transferor)
- (2) Shrimathi : Aisamma, Widow of Late Haji B Chaiyappa
Lady hill, Mangalore
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 7th May 1981

Ref C.R. No. 62/28493/80-81/Acq/B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 829/1 and 829/2B and T.S. No. 659/1 and 659/2B situated at Attawar village, Falmir ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore city Document No. 761/80-81 on 28-10-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 761/80-81 Dated 28-10-80)
All that property bearing R.S. No. 829/1 & 829/2B and T.S. No 659/1, and 659/2B, situated at Attawar village, Falmir ward, Mangalore.

Bounded by :

On North: Private property
On South: Road
On East : Road
On West : Private property

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 7-5-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 29th May -1981

Ref No. CR. 62/28021/80-81/Acq.B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal No. 264 (South Wing) situated at Subedar Chatram Road, Municipal Divn. No. 14, B'llore-9 (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore under Document No. 2398/80-81 on 15-9-80.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s A.N.R. Enterprises—Partners (1) A.N. Srinivasa (2) A.N. Lakshminarayana (3) A.N. Prabhakara (4) A.N. Sathyanarayana (5) A.N. Sadananda (6) A.N. Ramakrishna No. 9-10, Sri Ramakrishna Nilaya, SC. Road, B'llore-9.

(Transferor)

(2) M/s. Ramakrishna Hotels and Enterprises (p) Ltd., No. 421, III Cross, Wilsongardens, B'llore-27 represented by its Director: Sri D. Jaira.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2398/80-81 Dated: 15-9-80)
All that property bearing Municipal No. 264 (South Wing) situated at Subedar Chatram Road, B'llore-9 (four storeyed building).

R. THOTHATHRI
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, B'llore

Date : 29-5-81

Seal :

FORM ITNS

1. (1) A.N. Srihalvasa
 (2) A.N. Lakshminarayana
 (3) A.N. Prabhakara
 (4) A.N. Sathyanarayana
 (5) A.N. Sadananda
 (6) A.N. Sridhara,
 (7) A.N. Ramakrishna,
 No, 9-13 Sri Ramakrishna Nilaya, S. C. Road,
 B'llore-9.

(Transferor(s))

2. M/s . Sri Ramakrishna Lodge and Enterprises (P) Ltd., No. 421, III Cross, Wilson Gardens, B'llore-27
 (represented by its Director Sri.D. Jairaj.

(Transferee(s))

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA**

Ludhiana, the 29th May 1981

Ref. No. CR 62/28022/80-81/Acq. B—Whereas I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 262, situated at Subedar Chatram Road, Municipal Divn. No. 14, B'llore-9
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registering Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, B'llore, under document No. 2399/80-81 on 15-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered document No. 2399/80-81 Dated. 15-9-80)

All the vacant land in premises No. 262, situated at Subedar Chatram Road, Municipal Divn. No. 14, B'llore-9.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

R. THOTHATHRI
 Competent Authority
 Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
 Acquisition Range, Bangalore-2

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Dated: 29-5-81
 Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560001, the 29th May 1981

Ref. No. 62/28023/80-81/Acq.B.—Whereas, I, R.
THOTHATHRI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 262 (New Construction) situated at Subedar Chatram Road, Municipal Divn. No. 14, Bangalore-9 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore under Document No. 2400/80-81 on 15-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

1. S/Shri (1) A.N. Srinivasa
(2) A.N. Lakshminarayana
(3) A.N. Prabhakar
(4) A.N. Sathyaranayana
(5) A.N. Sadananda No. 9-10, Sri Ramakrishna Nilaya, SC. Road, Bangalore-9.

(Transferors)

2. M/s. Ramakrishna Hotels and Enterprises (P) Ltd., No. 421, III Cross, Wilson Gardens, Bangalore-27 (represented by its Director-Sri D. Jairaj).

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2400/80-81 Dated, 15-9-80)

All that property bearing premises No. 262, (Central New construction and 8 storeyed block, over part of vacant land at rear and referred as leased portion)

situated at Subedar Chatram Road, Municipal Divn. No. 14, Bangalore.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 29-5-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-1, the 29th May 1981

Ref. C.R. No. 62/28024/80-81 /Acq/B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal 1 No. 257 to 261 and 263 (North Wing) situated at Subedar Chatram Road, Municipal Division No. 14, Bangalore-9 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore, under document No. 2401/80-81 on 15-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s. A.N.S. Enterprises,

1. A.N. Srinivasa
2. A.N. Laxminarayana
3. A.N. Prabhakara
4. A.N. Sathyanarayana
5. A.N. Sadananda
6. A.N. Sridhara

No. 9-10, Sri. Ramakrishna Nilaya, S.C. Road, Bangalore-9.

(Transferors)

(2) M/s. Ramakrishna Hotels and Enterprises (P) Ltd. No. 421, IIIrd Cross, Wilson Gardens, Bangalore-27. Represented by Sri. D. Jairaj, Director.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2401/80-81 dated 15-9-80)

All that property bearing Municipal Nos. 257 to 261 and 263 (North Wing) (Old Construction and 3 storeyed Buildings) situated at Subedar Chatram Road, Bangalore, (Municipal Division No. 14).

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 29-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 23rd May 1981

Ref. C.R. No. 62/28033/80-81/Acq/B—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. 659 and T.S. No. 246 (North eastern portion) situated at Attawar Village, Mangalore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore City under document No. 682/80-81 on 11-9-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) a. Mrs. Thereas D'Souza W/o Sri. Lawrence D'Souza.
b. Sri. Lawrence D'Souza S/o Sri. John D'Souza, Attawara Railway Road, Mangalore.

(Transferor)

(2) Mr. Ronald D'Souza S/o Sri. Jerome D'Souza residing at Jeppoo, Mangalore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 682/80-81 Dated 11-9-1980)

All that property bearing S. No. 659 and T.S. No. 246, (North Eastern Portion), Situated at Attawar Village, Mangalore.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date : 23-5-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE**

Bangalore-560001, the 11th May 1981

Ref. C.R. No. 62 /28729/80-81 /Acq/B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 57-58 (Northern portion) 2/3, portion of premises No. Old Nos. 57-58, situated at Osborne road, Division No. 53 Bangalore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Document No. 2828/80-81 on 11-4-1980. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee by the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri
 - (1) N.S. Mani, S/o Late G. Nagarathnam Iyer
 - (2) S. Gopalarathnam
 - (3) S. Rajaram
 - (4) S. Ravishankar
 - No. 2 to 4 are sons of Sri N.S. Mani No. 32/1, Jayanagar, 8th Block, II Main, Bangalore
 - (2) M/s
 - Grasmere Housing Co-operative Society Ltd.
 - No. 57-57/1-58
 - Osborne road, Bangalore—Represented by Sri P.V. Venkateswaran, Chief promotor.
- (Transferor(s))
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2828/80-81 dated 4-11-80)

All that property bearing No. 57-58 (Northern portion) 2/3 portion of premises No. Old Nos. 57-58, Osborne road, Division No. 53, Bangalore.
Bounded by:

On North	—By Private property
On South	— Premises No. 57/1
On East	— Private property
On West	— Osborne road.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Asst. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Bangalore.

Date: 11-5-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th May 1981

Ref.No. 930—Whereas, I M.L. Chauhan, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 73 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 24-2-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shrimati Deepmala, Niwasi House No. 3774, Kundigar Bhero Ka Rasts., Jaipur
(Transferor)

(2) Shri S. Harbans Singh, Hukam Singh, Janak Singh & Jasveer Singh, Plot No. 28, Raja Mal Ka Talab, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Commercial Shop No. 3 situated at Shoping Centre, Truck Stand, Agrq Road, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R. AEKaipur vide his registration No. dated 24-2-81.

M.L. Chauhan
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 8-5-81
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
38—12601/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th May 1981

Ref. No. 931—Whereas, I, M.L.CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 72 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-2-1981, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Prem Pyari, Niwasi House No. 1903, Dhabha Ka Khurra, Chokadi Ramchandrajji, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri S. Harbans Singh, Hukam Singh, Janak Singh & Jasveer Singh, Niwasi Plot No. 28, Raja Mal Ka Talab, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 72 situated at Truck Stand, Shopping Centre, Agra Road, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide his registration No. 554 dated 25-2-81.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 8-5-81
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 8th May 1981

Ref. No. 932—Whereas, I, M.L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 71 situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 25-2-1981,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shrimati Prem Pyari, Niwasi House No. 1907, Dadhai Ji Ka Khurra, Chokadi Ramchandraj, Jaipur.
(Transferor)

(2) S/Shri S. Harbans Singh, Hukam Singh, Janak Singh & Jasbeer Singh Niwasi Plot No. 28, Raja Mal Ka Talab, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at Plot No. 71, Truck Stand, Shopping Centre, Agra Road, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R. Jaipur vide his registration No. 551 dated 25-2-1981.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1981

Seal :

FORM ITNS

- (1) Shri Anil Kumar Jain S/o Shri Moti Chand Jain, Munshi Mahal, Rajganj Bazar, Jaipur
(Transferor)
- (2) Shri Madhusudan Sukhani S/o Sunder Das Sukhani, A-26, Sethi Colony, Jaipur
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th April 1981

Ref. No. 933—Whereas, I, M.L. CHAUHAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Agrl. land situated at Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 13-10-1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd portion of 27 Bigha 9 Biswa Agricultural land situated at Village Madrampura Teh Sangana & fmore fully described in the sale deed registered by S R Sangana vide his registration No. 631 dated 13-10-1980

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1981
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Dinesh Chand S/o Shri Ramchandra Jain Niwasi Munshi Mahal, Ramganj Bazar, Jaipur
(Transferor)
(2) Shri Mohan Lal Sukhani S/o Sunder Das Sukhani, Plot No. A-26, Sethi Colony, Jaipur
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th May 1981

Ref No /934—Whereas, I, M.L. CHAUHAN,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No Agri. land situated at Sanganer,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanganer on 13-10-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd portion of 27 Bigha 9 Biswafagricultural land situated at village Madrampura Teh. Sanganer & more fully described in the sale deed registered by S.R. Sanganer vide his No. 630 dated 13-10-1980.

N.L. CHAUHAN]
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 8-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shrimati Shanti Devi W/o Shyamal Agarwal, Niwas Tonk.
(Transferee)
(2) Shri Ramesh Sukhani S/o Sunder Das Sukhani, Plot No. A-26, Sethi Colony, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th May 1981

Ref. No. /935—Whereas, I, M.L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land situated at Sanganer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sanganer on 13-10-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

1/3rd portion of 27 Bigha of Agricultural land situated at Village Madrampura Teh. Sanganer : & more fully described in the sale deed registered by S.R. Sanganer vide his registration No. 649 dated 13-10-1980.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Sardar Kumari, 17 Kalyan Kunj, Civil Lines, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Bhargava, Bani Park, Jaipur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th May 1981

Ref. No./936—Whereas, I, M.L. CHAUHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 4 Situated at Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 10-9-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

THE SCHEDULE

Plot No. 4 at Kalyan Kunj, Civil Lines, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 2361 dated 10-9-1980.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Azimuddin Khan S/o Bage Khan Kayamkhani Musalman, Jalupura, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shrimati Harpyari Devi W/o Shri Karan Singh Purander Bhawan Ke samne, Teli Pade Ka Rasta, Chokadi Vishveshwar Ji, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th May 1981

Ref. No./937—Whereas, I, M.L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 22 situated at Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jaipur on 6-9-1980.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot No. 22 situated at Bhagat Vatika, Civil Lines, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 2298 dated 6-9-1980.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 8-5-1981.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th May 1981

Ref. No. /938—Whereas, I, M.L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 9 situated at Jaipur, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Jaipur on 6-9-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely
39—126GI/81

(1) Shri Banwari Lal S/o Bhonri Lal Sharma, Niwasi Village Baswa at Present House No. 2377, Nahargarh Road, Jaipur.

(Transferor)

(2) Shri Mohan Lal S/o Murlidhar, Niwasi Bishangarh, at present niwasi Subhash Colony, Shastri Nagar, Jaipur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9 at Nirwan Marg, out of Chandpole, Jaipur & more fully described in the sale deed registered by S.R., Jaipur vide his registration No. 2306 dated 6-9-1980.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 8-5-1981.

Seal :

NOTICE ITINERANT**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 28th May 1981

Ref No.: IAC(Acq)/961.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 23,000/- and bearing No. Shop No. 25 & 26 situated at Nohar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nohar on 3-12-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Rameshwar Das S/o Shri Shivchand Rai Khandaria, Nohar.

(Transferor)

(2) Shrimati Narbada Devi W/o Sh. Mahabir Prasad, Sh. Basant Kumar and Sh. Naresh Kumar S/o Sh. Mahabir Prasad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 25&26 situated at Dhan Mandi, Nohar and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Nohar vide No. 1302 dated 3-12-1980.

M. L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 28-5-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNB

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR
Jaipur, the 26th May 1981

Ref. No. IAC/Acq/952—Whereas, I, M.L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 25-26 situated at Nohar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nohar on 10-2-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Rameshwardas S/o Shiv Chand Agarwal R/o Nohar (Transferor)
(2) Shri Basant Kumar, Naresh Kumar S/o Mahabir Prasad Goyal R/o Fefata at present Assam (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Shop No. 25 and 26, Dhan Mandi, Nohar more fully described in conveyance deed Registered by Sub-Registrar Nohar at S. No. 1318 dated 10th Dec., 1980.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date: 26-5-1981
Seal.

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 28th May 1981

Ref. No. —Whereas, I, M.L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 29,000/- and bearing

No. Plot No. H-8 situated at Jaipur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 3-9-1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Gop Sajnani S/o Parmanand, Jaipur.
(Transferor)
- (2) Shri Ram Narain Yadav S/o Sh. Sedu Ram Yadav, H-5 Todarmal Marg, Bani Park, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of my income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of plot No. H-68 situated at Meera Marg, Bani Park, Jaipur and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Jaipur vide No. 2230 dated 3-9-1980.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date.: 28-5-1981.
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Shrimati) Pushpalata C/o Shri Ram Narain Cont. Manak Bhawan Gumanpura, Kota.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sutendra Kumar S/o Shanti Swaroop, Kota.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 28th May 1981

Ref. No. IAC/Acq/963/—Whereas, I, M.L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 198 & 199 situated at Kota,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kota on 4-9-1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 198 & 199 situated at shopping Centre, Kota and more fully described in the sale deed registered by the S.R. Kota vide No. 1639 dated 4-9-1980.

M.L. CHAUHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur

Date : 28-5-1981.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

Category VI

NOTICE

S. O.s/STENOGRAPHERS (GRADE "B"/GRADE-I)
LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE
EXAMINATION 1981

New Delhi, the 27th June 1981

No. F-9/2/81-EI(B).—A combined limited departmental competitive examination for additions in the Select Lists for the Section Officers' Grade and Stenographers' Grade-I/Grade-B of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission commencing on 17th December, 1981 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, GANGTOK, MADRAS, NAGPUR and at Selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the M/o Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated 27th June, 1981.

THE CENTRES AND THE DATES OF HOLDING THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. WHILE EVERY EFFORT WILL BE MADE TO ALLOT THE CANDIDATES TO THE CENTRE OF THEIR CHOICE FOR EXAMINATION, THE COMMISSION MAY, AT THEIR DISCRETION, ALLOT A DIFFERENT CENTRE, TO A CANDIDATE, WHEN CIRCUMSTANCES SO WARRANT. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION. (See Annexure I, para 8 below).

2. The Services to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in those Services are given below :—

Category I

Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service.

Category II

Section Officers' Grade (Integrated Grade II & III) of the General Cadre of the Indian Foreign Service, Branch "B". 9 (Includes 2 vacancies reserved for Scheduled Castes Candidates).

Category III

Section Officers' Grade of the Railway Board Secretariat Service. 3 (Includes 1 vacancy reserved for Scheduled Castes candidates).

Category IV

Grade 'B' of the Central Secretariat Stenographers' Service.

Category V

Grade I of the Stenographers' Sub-cadre of the Indian Foreign Service Branch "B". 11 (Includes 5 vacancies reserved for Scheduled Castes and 1 reserved for Scheduled Tribes Candidates).

Grade 'B' of the Armed Forces 5 (Includes 3 vacancies reserved for Scheduled Castes and 2 for Scheduled Tribes Candidates).
Headquarters Stenographers Service.

Category VII

Grade "B" of the Railway Board Secretariat Stenographers' Service.

Section Officers' Grade of the Intelligence Bureau. 2

The above number is liable to alteration.

*Vacancies not intimated by Government.

3. A candidate who is eligible for two Categories of Services (c.f. Rule 3) and wishes to compete for both, need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in para 6 below once only and will not be required to pay separate fee for each of the categories for which he applies.

N.B. Candidates must indicate clearly in their applications the Category/Categories for which they are competing. Candidates competing for two Categories should specify in their application the two Categories in the order of preference. No request for alteration in the order of preferences for the categories originally indicated in his application by a candidate competing for 2 Categories would be considered unless the request for such alteration is received in the Office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of publication of the results of the written examination in the Employment News.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the S.Os/Stenographers' (Grade 'B'/Grade-I) Limited Departmental Competitive Examination, 1981. Applications on forms other than the one prescribed for the S.Os/Stenographers' (Grade 'B'/Grade-I), Limited Departmental Competitive Examination, 1981 will not be entertained.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 by post or by personal delivery at the counter on or before the 24th August, 1981 (7th September, 1981 in the case of candidates residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and for candidates residing abroad from a date prior to 24th August, 1981) accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

A candidate residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep and a candidate residing abroad may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing in Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim, Ladakh Division of J&K State, Andaman and Nicobar Islands or Lakshadweep or abroad from a date prior to 24th August, 1981.

NOTE (i).—Candidates who are from areas entitled to additional time for submission of applications should also clearly indicate in their addresses in the relevant Column of the application the name of the particular area or region entitled to additional time (e.g. Assam, Meghalaya, Ladakh Division of J&K State, etc.) otherwise they may not get the benefit of additional time.

NOTE (ii).—Candidates are advised to deliver their applications by hand at the UPSC counter or send it by Registered Post. The Commission will not be responsible for the applications delivered to any other functionary of the Commission.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rupees Twenty-eight) [Rs. 7.00 (Rupees Seven) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and the Scheduled Tribes] through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India Main Branch, New Delhi.

7. If any candidate who took the Combined Limited Departmental Competitive Examination 1980 wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results of the 1980 Examination. If his name is recommended for inclusion in the Select List on the results of the 1980 Examination, his candidature for this Examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the Commission's office within a month from the date of announcement of the final results of the 1980 Examination.

8. A refund of Rs. 15.00 (Rupees Fifteen) [Rs. 4.00 (Rupees Four) in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes] will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above and in para 7, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

10. The question paper on General Studies as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rules will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests including sample questions, reference may be made to "Candidates Information Manual" at Annexure II.

VINAY JHA, Dy. Secy.
Union Public Service Commission.

ANNEXURE-I

Instructions to Candidates

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE. THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION.

Candidates should note that no request for change of centre will normally be granted. When a candidate, however, desires a change in centre, from the one he had indicated in his application form for the Examination, he must send a letter addressed to the Secretary, Union Public Service Commission by registered post, giving full justification as to why he desires a change in centre. Such requests will be considered on merits but requests received after 17th November, 1981 will not be entertained under any circumstances.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting in ink or with ball point pen. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

Candidates should note that only International form of Indian numerals are to be used while filling up the application form. They should take special care that the entries made in the application form should be clear and legible. In case there are any illegible or misleading entries, the candidates will be responsible for the confusion and the ambiguity caused in interpreting such entries.

Candidates should further note that no correspondence will be entertained by the Commission from them to change any of the entries made in the application form. They should, therefore, take special care to fill up the application form correctly.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Head of Office concerned, who will

verify the relevant entries and complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft or Indian Mission Receipt for the prescribed fee. (See para 6 of Notice).
- (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cms × 7 cms approx.) photograph of the candidate one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (iii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable (See para 4 below).
- (iv) Two self-addressed, unsealed envelopes of size approximately 11.5 cms × 27.5 cms.
- (v) Attendance sheet (attached with the application form) duly filled in.

Candidates should note that they must make any entries on the Attendance Sheet attached with the application form except their name and centre of examination.

NOTE (i).—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPY OF CERTIFICATE MENTIONED IN ITEM (iii) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR EVALUATION OF RECORD OF SERVICE OR FOR SHORTHAND TEST, AS THE CASE MAY BE, ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINAL OF THE CERTIFICATE MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MAY, 1982. CANDIDATES SHOULD KEEP THIS CERTIFICATE IN READINESS AND SUBMIT IT TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

NOTE (ii).—Candidates are further required to sign the attested certified copies of all the certificates sent along with application form and also to put the date.

Details of the documents mentioned in items (i) and (ii) are given below and of those in item (iii) are given in para 4:—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows:—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

NOTE (i).—Candidates should write their names and addresses on the reverse of the Bank Draft at the top at the time of submission of their applications. In the case of Postal Orders the name and address should be written by the candidates on the reverse of the Postal Orders at the space provided for the purpose.

NOTE (ii).—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the

40—126GI/81

prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00, (Rupees Twenty-eight) Rs. 7.00 (Rupees Seven in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head '051. Public Service Commission—Examination fees'. The candidate should forward the receipt from that office with the application.

(ii) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm x 7 cm. approx.) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraph 3(i) and (ii) above, it is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. (i) A candidate claiming eligibility for admission to the examination in terms of Rule 3(b) should submit along with his application an attested/certified copy of a certificate from the Ministry of Defence, to show that he joined the Armed Forces on or after 26th October, 1962. The copy of the certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his reversion from the Armed Forces.

(ii) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) claiming age concession under Rule 3(c) (ii) or 3(c) (iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971:—

(1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;

(2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;

(3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 3(c)(iv) or 3(c)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India

in Shri Lanka to show that he is an Indian Citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

(iv) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) or who is an Indian repatriate from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 3(c) (vi) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(v) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 3(c)(vii) or 3(c)(viii) should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963 or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 3(c)(ix) and 3(c)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the Candidates.

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 3(c)(xi) or 3(c)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs to show that he was disabled while in the Border Security

Certified that Rank No. _____ Shri _____ of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

5. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

6. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

7. Every application received in the Commission's Office is acknowledged and Roll No. is issued to the candidate in token of receipt of his application. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date prescribed for receipt of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

The fact that the Roll No. has been issued to the candidate does not, *ipso-facto*, mean that the application is complete in all respects and has been accepted by the Commission.

8. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the

Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

9. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the five preceding examinations held before 1976 for the C.S.S. Section Officer's Grade Limited Departmental Competitive Examination and the combined Limited Departmental Competitive Examination 1976, 1977, 1978 and 1979 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi (110054) and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi (110001), (ii) Sale Counter of the Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi (110001) and (iii) Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publication at various mofussil towns.

10. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

11. *Communications Regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INvariably CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

(1) NAME OF EXAMINATION.

(2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.

(3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.

(4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).

(5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B. (i).—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B. (ii).—IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

12. *Change in address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS

SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 11 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES. THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

ANNEXURE-H

CANDIDATES INFORMATION MANUAL

A. OBJECTIVE TEST

The General Studies paper of your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write answers. For each question (hereinafter referred to as item) several suggested answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one answer to each item.

This manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

B. NATURE OF THE TEST

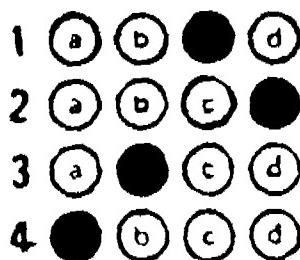
The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested answers marked a, b, c, d. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, then the best answer. (See "sample items" at the end). In any case, in each item you have to select only one answer; if you select more than one, your response will be considered wrong.

C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET (a specimen copy of which will be supplied to you along with the Admission Certificate) will be provided to you in the examination hall. You have to mark your response on the answer sheet. Response marked on the Test Booklet or in any paper other than the Answer Sheet will not be examined.

In the Answer Sheet, number of items from 1 to 160 have been printed in four 'Parts'. Against each item, circular spaces marked, a, b, c, d, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given answer is correct or the best, you have to mark the circle containing the letter of the selected answer by blackening it completely with pencil as shown below (to

indicate your response). Ink should not be used in blackening the circles on the Answer Sheet.



IT IS IMPORTANT THAT—

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
2. To change a wrong marking, erase it completely and remark the new choice. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
3. Do not handle your Answer Sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the Answer Sheet to the Invigilator/Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
5. You will be required to fill in some particulars on the Answer Sheet in the examination hall. You will also be required to encode some particulars on the Answer Sheet. Instructions about this will be sent to you along with your Admission Certificate.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test-Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the Answer Sheet is ambiguous you will get no credit for that item response. Follow

the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your Answer Sheet at the end of the test.

E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the Answer Sheet. Fill up the required information on the Answer Sheet. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked by the Supervisor, to do so.

F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All items carry equal marks. Attempt all of them. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and the sheet for rough work out of the Examination Hall.

SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

Note :—"denotes the correct/best answer-option)

1. (General Studies)

Bleeding of the nose and the ears is experienced at high altitudes by mountain climbers because

- (a) the pressure of the blood is less than the atmospheric pressure.

- *(b) the pressure of the blood is more than the atmospheric pressure.
- (c) the blood vessels are subjected to equal pressures on the inner and outer walls.
- (d) the pressure of the blood fluctuates relative to the atmospheric pressure.

2. (English)

(Vocabulary—Synonyms)

There was a *record* turnout of voters at the municipal elections.

- (a) exactly known
- (b) only those registered
- (c) very large
- *(d) largest so far

3. (Agriculture)

In Arhar, flower drops can be reduced by one of the measures indicated below

- *(a) spraying with growth regulators
- (b) planting wider apart
- (c) planting in the correct season
- (d) planting with close spacing

4. (Chemistry)

The anhydride of H_3VO_4 is

- (a) VO_3
- (b) VO_4
- (c) V_2O_3
- *(d) V_2O_5

5. (Economics)

Monopolistic exploitation of labour occurs when

- *(a) wage is less than marginal revenue product
- (b) both wage and marginal revenue product are equal
- (c) wage is more than the marginal revenue product
- (d) wage is equal to marginal physical product

6. (Electrical Engineering)

A coaxial line is filled with a dielectric of relative permittivity 9. If C denotes the velocity of propagation in free space, the velocity of propagation in the line will be

- (a) $3C$
- (b) C
- *(c) $C/3$
- (d) $C/9$

7. (Geology)

Plagioclase in a basalt is

- (a) Oligoclase
- *(b) Labradorite
- (c) Albite
- (d) Anorthite

8. (Mathematics)

The family of curves passing through the origin and satisfying the equation

$$\frac{d^2y}{dx^2} - \frac{dy}{dx} = 0 \text{ is given by}$$

- (a) $y = ax + b$
- (b) $y = ax$
- (c) $y = ae^x + be^{-x}$
- *(d) $y = ae^x - a$

9. (Physics)

An ideal heat engine works between temperatures $400^\circ K$ and $300^\circ K$. Its efficiency is

- (a) $3/4$
- *(b) $(4-3)/4$
- (c) $4/(3+4)$
- (d) $3/(3+4)$

10. (Statistics)

The mean of a binomial variate is 5. The variance is

- (a) 4^2
- *(b) 3
- (c) ∞
- (d) -5

11. (Geography)

The Southern part of Burma is most prosperous because

- (a) it has vast deposits of mineral resources
- *(b) it is the deltaic part of most of the rivers of Burma
- (c) it has excellent forest resources
- (d) most of the oil resources are found in this part of the country

12. (Indian History)

Which of the following is NOT true of Brahmanism?

- (a) Brahmanism always claimed a very large following even in the heyday of Buddhism
- (b) Brahmanism was a highly formalised and pretentious religion
- *(c) With the rise of Brahmanism, the Vedic sacrificial fire was relegated to the background
- (d) Sacraments were prescribed to mark the various stages in the growth of an individual.

13. (Philosophy)

Identify the atheistic group of philosophical systems in the following

- (a) Budhism, Nyāya, Cārvāka, Mīmāṃsā
- (b) Nyāya, Vaisesika, Jainism and Buddhism, Cārvāka
- (c) Advaita, Vedānta, Sāṃkhya, Cārvāka, Yoga
- (d) Buddhism, Sāṃkhya, Mīmāṃsā, Cārvāka

14. (Political Science)

'Functional representation' means

- *(a) election of representatives to the legislature on the basis of vocation
- (b) pleading the cause of a group or a professional association
- (c) election of representatives in vocational organization
- (d) indirect representation through Trade Unions

15. (Psychology)

Obtaining a goal leads to

- (a) increase in the need related to the goal
- *(b) reduction of the drive state
- (c) instrumental learning
- (d) discrimination learning

16. (Sociology)

Panchayati Raj institutions in India have brought about one of the following :

- *(a) formal representation of women and weaker sections in village government
- (b) untouchability has decreased
- (c) land-ownership has spread to deprived classes
- (d) education has spread to the masses

NOTE:—Candidates should note that the above sample items (questions) have been given merely to serve as examples and are not necessarily in keeping with the syllabus for this examination.